news@group5.in group5news group5news

www.group5news.com

सदैव आपके साथ...

हिन्दी दैनिक

ग्रुप-5 समाचार

www.group5news.com/epaper

लखनऊ || गुरुवार || 10 अप्रैल , 2025 वर्ष: 17 || अंक : 111 || पृष्ठ: 12 || मूल्य: 2/-

अंदर पढ़ें
» 08 क्या धोनी पर ही है सीएसके की सारी जिम्मेदारी ?
» 07 आईआईएम रायपुर और एनएडीटी ने कराधान
» 11 देश में अशिक्षा है सबसे बड़ा सामाजिक ..

आरबीआई ने फिर दी गुड न्यूज, रेपो रेट में की कटौती

● घट जाएगी आपके होम लोन और कार लोन की ईएमआई

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुद्रास्फीति में नरमी के बीच भारतीय रिजर्व बैंक ने बुधवार (9 अप्रैल) को आर्थिक वृद्धि को समर्थन देने के मकसद से प्रमुख नीतिगत दर रेपो रेट को 0.25 प्रतिशत घटाकर छह प्रतिशत करने का फैसला किया। गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा, एमपीसी (मौद्रिक नीति समिति) ने सर्वसम्मति से नीतिगत रेपो दर को तत्काल प्रभाव से 25 आधार अंकों से घटाकर 6 फीसदी करने के लिए वोट किया। चालू वित्त वर्ष की पहली द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा पेश करते हुए आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा, ''मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की छह सदस्यीय समिति ने आम सहमति से रेपो दर में 0.25 प्रतिशत कटौती करने का निर्णय किया है।'' उन्होंने कहा कि इसके साथ एमपीसी ने अपने रुख को 'तटस्थ' से 'उदार' करने का निर्णय किया है। इसका मतलब है कि आने वाले समय में नीतिगत दर के मामले में या तो यथास्थिति रह सकती है या फिर जरूरत पड़ने पर इसमें कटौती होगी। रेपो वह ब्याज दर है, जिस पर वाणिज्यिक बैंक अपनी तात्कालिक जरूरतों को पूरा करने के लिये केंद्रीय बैंक से कर्ज लेते हैं। आरबीआई मुद्रास्फीति को काबू में रखने के लिये इस दर का उपयोग करता है। रेपो दर में कमी करने का मतलब है कि मकान, वाहन समेत विभिन्न कर्जों पर मासिक किस्त में कमी आने की उम्मीद है।

बता दें कि आरबीआई ने इससे पहले इस साल फरवरी में मौद्रिक नीति समीक्षा में रेपो दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती कर 6.25 प्रतिशत कर दिया था। यह मई, 2020 के बाद पहली कटौती और ढाई साल के बाद पहला संशोधन था।

जालंधर में पूर्व मंत्री के घर आतंकी हमले में ऐक्शन

● दिल्ली में संदिग्धों को हिरासत में लिया

जालंधर (एजेंसी)। पंजाब बीजेपी के पूर्व प्रधान और पूर्व कैबिनेट मंत्री मनोरंजन कालिया के घर हुए आतंकी हमले को लेकर केंद्रीय एजेंसियां ऐक्शन में हैं। केंद्रीय सुरक्षा एजेंसी एनआईए जल्द मामले में जांच के लिए आ सकती है। सूत्रों के अनुसार सुरक्षा एजेंसियों ने मामले में सबूत जुटाने शुरू कर दिए हैं, जिससे मामले में तय से जांच की जा सके। पंजाब पुलिस से जुड़े सूत्रों से पता चला है कि दिल्ली से कुछ संदिग्धों को भी मामले में गिरफ्तार किया गया है। आरोपी को दिल्ली से हिरासत में लिया गया है। इसे लेकर जालंधर सिटी पुलिस की टीमें दिल्ली रवाना हो गई हैं। हालांकि इसे लेकर पंजाब पुलिस द्वारा कोई सटीक बयान नहीं जारी किया गया है।

चीनी सेना भारत के साथ मिलकर काम करने को तैयार

बीजिंग (एजेंसी)। चीन इस समय अमेरिका के साथ भीषण ट्रेड वॉर में उलझा हुआ है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीनी सामानों पर टैरिफ बढ़ाकर 104 फीसदी कर दिया है। इससे भारत को लेकर भी चीनी सरकार और सेना के रुख में नरमी आ गई है। चीनी सरकार ने अमेरिकी टैरिफ का मुकाबला करने के लिए भारत से समर्थन मांगा है। वहीं चीन के रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि उनके देश की आर्मी भारतीय सेना के साथ मिलकर काम करते हुए द्विपक्षीय संबंधों को बेहतर करना चाहती है। ग्लोबल टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, चीनी के रक्षा मंत्रालय के

प्रवक्ता झांग शियाओगांग ने बुधवार को कहा कि चीन और भारत के बीच राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ मनाने के लिए चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अपने भारतीय राष्ट्रपति साथ बधाई संदेशों का आदान-प्रदान किया है। उन्होंने कहा कि दो प्राचीन सभ्यताओं, प्रमुख विकासशील देशों और वैश्विक दक्षिण के महत्वपूर्ण सदस्यों के रूप में चीन और भारत आधुनिकीकरण के अहम दौर में हैं। झांग ने आगे कहा कि चीनी सेना दोनों देश के नेताओं की आम सहमति को लागू करने, संचार और रणनीतिक आपसी विश्वास को मजबूत करने, सीमा क्षेत्रों में शांति और सौहार्द की रक्षा करने में विश्वास रखती है।

केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी की नातिन की हत्या

गया (एजेंसी)। गया में केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी की नातिन की बुधवार को गोली मारकर हत्या कर दी गई है। मृतका की पहचान सुषमा देवी के रूप में हुई है। सुषमा पूर्व सीएम के भांजे की बेटी थी। वो अतरी ब्लॉक में विकास मित्र के पद पर काम करती थी, जबकि आरोपी पति रमेश पटना में ट्रक चलाता है। जानकारी के मुताबिक, दोपहर 12 बजे आरोपी ने घर में ही पत्नी के सीने में गोली मार दी और देसी कट्टा फेंककर फरार हो गया। दोनों की 14 साल पहले इंटरकास्ट मैरिज हुई थी। दोनों के 3

बच्चे हैं। बताया जा रहा है कि वारदात से पहले पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। घटना अतरी प्रखंड के टेटूआ गांव की है। वारदात के वक्त मृतका की बहन और बच्चे घर पर दूसरे कमरे में ही थे। गोली की आवाज सुनते ही मृतका की बहन और बच्चे मौके पर पहुंचे। वहीं, गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के लोग भी सुषमा के घर पहुंचे। फिर पुलिस को इसकी जानकारी दी। गांव के लोगों ने बताया कि 14 साल पहले बेलागंज थाना क्षेत्र के बरैनी गांव के रहने वाले रमेश सिंह से सुषमा की अंतरजातीय शादी हुई थी। दोनों को तीन बच्चे हैं, जिनमें 13 और 5 साल की बेटी है, जबकि 8 साल का एक बेटा है। गांव के कुछ लोगों ने बताया वह मिलनसार स्वभाव की थी।

छब्बीस मरीन राफेल डील को मंजूरी, बढ़ेगी नेवी की ताकत

● फ्रांस से 64 हजार करोड़ की डील तय,मोदी सरकार की मुहर

चीन से मुकाबले के लिए हिंद महासागर में की जाएगी तैनाती

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने फ्रांस से 26 मरीन राफेल फाइटर जेट की खरीदी को मंजूरी दे दी है। पीएम नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली सुरक्षा पर कैबिनेट कमेटी ने 9 अप्रैल को डील पर मुहर लगाई। भारत को 64 हजार करोड़ रुपए में 26 मरीन फाइटर मिलने हैं। इसके बाद फ्रांस 22 सिंगल-सीटर और 4 ट्विन-सीटर जेट भारतीय नौसेना को सौंपेगा। इन्हें हिंद महासागर में चीन से मुकाबले के लिए आईएनएस विक्रांत पर तैनात किया जाएगा। दोनों देशों के बीच 26 राफेल मरीन जेट की खरीद को लेकर कई महीनों से बातचीत चल रही थी। भारत नौसेना के लिए राफेल मरीन की डील उसी बेस प्राइज में करना चाहता था, जो 2016 में वायुसेना के लिए 36 विमान खरीदते समय रखी थी। इस डील की जानकारी सबसे पहले पीएम मोदी की 2023 की फ्रांस यात्रा के दौरान सामने आई थी। इसके बाद रक्षा मंत्रालय ने लेटर ऑफ रिक्वेस्ट जारी किया था, जिसे फ्रांस ने दिसंबर 2023 में स्वीकार किया। इससे पहले सितंबर 2016 में 59 हजार करोड़ रुपए की डील में भारत वायुसेना के लिए फ्रांस से 36 राफेल लड़ाकू विमान खरीद चुका है। पहले दौर की चर्चा जून 2024 में हुई थी। तब अधिकारियों ने कमेटी से चर्चा की थी।

पश्चिम बंगाल में लागू नहीं होगा वक्फ कानून

● ममता बोलीं-गोली मार दो पर धर्म के नाम पर बंटवारा नहीं होने दूंगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने मंगलवार को कहा कि नया वक्फ कानून पश्चिम बंगाल में लागू नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जब तक पश्चिम बंगाल में ममता दीदी है, मुस्लिम समुदाय की संपत्ति की रक्षा करेगी। ममता कोलकाता में जैन समाज के कार्यक्रम में बोल रही थीं। उन्होंने कहा- कुछ लोग पूछते हैं कि मैं हर धर्म के स्थानों पर क्यों जाती हूं। मैं पूरी जिंदगी जाऊंगी। चाहे कोई गोली मार दे, मुझे एकता से अलग नहीं किया जा सकता। बंगाल में धर्म के नाम पर बंटवारा नहीं होगा। जियो और जीने दो यही हमारा रास्ता है। इस बयान पर भाजपा नेता और पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि ममता फर्जी हिंदू हैं, अपनी भाषा और आचरण से उन्होंने यह सिद्ध कर दिया है। मुर्शिदाबाद में हिंदुओं की दुकानों पर तोड़फोड़ की गई, पुलिस पर हमला किया गया। फिर भी ममता चुप हैं। वक्फ संशोधन कानून लोकसभा-राज्यसभा से पास होने के बाद 8 अप्रैल से देश में लागू कर दिया गया है। इसकी संवैधानिकता के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में 12 याचिकाएं दाखिल हो चुकी हैं। सुप्रीम कोर्ट इस पर सुनवाई के लिए तैयार है। तारीख अभी नहीं तय की है। इधर, जम्मू-कश्मीर विधानसभा में बुधवार को लगातार तीसरे दिन नए वक्फ कानून पर हंगामा हुआ। विधानसभा में नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) और भाजपा के विधायकों के बीच हाथापाई हो गई।

ट्रम्प ने अब दवाओं पर टैरिफ लगाने का किया ऐलान

● कहा- इससे फार्मा कंपनियां वापस अमेरिका आ जाएंगी

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ऐलान किया है कि हम जल्द ही दवाइयों पर भारी टैरिफ लगाने जा रहे हैं। ट्रम्प ने कहा कि उनका मकसद विदेश में दवा बना रही कंपनियों को अमेरिका में वापस लाना और घरेलू दवा इंडस्ट्री को बढ़ावा देना है। ट्रम्प ने कहा कि दूसरे देश दवाओं की कीमतों को कम रखने के लिए बहुत ज्यादा दबाव बनाते हैं। वहां ये कंपनियां सस्ती दवा बेचती हैं, लेकिन अमेरिका में ऐसा नहीं होता है। एक बार जब इन दवा कंपनियों पर टैरिफ लग जाएगा तो ये सारी कंपनियां अमेरिका वापस आ जाएंगी। अगर अमेरिका दवाओं पर भी टैरिफ लगाने का फैसला लेता है तो इसका भारत पर भी असर पड़ेगा। भारतीय

फार्मास्युटिकल कंपनियां हर साल अमेरिका को 40 फीसदी जेरेनिक दवाएं भेजती हैं। ट्रम्प ने कहा कि दवाएं दूसरे देशों में बनती हैं और इसके लिए आपको ज्यादा कीमत चुकानी पड़ती है। लंदन में जो दवा 88 डॉलर में बिकती है, वही दवा अमेरिका में 1300 डॉलर में बिक रही है। अब यह सब खत्म हो जाएगा। अमेरिकी राष्ट्रपति बोले कि टैरिफ लगाने से फार्मा कंपनियां वापस आएंगी, क्योंकि अमेरिका बहुत बड़ा बाजार है। अगर ऐसा नहीं हुआ तो विदेशी दवा कंपनियों को भारी टैक्स चुकाना पड़ेगा।

नवकार महामंत्र क्यों है इतना खास, नंगे पांव पहुंचे पीएम मोदी

● शांति और एकजुटता के लिए 108 देश के लोगों ने किया यह जाप ● पीएम बोले-यह शांति,सद्भाव और पर्यावरण संरक्षण के लिए सबक ● मोदी ने कहा-जैन साहित्य भारत की आध्यात्मिक भव्यता की रीढ़ है

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नवकार महामंत्र दिवस पर आयोजित नवकार महामंत्र कार्यक्रम में शामिल होने के लिए बिना जूते के पहुंचे। इसके अलावा उन्होंने मंच पर नहीं बल्कि आम लोगों के साथ बैठकर कार्यक्रम में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने पारंपरिक धोती और कुर्ता धारण किया था। इस दौरान उन्होंने कहा कि जैन धर्म ने भारत की पहचान स्थापित करने में अमूल्य भूमिका निभाई है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इसके मूल्य आतंकवाद, युद्ध और पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी वैश्विक चुनौतियों से पार पाने में मददगार हैं। पीएम मोदी ने नवकार महामंत्र दिवस के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि उनकी सरकार इस प्राचीन धर्म की विरासत और शिक्षाओं के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि तीर्थंकरों की शिक्षाओं और मूर्तियों के जरिए इस धर्म का प्रभाव संसद भवन पर दिखाई देता है। नवकार महामंत्र दिवस आध्यात्मिक सद्भाव और नैतिक चेतना का एक महत्वपूर्ण उत्सव है, जो जैन धर्म में सबसे अधिक पवित्र है। इस नवकार महामंत्र के सामूहिक जप के माध्यम से लोगों को एकजुट करने का प्रयास किया जाता है।

गूगल मैप ने बिहार की जगह दिखा दी यूपी के एक गांव की लोकेशन

● रेल पटरी पर पहुंची कार,सामने से आ रही थी तेज रफ्तार मालगाड़ी

● ड्राइवर ने लगाया ब्रेक,पार्टी करने आए आदर्श राय की बच गई जान

गोरखपुर (एजेंसी)। गूगल मैप के सहारे रास्ता सफर करना अब खतरनाक होता जा रहा है। उत्तर प्रदेश में कई ऐसे मामले सामने आ चुके हैं।ताजा केस गोरखपुर से सामने आया है। यहां देर रात एक युवक पार्टी करने के बाद अपने गांव वापस निकला। गांव की जगह वह रेलवे ट्रैक पर पहुंच गया। तभी सामने से तेज रफ्तार में मालगाड़ी आते देख कार सवार के होश उड़ गए। उसकी किस्मत अच्छी थी कि ट्रेन के ड्राइवर ने समय रहते इमरजेंसी ब्रेक लगा दी वर्ना कुछ भी हो सकता था।

सरकार ने ईवीएम में गड़बड़ी की, बैलेट से हो चुनाव

● गुजरात में कांग्रेस के 84वें अधिवेशन में बोले मल्लिकार्जुन खड़गे ● पार्टी के कार्यक्रम में सोनिया और राहुल रहे मौजूद,प्रियंका नहीं आईं

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात के अहमदाबाद में कांग्रेस का 84वां अधिवेशन हो रहा है। यह दो दिन (8 और 9 अप्रैल) का है। मंगलवार को पहले दिन कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक चार घंटे चली। आज दूसरे दिन साबरमती रिवरफ्रंट पर मुख्य अधिवेशन हो रहा है, जिसमें देशभर से 1700 से अधिक कांग्रेस कमेटी के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। अधिवेशन में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी और राहुल मौजूद हैं, लेकिन प्रियंका गांधी नहीं पहुंची। चुनाव बैलेट पेपर से होना चाहिए, ईवीएम से नहीं खड़गे ने ईवीएम पर सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार ने ऐसी तकनीक बनाई है, जिससे उन्हें फायदा हो और विपक्ष को नुकसान। उनका सुझाव है कि चुनाव बैलेट पेपर से होना चाहिए, ईवीएम से नहीं। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र चुनाव भी धोखे से जीता। महाराष्ट्र में 150 सीटों पर लड़कर 138 पर जीत हासिल की गई, जो 90 प्रतिशत जीत है। ऐसा पहले कभी नहीं देखा। खड़गे ने आगे कहा- सब कुछ पता लगा लिया जाएगा, क्योंकि चोर चोरी करता है और आज नहीं तो कल पकड़ा जाएगा। नेहरू ने जो बनाया, उसे मोदी खत्म करना चाहते हैं अधिवेशन के दूसरे दिन की शुरुआत झंडावंदन के साथ हुई। इसके बाद पार्टी अध्यक्ष खड़गे ने कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने कहा- नरेंद्र मोदी एक-एक करके सार्वजनिक क्षेत्र को बेचकर अपने दोस्तों को दे रहे हैं और देश को बेचकर चले जाएंगे। उनका मानना है कि जवाहरलाल नेहरू ने जो बनाया, उसे मोदी खत्म करना चाहते हैं, जबकि सरकार अपने उद्योगपति मित्रों को फायदा पहुंचा रही है। वे सिर्फ कांग्रेस को गालियां देते हैं, इसके अलावा कोई बात नहीं करते। वक्फ संशोधन अधिनियम पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, महत्वपूर्ण सार्वजनिक मुद्दों पर चर्चा करने के बजाय, सरकार ने संसद में सुबह 3-4 बजे तक सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के लिए बहस की। मणिपुर जैसे मुद्दों पर, सुबह 4.40 बजे बहस शुरू हुई। खड़गे बोले, मैंने अमित शाह से कहा कि हमें अगले दिन इस पर चर्चा करनी चाहिए।

निजीकरण के खिलाफ सड़कों पर उतरे हजारों की संख्या में बिजलीकर्मी

बोले, फिर से यूपी को लालटेन युग में ले जाना चाहता है प्रबंधन, निजीकरण किसी कीमत पर मंजूर नहीं

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन पूर्वांचल और दक्षिणांचल के 42 जिलों का निजीकरण करने की दिशा में आगे कदम बढ़ा रहा है तो बिजली विभाग के कर्मचारी प्रबंधन के इस फैसले से नाराज होकर काम से ही अपने कदम पीछे खींचने लगे हैं। बिजली कर्मचारियों के कदम अब जनसभा, रैली से लेकर आंदोलन और हड़ताल तक के लिए आगे बढ़ रहे हैं। बुधवार को राणा प्रताप मार्ग स्थित फील्ड हॉस्टल कार्यालय पर विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के संयोजक शैलेंद्र दुबे के नेतृत्व में बड़ी जनसभा हुई। प्रदेश भर से हजारों की संख्या में बिजली से जुड़े तमाम संगठनों के बैनर तले कर्मचारी यहां पर पहुंचे और उन्होंने निजीकरण के फैसले को लेकर विरोध जताया। जनसभा के बाद फील्ड हॉस्टल से शक्ति भवन तक रैली निकालने के लिए भी हजारों की संख्या में कर्मचारी आगे बढ़े, लेकिन बड़ी संख्या में तैनात पुलिसबल ने बैरिकेडिंग लगाकर उन्हें रोकने का भरपूर प्रयास किया। इस दौरान बिजली कर्मियों और पुलिस कर्मियों के बीच नोक झोंक भी हुई. बड़ी तादाद में जमा हुए बिजली कर्मियों की रैली और जनसभा के चलते हजरतगंज का पूरा क्षेत्र ही जाम हो गया। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति की तरफ से पहले से ही नौ अप्रैल को घोषित जनसभा और रैली में शामिल होने के लिए प्रदेश भर से बड़ी संख्या में बिजली कर्मचारी पहुंचे। खासकर पूर्वांचल और दक्षिणांचल के उन जिलों के संविदा कर्मी पूरे जोश और उत्साह के साथ कार्यक्रम में हिस्सा लेना पहुंचे जहां पर निजीकरण का खतरा मंडरा रहा है। समिति के संयोजक शैलेंद्र दुबे का कहना है कि प्रबंधन निजीकरण करने पर आमादा है जबकि बिजली कर्मी किसी भी कीमत पर निजीकरण नहीं चाहते हैं। आज हमने जनसभा और रैली का कार्यक्रम रखा है। अगर प्रबंधन झुकता है तो ठीक नहीं तो आगे बड़े आंदोलन की रणनीति तैयार की जाएगी। आज उत्तर प्रदेश ही नहीं देशभर से बिजली संगठनों के पदाधिकारी लखनऊ पहुंचे हैं। निजीकरण को लेकर किस तरह से आगे विरोध करना है उस पर मंथन किया गया है। संगठन के पदाधिकारी अमिताभ सिन्हा का कहना है कि 125 दिन से आंदोलन चल रहा है लेकिन सरकार ध्यान नहीं दे रही है। अभी शक्ति भवन की तरफ कूच कर रहे हैं। फिर वापस यहां आएंगे और आगे की रणनीति बनाएंगे। निजीकरण करके पावर कॉरपोरेशन एक बार फिर उत्तर प्रदेश को लालटेन युग में ले जाने का प्रयास कर रहा है। निजीकरण हुआ तो बड़ी संख्या में बिजली कर्मी बेरोजगार हो जाएंगे। निजीकरण हमें किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं है। मरते दम तक निजीकरण का विरोध किया जाएगा किसी कीमत पर हम निजीकरण होने नहीं देंगे। संगठन के पदाधिकारी माया शंकर तिवारी का कहना है कि पहले भी हमने निजीकरण को लेकर आंदोलन किया और प्रबंधन को झुकने पर मजबूर किया। इस बार भी हम निजीकरण नहीं होने देंगे। हरहाल में सरकार और प्रबंधन को झुकना ही पड़ेगा।

ऊर्जा मंत्री और अध्यक्ष के खिलाफ लगे नारे

उत्तर प्रदेश के ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा और पावर कारपोरेशन के अध्यक्ष डॉ आशीष गोयल के खिलाफ कर्मचारियों ने जमकर नारेबाजी की। संयोजक शैलेंद्र दुबे ने पहले ही सभी को दिशा निर्देश दे दिए थे कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री जिंदाबाद के नारे लगाने हैं और ऊर्जा मंत्री और अध्यक्ष के खिलाफ मुर्दाबाद के नारे लगाए जाएंगे। उनके निर्देश के बाद कार्यक्रम में हिस्सा लेने पहुंचे हजारों की संख्या में कर्मचारियों ने ऊर्जा मंत्री और अध्यक्ष के खिलाफ मुर्दाबाद के नारे लगाए।

भाजपा कर्मचारियों की नौकरियां निगल जाएगी : अखिलेश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि बिजली के निजीकरण के पीछे भाजपा का बड़ी कंपनियों से सीधे एकमुश्त चंदा लेने की योजना का लालच ही काम कर रहा है। भाजपा कर्मचारियों की नौकरियाँ निगल जाएगी और बिजली की मनमानी रेट बढ़ाकर जनता का ही शोषण करेगी। महंगाई की मारी जनता से भाजपा क्योंकि ख़ुद सीधे वसूल नहीं सकती है, इसीलिए वो निजी पूँजीपतियों के माध्यम से जनता की जेब पर डाका डालना चाहती है। सिवाय भाजपा और पूँजीपतियों के निजीकरण का लाभ किसी को नहीं मिलनेवाला। आज बिजली का निजीकरण कर रहे हैं। कल पानी और सड़क पर चलने का भी कर देंगे। भाजपा हर निजीकरण के नाम पर दरअसल चंदा वसूली के काम को ठेके पर देती है। भाजपा का बस चले तो सरकार को ही आउटसोर्स कर दे। साथ ही निजीकरण के माध्यम से भाजपाई आरक्षण का भी अधिकार पिछले दरवाज़े से छीन लेना चाहते हैं। हम प्रदेश की जनता, बिजली कर्मचारियों और आरक्षण समर्थकों के साथ हैं और हमेशा रहेंगे।

सरकार ने 73 नए संस्कृत महाविद्यालयों को मान्यता प्रदान की

लखनऊ, (ग्रुप 5 सं)। उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य में 73 नए संस्कृत महाविद्यालयों को मान्यता प्रदान की है। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई है। इसके अलावा उत्तर प्रदेश माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद ने चार नए डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी शुरू किए हैं, जिनका उद्देश्य छात्रों को रोजगार से जोड़ना है। बयान के मुताबिक, नए संस्कृत महाविद्यालयों की मान्यता से लाखों छात्रों को लाभ मिलेगा। साथ ही नए विद्यालयों की स्थापना से ग्रामीण क्षेत्रों के छात्रों को भी संस्कृत शिक्षा का अवसर मिल सकेगा जिससे वे अपना भविष्य बेहतर बना पाएंगे। माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद के सचिव शिव लाल ने बताया कि संस्कृत न केवल भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा का हिस्सा है, बल्कि यह आधुनिक शिक्षा और रोजगार के अवसर भी प्रदान करती है। उन्होंने बताया कि इसी को ध्यान में रखते हुए प्रदेश सरकार संस्कृत शिक्षा को बढ़ावा दे रही है और इन नए प्रयासों से प्रदेश के युवाओं को लाभ मिलने की उम्मीद है।

विवाहिता की हुई हत्या के मामले में आरोपी के माता-पिता गिरफ्तार

- मुख्य आरोपी फरार, लगातार दी जा रही दबिशें
- घर में अकेला पाकर उतारा था मौत के घाट

लखनऊ, (ग्रुप 5 संवाददाता)। बंथरा इलाके में बीते दिनों विवाहिता की हुई हत्या के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी के मां-बाप को गिरफ्तार कर बुधवार को उन्हें जेल भेज दिया। जबकि मुख्य आरोपी अभी भी पुलिस की पकड़ से कोसों दूर है। बताते चलें कि बंथरा के मवई पड़ियाना गांव में बीती 4 अप्रैल शुक्रवार शाम करीब 5 बजे मोनी उर्फ मीरा देवी (25) की उसके पति व ग्राम प्रधान के बेटे संदीप गौतम ने घर के अंदर दुपट्टे से गला कसने के साथ भारी वस्तु से मुंह पर वार कर हत्या कर दी थी। उस दौरान मृतका की सास व ग्राम प्रधान सीमा रानी अपने पति राम प्रकाश के साथ सरोजनीनगर स्थित गौरी बाजार गई थी। तभी घर में अकेला पाकर सात माह की गर्भवती मीरा की उसके पति ने हत्या कर दी थी। बाद में वह फरार हो गया था। सूचना के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस मामले में मृतका के पिता हरदोई जिले के कासिमपुर बेहन्दर थाना अंतर्गत रामपुरवा भटौली निवासी कालिका प्रसाद ने आरोपी संदीप, उसके भाई कुलदीप व उत्कर्ष और उसके मां-बाप के खिलाफ बंथरा थाने में दहेज हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई। रिपोर्ट दर्ज करने के बाद पुलिस दो टीमें बनाकर मुख्य आरोपी की तलाश में जुट गई। लेकिन कई दिन बीतने के बाद भी पुलिस मुख्य आरोपी संदीप को अभी तक नहीं गिरफ्तार कर सकी। बल्कि अपनी फजीहत होते देख संदीप के मां-बाप को गिरफ्तार कर बुधवार को जेल भेज दिया है। पुलिस पूछताछ में राम प्रकाश और उसकी पत्नी ग्राम प्रधान सीमा रानी ने बताया कि वह जब गौरी बाजार से वापस लौटे तो घर के अंदर संदीप खड़ा नजर आया और उनके पहुंचते ही बाइक लेकर वहां से भाग निकला। जब प्रधान सीमा रानी घर के अंदर आगे बढ़ी तो उसकी बहू मोनी मृत अवस्था में जमीन पर पड़ी मिली। इसके बाद उसने पुलिस को सूचना दी। फिलहाल पुलिस लगातार फरार चल रहे मुख्य आरोपी संदीप की तलाश में उसके संदिग्ध ठिकानों पर छापेमारी करने में जुटी है।

सुशांत गोल्फ सिटी, काकोरी व ठाकुरगंज में 06 अवैध प्लाटिंग ध्वस्त

लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार के निर्देश पर प्रवर्तन जोन-1, जोन-3 एवं जोन-7 की टीम ने की कार्यवाही

लखनऊ, (ग्रुप 5 सं)। लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार के निर्देश पर शहर में अवैध निर्माण व प्लाटिंग के खिलाफ लगातार चलाये जा रहे अभियान के क्रम में बुधवार को प्रवर्तन टीम ने सुशांत गोल्फ सिटी, काकोरी व ठाकुरगंज क्षेत्र में कार्यवाही की। जिसमें अवैध रूप से की जा रही 06 अवैध प्लाटिंग पर बुलडोजर चलाया गया। इस दौरान डेवलपर द्वारा स्थल पर विकसित की गयी सड़क, नाली, बाउन्ड्रीवॉल, साइट ऑफिस आदि को ध्वस्त कर दिया गया। प्रवर्तन जोन-1 के जोनल अधिकारी देवांश त्रिवेदी ने बताया कि पवन कुमार, रामशंकर ओझा व अन्य द्वारा सुशांत गोल्फ सिटी थानाक्षेत्र में बक्कास रोड पर ग्राम-मलूकपुर में लगभग 05 बीघा क्षेत्रफल में अवैध रूप से प्लाटिंग का कार्य किया जा रहा था। इसी तरह संदीप गुप्ता व अन्य द्वारा किसान पथ के पास मलूकपुर में लगभग 10 बीघा क्षेत्रफल में अवैध प्लाटिंग कर कालोनी विकसित की जा रही थी। वहीं, चन्द्रपाल रावत व अन्य द्वारा ग्राम-मलूकपुर में लगभग 10 बीघा क्षेत्रफल में अवैध तरीके से प्लाटिंग का कार्य किया जा रहा था। प्राधिकरण से ले-आउट स्वीकृत कराये बिना की जा रही इन तीनों अवैध प्लाटिंग के विरूद्ध विहित न्यायालय द्वारा ध्वस्तीकरण के आदेश पारित किये गये थे। जिसके अनुपालन में प्रवर्तन टीम द्वारा उक्त अवैध प्लाटिंग को ध्वस्त कराया गया। प्रवर्तन जोन-3 के जोनल अधिकारी रवि नंदन सिंह ने बताया कि शुभम, भानु व अन्य द्वारा काकोरी के ग्राम-कठिंगरा में लगभग 04 बीघा क्षेत्रफल में अवैध रूप से प्लाटिंग का कार्य किया जा रहा था। वहीं, मेसर्स इन्डेन बुडर्स व अन्य द्वारा काकोरी में सब स्टेशन के सामने लगभग 10 बीघा क्षेत्रफल में अवैध प्लाटिंग का कार्य कराया जा रहा था। इन दोनों अवैध प्लाटिंग को विहित न्यायालय के आदेशों के अनुपालन में बुधवार को प्रवर्तन टीम द्वारा ध्वस्त किया गया। प्रवर्तन जोन-7 के जोनल अधिकारी विपिन कुमार शिवहरे ने बताया कि शिवम कुमार, रिंकू व प्रमोद कुमार द्वारा ठाकुरगंज के न्यू हैदरगंज में बेबीयॉन लॉन के बगल लगभग 15,000 वर्गमीटर क्षेत्रफल में अनाधिकृत रूप से प्लाटिंग का कार्य करते हुए अवैध कालोनी विकसित की जा रही थी। प्राधिकरण से ले-आउट स्वीकृत कराये बिना की जा रही उक्त अवैध प्लाटिंग के विरूद्ध वाद योजित करते हुए ध्वस्तीकरण के आदेश पारित किये गये थे। जिसके अनुपालन में प्रवर्तन टीम द्वारा पुलिस बल के सहयोग से अवैध प्लाटिंग के ध्वस्तीकरण की कार्यवाही करायी गयी।

ट्रांसफर के लिए सिफारिश वाला दांव बिजली कर्मियों को पड़ेगा भारी

लखनऊ, (ग्रुप 5 संवाददाता)। बिजली विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को अपने ट्रांसफर के लिए जनप्रतिनिधियों से जुगाड़ लगवाना भारी पड़ेगा। उनका अपने स्वार्थ के लिए चला गया यह दांव उन पर ही भारी पड़ सकता है। कारण है कि क्रीम जगह पर पोस्टिंग लेने की ख्वाहिश रखने वाले ऐसे अधिकारियों कर्मचारियों पर अब पावर कॉरपोरेशन की एक टीम हर माह बारीकी से नजर रखेगी। उत्तर प्रदेश पॉवर कॉरपोरेशन ने डेटा एनालिटिक टीम का गठन किया है। ये टीम 19 बिंदुओं का प्रतिमाह विश्लेषण करेगी। पावर कारपोरेशन के अध्यक्ष डॉ आशीष गोयल का कहना है कि इस टीम के गठन से ऊर्जा विभाग के काम में पारदर्शिता आएगी।

इन मुख्य बिंदुओं पर रहेगी टीम की नजर

1. स्थानांतरण के लिए बार-2 विभिन्न माध्यम (स्वयं या जन प्रतिनिधि) से आवेदन करने वाले कार्मिक
2. ऐसे कार्मिक जिन्होंने पिछले 10 वर्षों में प्रशासनिक आधार पर तीन से ज्यादा ट्रांसफर हुए हों
3. ऐसे कार्मिक जो भिन्न-2 कारणों से विगत पांच वर्षों में निरंतर चिकित्सीय प्रतिवेदन के आवेदन प्रेषित करते हों
4. ऐसे कार्मिक जिन्होंने विगत पांच वर्षों में आरटीआई के माध्यम से सूचना मांगी हों या पांच से अधिक बार शिकायतें प्रेषित की हों
5. ऐसे कार्मिक जिन्होंने अन्य विभागों में नौकरी पाने के लिए एनओसी का पिछले पांच वर्षों में 10 बार से अधिक आवेदन किया हो
6. अंतिम वर्ष 2027 में उपलब्ध होने वाली केंद्रवार रिक्तियां
7. ऐसे कौन से अधिकारी हैं जिन पर बार बार भ्रष्टाचार के आरोप सिद्ध हुए और वे उसी स्थान पर या समीपवर्ती स्थान पर कार्यरत हैं
8. ऐसे कौन से अधिकारी हैं जिन पर भ्रष्टाचार के आरोप सिद्ध हुए और वे उसी स्थान पर या समीपवर्ती स्थान पर कार्यरत हैं
9. ऐसे कौन से अधिकारी हैं, जिन्होंने स्थानांतरण के लिए विशेष सिफारिश कराई है और उन्हें पूर्व पोस्टिंग से हटे हुए एक वर्ष का कम समय हुआ है
10. ऐसे कौन से अधिकारी हैं जो विगत पांच वर्षों में कड़ा दण्ड पाकर भी उसी डिवीजन में तैनात हैं
11. ऐसे कौन में कार्मिक हैं जो कड़ा दण्ड पाने के बावजूद भी उसी क्षेत्र या समीपवर्ती क्षेत्र में तैनात हैं
12. ऐसे कौन से कार्मिक (टीमों-2 वगैरह) हैं, जिन पर विगत पांच वर्षों के अंदर भ्रष्टाचार से संबंधित दो या अधिक बार आरोप सिद्ध हुआ हो
13. ऐसे कौन से कार्मिक हैं, जिन्होंने 10 वर्षों में दो या अधिक बार बहुत दण्ड पाया हो
14. ऐसे कौन से कार्मिक हैं, जिन्होंने विभाग के किसी न्यायालय व अधिकरण में केस किए हुए हैं और उनकी तात्कालिक तैनाती लखनऊ में है
15. चिकित्सीय प्रतिवेदन के असत्य दावों को सत्यापन को विश्लेषण करना
16. किसी कार्मिक व अधिकारी के खिलाफ बार-2 शिकायती पत्र आना
17. ई-ऑफिस से प्रचलित पत्रावलियों के माध्यम से किसी एक इकाई में कार्य की अधिकारता का विश्लेषण कर मैपिंग व Rationalization करना
18. कार्मिक के कार्य करने की के अनुसार सात घंटे की अवधि में कार्यालय में माह में पांच बार एक घंटे से अधिक अनुपस्थित रहना
19. ऐसे 10 जनपदों को चिन्हित करना जहां लापरवाही के कारण अधिक विद्युत दुर्घटनाएं घटित हुई है

लखनऊ में छतों पर घूम रहे सियार एक पकड़ा गया दूसरा अभी भी पकड़ से दूर, दहशत में इलाके के लोग

लखनऊ, (ग्रुप 5 सं)। लखनऊ के आसपास इलाकों में भेड़िया, तेंदुआ और बाघ के बाद अब शहर के अंदर सियार दाखिल हो चुके हैं। चौक क्षेत्र के पाटानाला इलाके में रात में छतों पर सियार घूम रहे हैं। इससे इस इलाके में रहने वाले लोग दहशत में हैं। वन विभाग की टीम ने सियार के बच्चे को तो पकड़ने में सफलता हासिल कर ली है लेकिन अभी भी बड़ा सियार पकड़ से दूर है। जब तक सियार पकड़ नहीं जाता है तब तक इस इलाके में रहने वाले लोग दहशत में हैं। सियार के छतों पर घूमने का वीडियो स्थानीय लोगों ने रात में शूट किया और फिर वन विभाग को भेजा। इसके बाद वन दारोगा राम धीरज यादव और बलवीर सिंह ने टीम के साथ यहां पर कांबिंग की और इस दौरान एक सियार का बच्चा वन विभाग की टीम के पकड़ में आया, लेकिन अभी भी बड़ा सियार वन विभाग की टीम की पकड़ से दूर है। राम धीरज यादव ने बताया कि दूसरे सियार को पकड़ने की कोशिश जारी है. हालांकि रात से वह दिखा नहीं है। टीम कांबिंग कर रही है जिससे जल्द से जल्द दूसरे सियार को भी पकड़ा जा सके। बता दें कि इससे पहले लखनऊ क्षेत्र के रहमान खेड़ा इलाके में कई महीने तक बाघ की दस्तक से लोग परेशान रहे। तीन महीने में 100 करोड रुपए खर्च करने के बाद बमुश्किल वन विभाग की टीम को बाघ पकड़ने में कामयाबी मिली। कुछ साल पहले लखनऊ के ठाकुरगंज इलाके में तेंदुआ भी दस्तक दे चुका था। तेंदुए और बाघ के बाद अब सियारों की बारी आई है। विश्वस्त सूत्रों का यह भी कहना है कि सियार कहीं से आए नहीं बल्कि कोई इन्हें पाल रहा होगा, लेकिन जब मुखबिरी हो गई होगी तो इन्हें छोड़ दिया गया।

उपभोक्ता परिषद ने किया खुलासा

महत्वपूर्ण तथ्यों को छिपाकर ब्रिटिश कंपनी ने यूपी में हथियाया टेंडर

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में दक्षिणांचल व पूर्वांचल के 42 जनपदों के निजीकरण के लिए रखे गए ट्रांजैक्शन एडवाइजर पर बुधवार को उपभोक्ता परिषद ने बड़ा खुलासा किया। उपभोक्ता परिषद का दावा है कि ब्रिटिश कंपनी ग्रांट थ्रोनटन ने अनेकों महत्वपूर्ण तथ्यों को छिपाकर उत्तर प्रदेश में निजीकरण प्रक्रिया का मसौदा तैयार करने का टेंडर हथियाया है। उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा का कहना है कि इसकी छानबीन में सामने आया है कि अमेरिका की पब्लिक कंपनी अकाउंटिंग ओवर साइड बोर्ड (पीसीएओबी) ने 20 फरवरी 2024 को ग्रांट थॉर्नटन के ऊपर अनेकों ऑडिट संबंधी अनियमितता के आरोप लगाकर सेंसर पारित करते हुए 40000 डॉलर पेनल्टी लगाने का आदेश सुना दिया था। कहा था कि पेनाल्टी न जमा करने पर इसका लाइसेंस निरस्त किया जाएगा। इतने महत्वपूर्ण तथ्यों को छुपाकर उत्तर प्रदेश में टेंडर लिया गया। पावर कॉरपोरेशन के अधिकारियों की इसमें मिलीभगत है। पूरे मामले की जानकारी एक लोकमहतव प्रस्ताव के माध्यम से उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग को भी सौंप दी है। आयोग से यह मांग की है कि विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 17 के तहत बिना विद्युत नियामक आयोग की पूर्व अनुमति के जो कार्रवाई की जा रही है उस पर तत्काल रोक लगाई जाए। अमेरिकी कंपनी का जो खुलासा सामने आया है उसके आदेश की प्रति भी विद्युत नियामक आयोग को भेज दी है और पूरे मामले पर तत्काल हस्तक्षेप करने की मांग की है। वर्मा का कहना है कि इतना बड़ा मामला सामने आने के बाद प्रदेश की बिजली कंपनियां भी सोचने को मजबूर हो गई हैं। पहले ही इस कंसलटेंट कंपनी को असंवैधानिक तरीके से टेंडर देने का आरोप लग रहा था अब इतना बड़ा मामला सामने आने के बाद पावर कारपोरेशन के सामने विधिक संकट खड़ा होने वाला है।

फिटनेस सेंटर पर चालकों का मेडिकल चेकअप ठप

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। परिवहन विभाग की ओर से सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के लिए कई प्रयास किए जा रहे हैं। इसके लिए विभाग ने एनजीओ की मदद से फिटनेस सेंटर पर फिटनेस के लिए आने वाले वाहनों के साथ चालकों के स्वास्थ परीक्षण के लिए कैम्प का आयोजन कर उनके स्वास्थ की जांच किए जाने के निर्देश दिए थे।पिछले कुछ दिनों ट्रांसपोर्ट नगर स्थित फिटनेस सेंटर पर गाडियों का फिटनेस चेकअप तो होता ही है। साथ ही यहां आने वाले गाड़ी चालकों का भी मेडिकल चेकअप किया जाता था। लेकिन, बीते काफी समय से यह सुविधा ठप चल रही है। दरअसल, जिस संस्थान द्वारा स्वास्थ परीक्षण कराया जाता था, उसने यह काम छोड़ दिया है। ऐसे में चालकों का मेडिकल चेकअप ठप पड़ा हुआ है। हालांकि, आरटीओ अधिकारी के मुताबिक जल्द ही इस सुविधा को दोबारा शुरू कराया जाएगा। ताकि सभी को इसका फायदा मिल सके। बता दें कि फिटनेस सेंटर पर रोजाना 100-110 से अधिक कॉमर्शियल वाहनों का फिटनेस किया जाता है। साथ ही सेंटर पर चालक का हेल्थ चेकअप, स्वास्थ्य संबंधित समस्याओं का समाधान और जागरुक करने का काम किया जाता है। साथ ही फ्री दवाइयां, मानसिक दबाव, फ्री चश्मा आदि की सुविधा भी मिलती थी। वहीं, गंभीर समस्या होने पर डॉक्टर को दिखाने की सलाह भी दी जाती थी। यहां सुविधा एक एनजीओ के सहयोग से चल रही थी। लेकिन, बीते एक माह से अधिक समय से यह सुविधा बंद हो गई है। जिसकी वजह से यहां आने वाले चालकों का स्वास्थ परीक्षण नहीं हो पा रहा है। एनजीओ को देखा जा रहा है। आरटीओ-प्रशासन संजय तिवारी ने बताया कि सेंटर पर मेडिकल सुविधा थी। लेकिन, इसे देने के लिए विभाग बाध्य नहीं है। लेकिन, फिर भी चालकों की सेहत और सुविधा को देखते हुए इसे दोबारा शुरू करने के लिए अन्य एनजीओ को संपर्क किया जा रहा है। ताकि विभाग की ओर से मिल रही एक अच्छी पहल का फायदा चालकों को मिल सके। क्योंकि चालकों की सेहत सही रहेगी तो दुर्घटनाओं में भी कमी आएगी। फिलहाल अभी सेंटर पर वाहनों की फिटनेस के लिए आने वाले चालकों को जागरुक करने का काम किया जा रहा है। साथ ही खुद की हेल्थ पर भी ध्यान देने की सलाह दी जा रही है।

यूपी में अब एआरटीओ और पीटीओ की तरह एमवीआई भी कर सकेंगे वाहनों की चेकिंग

कैबिनेट से मिला सड़क पर वाहनों को जांचने का अधिकार

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार की मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में मोटर व्हीकल इंस्पेक्टर को अधिकार प्रदान करने संबंधित प्रस्ताव पर मुहर लगा दी गई। इसके बाद अब मोटर वाहन निरीक्षक सड़क पर किसी भी वाहन की विभिन्न मानकों पर जांच कर सकेंगे। उन्हें प्रवर्तन संबंधी अधिकार भी दिए जाएंगे। इसके लिए उत्तर प्रदेश मोटर यान नियमावली व उत्तर प्रदेश परिवहन अधीनस्थ प्राविधिक सेवा नियमावली में जरूरी बदलाव को मंजूरी दे दी गई है। राजस्थान, महाराष्ट्र व अन्य राज्यों में मोटर वाहन निरीक्षक ऑन रोड वाहनों की फिटनेस जांचते हैं, इसलिए अब यूपी में भी मोटर व्हीकल इंस्पेक्टर को ये अधिकार दिया गया है। सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए परिवहन कार्यालयों के साथ-साथ आन रोड वाहनों की फिटनेस जांच, रजिस्ट्रेशन प्रमाणपत्र, डाइविंग लाइसेंस, प्रदूषण प्रमाण पत्र, ड्रंकेन एवं ड्राइव टेस्टिंग आदि सड़क सुरक्षा के तहत चेकिंग करने का अधिकार मोटर वाहन निरीक्षक को दे दिया गया है। सड़क हादसों पर लगाम लगाने के लिए परिवहन विभाग की ओर से मोटर वाहन निरीक्षक की तैनाती की जाती है। लेकिन उत्तर प्रदेश में एमवीआई यानि मोटर वाहन निरीक्षक की जगह संभागीय निरीक्षक की तैनाती की जाती है। जिनके अधिकार एमवीआई से कम होते हैं। ऐसे में लगातार मांग की जा रही थी कि पदनाम बदले जाएं। जिसके बाद इस प्रस्ताव को राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने ग्रीन सिग्नल दिया था। इसके बाद परिवहन विभाग के संभागीय निरीक्षक (प्राविधिक) मोटर वाहन निरीक्षक के पद नाम से जाने जाने लगे। राज्यपाल की तरफ से मुहर लगने के बाद और कैबिनेट के मंजूरी मिलने पर अब संभागीय निरीक्षक (प्राविधिक) एआरटीओ (प्रवर्तन) की तरह सड़क पर उतरकर आने वाले दिनों में वाहनों की तकनीकी जांच भी कर सकेंगे। जिसका फायदा सड़क दुर्घटनाओं को कंट्रोल करने में मिलेगा। यूपी परिवहन विभाग में फिलहाल संभागीय निरीक्षक (प्राविधिक) के कुल 124 पद हैं। इनमें से 66 पदों पर आरआई तैनात हैं। शेष पद रिक्त हैं। यानि वर्तमान में 66 कार्यरत आरआई अब एमवीआई के नाम से जाने जाएंगे। आगे इसी पदनाम से भर्ती होगी। यानि अब यूपी से आरआई का पद खत्म कर दिया गया है। इसकी जगह अब एमवीआई ने ले ली है। वर्तमान में संभागीय परिवहन कार्यालयों में तैनात आरआई का काम वाहनों की फिटनेस जांच और ड्राइविंग लाइसेंस के लिए टेस्ट लेना होता है। तकनीकी अधिकारी होने के नाते आरआई जब वाहनों की फिजिकल जांच कर उसे सड़क पर चलने के लिए फिट पाते हैं तभी प्रमाण पत्र जारी होता है। आरआई को उत्तर प्रदेश में अन्य राज्यों तरह सड़क पर उतरकर वाहनों को तकनीकी रूप से जांचने की अनुमति नहीं थी, क्योंकि यहां पर एमवीआई के नाम से कोई पोस्ट ही नहीं थी। उत्तर प्रदेश में सड़क हादसों के आंकड़े लगातार बढ़ रहे हैं। ऐसे में तकनीकी अधिकारियों को जब सड़क पर संचालित हो रहे वाहनों को तकनीकी जांच का अधिकार मिल जाएगा तो इससे निश्चित तौर पर कागजों पर फिट और हकीकत में अनफिट वाहनों को भी पकड़ा जा सकेगा। इससे सड़क हादसों पर काफी हद तक नियंत्रण भी पाया जा सकेगा।

सुमैया राणा, जूही सिंह, वंदना चतुर्वेदी पायल किन्नर समेत 25 पर एफआईआर दर्ज

» हाई सिक्योरिटी जोन में प्रदर्शन, पुलिस से धक्का-मुक्की का आरोप

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। हजरतगंज कोतवाली में सपा नेता पायल किन्नर और सुमैया राणा समेत 25 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। इन लोगों ने हजरतगंज स्थित जीपीओ और हाई सिक्योरिटी जोन राजभवन गेट नम्बर-दो पर मंगलवार शाम प्रदर्शन और पुलिस से धक्का-मुक्की की थी ऐसे आरोप लगे है। इन पर बिना अनुमति के प्रदर्शन, सरकारी कार्य में बाधा डालने और पुलिस से धक्का-मुक्की करने का आरोप है। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है। हजरतगंज पुलिस के मुताबिक सपा-पार्टी से जुड़े कुछ लोगों ने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता द्वारा सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर अभद्र टिप्पणी करने का आरोप लगाते हुए प्रदर्शन किया गया था। जबकि इसको लेकर पुलिस ने इन्हें रोकने और अनुमति न लेने के चलते वापस लौटने की अपील की थी, लेकिन इन लोगों ने उग्र प्रदर्शन किया। इसके चलते सचिवालय चौकी प्रभारी बागेश शर्मा की शिकायत पर एफआईआर दर्ज की गई है। इसमें सपा नेता पायल किन्नर, राष्ट्रीय प्रवक्ता सुमैया राणा, महिला विंग की राष्ट्रीय अध्यक्ष जूही सिंह, बीना रावत, सुमन यादव, वंदना चतुर्वेदी समेत 25 महिलाओं को आरोपी बनाया गया है। जिन्होंने जीपीओ पार्क पर काली पट्टी बांधकर प्रदर्शन किया था। वहीं पुलिस के हटाने पर धक्का-मुक्की की थी। यही नहीं पार्क से निकलकर हाई सिक्योरिटी जोन राजभवन गेट नम्बर दो पर पहुंच कर प्रदर्शन और नारेबाजी की। प्रदर्शन के दौरान मुख्य मार्ग पर जाम लग गया था। इंस्पेक्टर विक्रम सिंह ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है। वीडियो रिकार्डिंग के आधार पर प्रदर्शन में शामिल लोगों को चिह्नित किया जा रहा है।

सहायक पुलिस आयुक्त 'हजरतगंज' विकास कुमार जायसवाल ने क्या कहा

शिकायत के अनुसार, मंगलवार को पायल किन्नर के नेतृत्व में सपा-पार्टी की 15-20 महिला कार्यकर्ताओं ने जीपीओ पार्क में दोपहर करीब सवा तीन बजे काली पट्टी बांधकर मौन विरोध प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के बारे में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता द्वारा दिए गए बयान के खिलाफ था। शिकायत में कहा गया है कि बाद में शाम करीब चार बजे सपा नेता जूही सिंह (राष्ट्रीय अध्यक्ष-महिला सभा), सुमैया राणा और वंदना चतुर्वेदी 5-7 अन्य महिला समर्थकों के साथ जीपीओ पार्क में विरोध प्रदर्शन में शामिल हुईं। शाम करीब पांच बजे समूह ने कहा कि वे सपा कार्यालय लौट रहे हैं। हालांकि, शिकायत में आरोप लगाया गया है कि महिलाएं अचानक राजभवन के गेट नंबर-2 की ओर गईं, जहां उन्होंने नारेबाजी शुरू कर दी और धरना दिया। जब पुलिस कर्मियों ने समूह को शांत करने का प्रयास किया, तो वे हाथापाई करने लगीं। आरोप लगाया गया है कि सपा की महिला कार्यकर्ताओं ने यातायात और राजभवन की सुरक्षा व्यवस्था को बाधित करके सरकारी काम में बाधा डाला। सहायक पुलिस आयुक्त (हजरतगंज) विकास कुमार जायसवाल ने कहा, शिकायत के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई। आगे की जांच की जा रही है और अज्ञात आरोपियों की पहचान करने के प्रयास जारी हैं।

ट्रैक्टर ट्राली की टक्कर से महिला की मौत

लखनऊ, (ग्रुप 5 संवाददाता)। गोसाईगंज क्षेत्र में काजीखेड़ा गांव के मजरा मेंड़ई का पुरवा पास खेत जा रही महिला को ट्रैक्टर ट्रॉली ने टक्कर मार दी। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के अनुसार काजीखेड़ा गांव के मजरा मेंड़ई का पुरवा की रहने वाली संतोष कुमारी(40)बुधवार की सुबह गेहूं काटने के लिए खेत जा रही थी। वह अभी घर से थोडी दूर ही पहुंची थी कि सामने से राम आसरे ब्रिक फील्ड का ट्रैक्टर ट्रॉली पर कच्ची ईंटे लादे लिए आ रहा था। ग्रामीणों के अनुसार ट्रैक्टर की रफ्तार तेज होने के चलते वह अनियंत्रित हो गया और सामने से आ रही महिला को टक्कर मार दिया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल महिला संतोष कुमारी को लोग इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोसाईगंज लेकर गए जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस सम्बन्ध में इंस्पेक्टर गोसाईगंज ब्रजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि घटना के बाद ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गया था। जबकि ट्रैक्टर थाने पर खड़ा करा लिया गया है आगे की कार्यवाही की जा रही है।

हत्या की घटना में फरार 50 हजार का इनामी बदमाश गिरफ्तार

» एसटीएफ ने रैकी कर पकड़ा
» पूछताछ में दी अहम जानकारियां
» पिस्टल व तमंचे से फायरिंग कर उतारा था मौत के घाट

लखनऊ, (ग्रुप 5 संवाददाता)। हत्या की घटना में शामिल 50हजार रुपये के इनामी बदमाश को एसटीएफ ने गिरफ्तार किया है। एसटीएफ ने बताया कि वांछित बदमाश प्रमोद सिंह पुत्र स्व.परमानन्द सिंह निवासी ग्राम अहिरौली, बनकटा, देवरिया पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित था। मुखबिर की सूचना पर उसे गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ पर बताया कि अजीत सिंह उर्फ जड़ी सिंह मेरे पड़ोसी गाँव जंजीरहा का वर्तमान पंचवर्षीय में प्रधान रहा है। जो अवैध शराब की तस्करी उत्तर प्रदेश व बिहार में करता था। आरोपी ने कहा वह भी शराब की तस्करी करता था। दोनो के बीच व्यवसायिक रंजिश थी। इसी मध्य बीते 25फरवरी-23 को गाँव में अरूण सिंह के यहाँ तिलक समारोह था। जहाँ अजीत उर्फ जड़ी सिंह भी अपने लोगों के साथ आया था। बात-विवाद के दौरान दोनों पक्षों के मध्य फायरिंग हो गयी थी, जिसका मुकदमा दर्ज हुआ था। रंजिश वश जड़ी सिंह ने बिहार पुलिस से मुखबिरी करके मुझे अवैध शराब सहित पकड़वा दिया था। इस मामलें में आरोपी गोपालगंज जेल में बन्द था। वहीं पर उसकी मुलाकात सोहनपुर के राजू चौरसिया व अखिलेश उर्फ दरोगा कुशवाहा से हुई थी। यह दोनों हत्या के मामलें में जेल में थे। इनसे मिलकर गोपालगंज जेल में ही जड़ी सिंह के हत्या की साजिश रची थी। जड़ी सिंह उर्फ अजीत सिंह जुआ खेलने का शौकिन था। वह हर वर्ष दिपावली के दिन सोहनपुर निवासी पंकज जायसवाल के घर जुआ खेलता था। जेल से छूटने के बाद दिपावली के दिन यह सुनिश्चित होने पर कि वह पंकज जायसवाल के घर जुआ खेल रहा है। राजू चौरसिया, दरोगा कुशवाहा व अन्य साथियों के साथ पंकज जायसवाल के घर सोहनपुर पहुँचकर जड़ी सिंह पर पिस्टल व तमन्चों से फायरिंग करके मौत के घाट उत्तार दिया।

लखनऊ विश्वविद्यालय में छात्रों के बीच मारपीट

» चार का सिर फटा, छह घायल, भारी पुलिस फोर्स तैनात
» कैम्पस में पीएसी तैनात, जांच के आदेश दिये गये

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में बुधवार को छात्रों ने हंगामा किया। वर्चस्व को लेकर दो छात्र गुट आपस में भिड़ गए। इसमें चार छात्रों के सिर फट गए, जबकि एक पुलिसकर्मी घायल हो गया। पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस ने बताया कि डेढ़ बजे के करीब अचानक छात्रों के बीच बवाल शुरू हुआ। एक छात्र को घेर कर कुछ छात्रों ने पीट दिया। इस बीच दूसरे गुट के तरफ से भी कई छात्र पहुंच गए। देखते ही देखते मौके पर 100 से ज्यादा छात्र इकट्ठा हो गए और मारपीट शुरू हो गई। पुलिस ने बताया कि घायल छात्रों को बलरामपुर अस्पताल में भर्ती बराया गया है। पुलिस ने बताया कि लखनऊ विश्वविद्यालय के सोशल साइंस डिपार्टमेंट और हबीबुल्लाह हॉस्टल के छात्रों के बीच झगड़ा हुआ। करीब घंटे भर तक माहौल बिगड़ा रहा। इस दौरान कैंपस से लेकर हनुमान सेतु तक मारपीट हुई। इसमें शिवम कुमार सिंह, आलोक मिश्रा और लक्ष्य दुबे समेत आधा दर्जन छात्र घायल हो गए। घायलों को बलरामपुर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद प्रोक्टोरिल बोर्ड के सदस्य मौके पर पहुंच गए हैं। पीएसी के जवान तैनात किए गए हैं। कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय ने बैठक बुलाई है। बैठक में प्रोक्टोरिल बोर्ड के सदस्यों के अलावा पुलिस चौकी प्रभारी भी मौजूद हैं। वहीं दूसरी ओर एलयू प्रवक्ता प्रो दुर्गेश श्रीवास्तव दो छात्र गुटों में संघर्ष की सूचना पाते ही चीफ प्रॉक्टर प्रोफेसर राकेश द्विवेदी की अगुवाई में प्रोक्टोरियल बोर्ड तुरंत मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रण में किया। एक गुट ने कुलानुशासक कार्यालय को अपनी शिकायत दी है। जबकि दूसरे गुट ने संबंधित थाने पर अपनी शिकायत दी है। एक जांच समिति बनाकर घटना की जांच कराई जा रही है। जो भी दोषी होगा नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।

ट्रेन की टक्कर से एक व्यक्ति की मौत

मृतक को पुलिस बता रही मानसिक विक्षिप्त

लखनऊ, (ग्रुप 5 संवाददाता)। गोसाईगंज कोतवाली क्षेत्र में अनूपगंज रेलवे ट्रैक के पास एक व्यक्ति का शव पड़ा मिला। जिसे पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के अनुसार बुधवार की सुबह अनूपगंज रेलवे पर तैनात स्टेशन मास्टर द्वारा पुलिस को सूचना दी गई थी कि खम्भा नंबर 1029 से 1031 के बीच रेलवे लाइन के किनारे ट्रेन से टकराया हुआ एक व्यक्ति पड़ा हुआ है। घटना की सूचना पाकर मौके पहुंची पुलिस ने देखा तो उसके सर में गंभीर चोट लगी थी। जिससे उसकी मौत हो चुकी थी। पुलिस के अनुसार मृतक की उम्र लगभग 48वर्ष रही होगी। उसके शरीर पर सिर्फ एक लुंगी ही थी। पुलिस उसे उसकी पहचान के प्रयास कर रही थी तभी पता चला कि मृतक कल्लू पुत्र ईश्वरदीन निवासी बलिया खेड़ा गोसाईगंज है जो की मानसिक रूप से विक्षिप्त था। इंस्पेक्टर गोसाईगंज ब्रजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि घर वालों ने मौके पर पहुंच कर उसकी शिनाख्त कर ली है। उसके बाद शव को कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

सैरपुर में लिफ्ट देने के बहाने लूटपाट करने वाले दो गिरफ्तार

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। लिफ्ट देने के बहाने के कार में बैठाकर मारपीट, गाली-गलौज करते हये लुटपाट करने वाले दो लुटेरों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। बीते पांच अपैल को देरात सेवाकट के पास खड़े व्यक्ति को कार में लिफ्ट देकर काकोरी से पहले ले जाकर मारपीट करते हुये की गयी थी लूटपाट। पीड़ित अनुज कुमार पुत्र राम नरेश निवासी बिजुवामऊ सिधौली सीतापुर ने बताया था की चार लोगों ने सेवा हॉस्पिटल सैरपुर क्षेत्र से सिधौली छोड़ने के बहाने लिफ्ट देकर कार में बैठा लिया। इसके बाद किसान पथ पर काकोरी से पहले गाड़ी के दरवाजे लॉक कर गाली-गलौज व मारपीट कर उनसे लूटपाट की गयी। आरोप था कि जबरन मोबाइल फोन का लॉक खुलवाकर 6 हजार रुपये ट्रांसफर करा लिये गये। पुलिस ने इस मामले में रैथा अंडर पास किसान पथ पर सीतापुर की तरफ जाने वाले रास्ते से अयान पुत्र गफूर निवासी-बसरैला काकोरी लखनऊ व रवि शुक्ला पुत्र मनोज शुक्ला निवासी पचकोहरा कमलापुर सीतापुर हालपता सरफराजगंज ठाकुरगंज लखनऊ को गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ में बताया कि कि लिफ्ट देने के बहाने कार में बैठाकर उसके पैसे व मोबाइल फोन को लूट लिया था। लूटे गए पैसों में से एक-एक हजार रुपये मिले थे जो पार्टी करने में खर्च हो गए व लूटा गया मोबाइल फोन उनके अन्य साथी अमन यादव के पास है।

घटना में पांच लुटेरे थे शामिल

पुलिस ने आरोपियों की तलाश में टीमें गठित कर दी है। दावा किया जा रहा है कि अन्य आरोपियों की जल्द पकड़ लिया जाएगा। पकड़े गये लुटेरों के पास से नकदी व कार बरामद किया गया है।

संदिग्ध परिस्थितियों में सड़क पर लहूलुहान हालत में पड़ा मिला युवक

» बंथरा इलाके की घटना
» पुलिस इसे सड़क हादसे में घायल हुआ बता रही

लखनऊ, (ग्रुप 5 संवाददाता)। बंथरा इलाके में बुधवार को एक 35वर्षीय युवक सड़क पर मरणासन हालत में पड़ा मिला। 108एंबुलेंस के जरिए उसे सरोजनीनगर सीएचसी पहुंचाया गया। जहां चिकित्सकों ने लोक बंधु अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। बताते हैं कि बंथरा के नारायणपुर-फतेहगंज रोड पर बुधवार दोपहर बाद करीब 3बजे अमावाँ चौराहे के पास बीच सड़क पर अज्ञात युवक लहूलुहान हालत में मरणासन्न पड़ा था। उसके सिर और मुंह से काफी तादाद में खून का रिसाव हो रहा था। उधर से गुजर रहे राहगीरों ने इसकी सूचना 108एंबुलेंस को दी। तब उसे सरोजनीनगर सीएचसी पहुंचाया गया। चर्चा है कि सड़क पर गुजर रही तेज रफ्तार ऑटो से कुछ लोगों ने उसे धक्का देकर नीचे गिरा दिया और ऑटो सहित फरार हो गए। रेड कलर का शर्ट और नीले रंग की जींस पहने युवक के पास कोई भी ऐसी वस्तु नहीं मिली, जिससे कि उसकी पहचान कराई जा सके। पुलिस का कहना है कि बेसुध मिला युवक बेहोशी की हालत में होने के साथ वह कुछ भी बताने की स्थिति में नहीं है। जिससे उसकी पहचान कराने में दिक्कत आ रही है। पुलिस का कहना है कि उसके होश में आने पर ही पता चल सकेगा कि वह कहां का रहने वाला है, उसके साथ क्या हुआ और यहां कैसे पहुंचा। फिलहाल घटना की जांच पड़ताल की जा रही है। उधर बंथरा प्रभारी निरीक्षक राम सिंह ने बताया कि किसी अज्ञात वाहन की ठोकर से वह घायल हुआ है।

संदिग्ध परिस्थितियों में दुकानदार की मौत

» कमरे में फंदे से लटका मिला शव, बहन बोली-भाभी ने मार डाला

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। बंथरा इलाके में बुधवार सुबह दुकानदार ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगा ली। मृतक की पहचान आशीष सिन्हा के रूप में हुई है। उसकी उम्र 46 वर्ष थी। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। बहन ने उसकी पत्नी पर हत्या का आरोप लगाया है, लेकिन पुलिस को लिखित शिकायत नहीं दी है। आशीष परिवार के साथ बंथरा हनुमान मंदिर के पास स्थित डबल स्कूल के पीछे रहते थे। बुधवार सुबह वह काफी देर तक अपने कमरे से बाहर नहीं आए, तो पत्नी ने जाकर देखा। उनका शव कमरे में छत के पंखे के हुक के सहारे बंधे फंदे से लटक रहा था। पत्नी ने शोर मचाया। आवाज सुनकर आस-पड़ोस के लोग मौके पर पहुंचे। पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को नीचे उतारा। आशीष के परिवार में पत्नी नेहा श्रीवास्तव, बेटी अरना और बेटा अरनव है। वह मूल रूप से थाना वजीरगंज के शास्त्री नगर के रहने वाले थे। मृतक की बहन अनीता ने उसकी पत्नी पर हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस को कमरे से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है। पता चला है कि आशीष एलडीए कालोनी में प्लास्टिक के सामान की दुकान करते थे। मंगलवार शाम को उन्होंने दुकान खाली की है। पुलिस ने अपनी जांच में इस पहलू को भी शामिल किया है।

मौत का कारण स्पष्ट नहीं, सुसाइड नोट भी बरामद नहीं

बुधवार सुबह करीब 7बजे आशीष घर के दूसरे कमरे में चले गए। काफी देर तक जब वह कमरे से बाहर नहीं निकले, तब उनकी पत्नी नेहा कमरे में गई। जहां कमरे का नजारा देखकर नेहा के होश उड़ गए। कमरे के अंदर आशीष पंखे से गले में दुपट्टा बांधकर मृत लटके मिले। यह दृश्य देखकर नेहा चिल्लाने लगी। उसकी चीख पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। बाद में घटना की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने शवको नीचे उतारा और कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि मृतक के पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। उसने यह कदम क्यों उठाया, इसका कारण स्पष्ट नहीं हो सका है।

शालीमार ग्रैलेंट अपार्टमेंट में लगी आग

» घरों ने निकलकर भागे लोग
» फायर ब्रिगेड की चार गाड़ियों ने पाया काबू
» महानगर कोतवाली इलाके की घटना

लखनऊ, (ग्रुप 5 संवाददाता)। महानगर स्थित शालीमार ग्रांट अपार्टमेंट में बुधवार सुबह आग लग गई। फ्लैट से धुआं और आग की लपटें देख आसपास के घर से बाहर आ गए। फायर ब्रिगेड को सूचना दी। पुलिस के मुताबिक मौके पर पहुंची दमकल की चार गाड़ियों ने आग पर काबू पा लिया है। हालांकि घर में रखा कुछ सामान जल गया है। कोई जनहानि नहीं हुई है। पुलिस ने बताया कि उन्हे जानकारी हुयी की बुधवार को सुबह करीब 11.30 बजे महानगर स्थित शालीमार गैलेंट के फ्लैट नंबर सी-404 निवासी राजेश चंद्र शर्मा के फ्लैट में आग लग गई है। धुंआ निकलता देख आसपास के लोगों ने फायर ब्रिगेड की सूचना दी। मौके पर एफएसओ हजरतगंज रामकुमार रावत फायर टेंडर व हाइड्रोलिक प्लेटफार्म के घटनास्थल पहुंचे। वहां पहुंचकर देखा कि अपार्टमेंट के चौथी मंजिल से तेज लपटें निकल रही थी। बिल्डिंग में धुंआ भरा था। हाइड्रोलिक प्लेटफार्म मदद से आग बुझाना शुरू किया गया। आग की स्थिति देखकर इंदिरा नगर फायर स्टेशन से भी दो गाड़ी मंगाई गई। फायर ब्रिगेड की टीम ने करीब 30 मिनट में आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है। घर में रखा कुछ सामान जलकर राख हो गया।

विकासनगर में हुई लूट के मुख्य आरोपी के साथ पुलिस की मुठभेड़

» एक लाख का इनाम था घोषित, गिरफ्तार, पूछताछ में खुले अहम राज
» अवैध असलहे, कारतूस, कार, मोटरसाइकिल बरामद

ग्रुप 5 संवाददाता

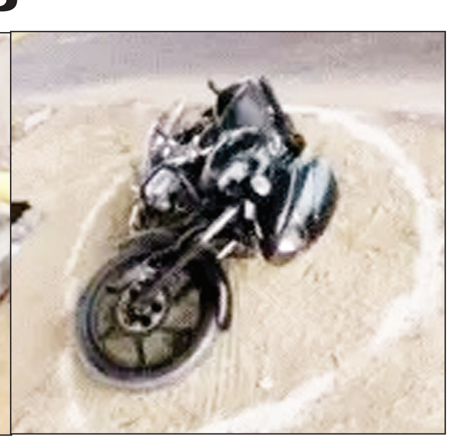

लखनऊ। विकासनगर कोतवाली इलाके में कारोबारी के साथ हुई लूट की घटना में एक लाख रुपये के इनामी बदमाश को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। एसटीएफ ने बताया कि कारोबारी के साथ हुई लूट की घटना में वांछित एक लाख रुपये का पुरस्कार घोषित बदमाश वैभव सिंह को पीजीआई इलाके में पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में गिरफ्तार किया गया है। लुटेरें वैभव सिंह उर्फ चन्दन उर्फ विराज पुत्र कृष्ण कुमार सिंह निवासी मझगवां रामगुलाम पोस्ट-थोकमाधव बघौली हरदोई के पास से अवैध पिस्टल .30 बोर, जिन्दा कारतूस .30 बोर, खोखा कारतूस .30 बोर, पल्सर मोटर साइकिल, बैग, मोटर साइकिल और 1,570 रूपये नगद बरामद किया गया है। मुठभेड के दौरान लुटेरें वैभव सिंह के पैर में गोली लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया था, जिसको उपचार हेतु पीजीआई ट्रामा सेन्टर भेजा गया है। बीते 28मार्च को व्यवसायी से विकासनगर में लूट की घटना हुई थी। इस घटना में शामिल मुख्य आरोपी प्रेम बहादुर सिंह व उसके साथी सोनेन्द्र सिंह व गौरव मिश्रा को 30मार्च को ही पकड़ा लिया गया था। साथ ही 7अप्रैल को सुशील मिश्र (एक लाख रूपये का पुरस्कार घोषित) को प्रयागराज से गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ में जानकारी मिली कि प्रेम बहादुर सिंह वर्ष-2023 में व्यवसायी पंकज अग्रवाल के यहां ड्राइवर का काम करता था, कुछ दिन काम करके छोड़ दिया। उसके बाद पिछले एक-महीने से फिर उनके यहां ड्राइवरी का काम करने लगा था। कई बार पंकज अग्रवाल अपने साथ कलेक्शन के काफी रूपये लेकर आते जाते थे, जिसे यह देखता रहता था। इसके अलावा उनका मुनीम अमित सैनी, पंकज अग्रवाल के अलग अलग स्टोर व अन्य स्थानों से रूपये अपनी बाइक से इकठ्ठा करता था, उसके बारे में भी इसको प्रेम बहादुर सिंह को जानकारी थी। उस पैसे को लूटने के लिए उसने अपने चचेरे भाई सोनेन्द्र सिंह (पूर्व में गिरफ्तार) के साथ प्लान बनाया। सोनेन्द्र सिंह ने कहा कि यह काम एक आदमी का नहीं है इसके लिए 4-5 आदमियों की जरूरत पडेगी। इसके बाद सोनेन्द्र ने वैभव सिंह व अन्य आदमियों को तैयार किया। प्रेम बहादुर सिंह ने सोनेन्द्र सिंह को रूपये लाने वाले आदमी के बारे में व मोटरसाइकिल का नम्बर बताया और सोनेंद्र ने वैभव सिंह व इसके अन्य साथियो को घटना करने के लिए सारी जानकारी दिया। वैभव सिंह कई अपराधों में लगभग आठ वर्ष हरदोई व सीतापुर जेल में बन्द था। इस घटना को अंजाम देने के लिए वैभव सिंह ने सुशील मिश्रा के साथ मिलकर अन्य साथियों को बुलाया था। जिसके बाद वैभव सोनेन्द्र, सतीश सिंह अनुज मौर्या, गौरव मिश्रा व सुशील मिश्रा ने रेकी करके लूट की घटना को अंजाम दिया था।

आरोपी का पुराना आपराधिक इतिहास है

पुलिस ने बताया कि आरोपी पर कई मुकदमें चल रहे है। इनमें वर्ष-2014 में हरदोई में प्रमुख सचिव, खाद्य एवं रसद बनकर कई कोटेदारों से वसूली किया था। वर्ष-2016 में सेक्स रैकेट चलाने के अपराध में सीतापुर में मुकदमा दर्ज हुआ था। वर्ष-2020 में पारा, लखनऊ में अपने साथियों के साथ मिलकर लूट की घटना को अंजाम दिया था। वर्ष-2021 में लूट की घटना किया था हरदोई में। वर्ष-2024 में एक मकान में चोरी की घटना किया आदि शामिल है।

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

मुख्य कारखाना प्रबंधक, सवारी डिब्बा कारखाना, आलमबाग, लखनऊ निम्न कार्य के लिए ई–निविदा आमंत्रित करते हैं।

01	**कार्य का नाम :** ओवरहालिंग ऑफ एस्कॉर्ट्स मेक एक्सल माउंटेड डिस्क ब्रेक सिस्टम ऑफ एल. एच. बी. कोचेस।	
02	**कार्य स्थल :** सवारी डिब्बा कारखाना, आलमबाग, लखनऊ	
03	**अनुमानित लागत :** रु. 4,30,58,560.00 मात्र।	
04	**निविदा प्रपत्र का मूल्य :** शून्य।	
05	**बिड सिक्युरिटी :** रु. 3,65,300/- मात्र।	
06	**कार्य पूर्ण करने की अवधि :** 02 वर्ष।	
07	**निविदा जमा करने की तिथि एवं समय :** दिनाँक– 15.04.2025 से 29.04.2025 समय 15:00 बजे तक।	
08	**प्रमाणपत्र :** फर्म के सभी Members द्वारा ANNEXURE-A (यदि Company/ Proprietorship फर्म है) के साथ Annexure- A(a) (यदि Partnership/HUF/JV/LLP फर्म है) के अनुरूप प्रमाणपत्र अवश्य अपलोड किया जाना चाहिए।	
09	**खुलने का समय :** निविदा फार्म जमा होने के पश्चात निविदा को किसी भी समय खोला जायेगा। निविदाकर्ताओं को निविदा खुलने के दौरान उपस्थित रहने की आवश्यकता नहीं है।	
10	**कार्यालय जहां से निविदा प्रपत्र क्रय किया जा सकता है**	निविदा सूचना एवं प्रपत्र का पूर्ण विवरण नियम व शर्तों सहित वेबसाइट – www.ireps.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है।
11	**वेबसाईट विवरण जहां निविदा का पूरा विवरण आदि देखा जा सकता है**	

सं.: 2025-ए.एम.वी.-सी एंड डब्लू-ईनिविदा-21 दिनाँक: 07.04.2025 1068/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

युवती से सामूहिक दुष्कर्म के मामले में नौ आरोपी गिरफ्तार

पीड़िता के परिजनों ने मीडिया से बात करने से इंकार कर दिया

वाराणसी। शहर में 19 वर्षीय एक युवती के साथ कथित रूप से 23 लोगों द्वारा सामूहिक दुष्कर्म किए जाने का मामला सामने आया है जिसमें पुलिस ने अब तक नौ आरोपियों को गिरफ्तार कर सभी को रिमांड पर भेज दिया है। बुधवार को यह जानकारी देते हुए एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि बाकी आरोपियों की धरपकड़ के लिए लगातार दबिश दी जा रही है। सहायक पुलिस आयुक्त विदुश सक्सेना ने बताया कि लालपुर पांडेयपुर इलाके में एक युवती के साथ कथित रूप से हुए सामूहिक दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने अभी तक नौ आरोपियों को गिरफ्तार कर सभी को रिमांड पर भेज दिया है। उन्होंने बताया कि बाकी आरोपियों को पकड़ने के लिए खोजबीन अभियान जारी है और उन्हें भी जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। सक्सेना ने बताया कि पीड़ित युवती ठीक है और पुलिस लगातार उसके परिवार से संपर्क बनाए हुए है। पीड़िता के परिजनों ने मीडिया से बात करने से इंकार कर दिया। उसकी मां ने कहा, आपको जो भी पूछना है, आप पुलिस से बात कर लो। अधिकारियों ने बताया कि युवती कुछ युवकों के साथ 29 मार्च को कहीं गई थी और जब वह घर नहीं लौटी तो उसके परिजनों ने चार अप्रैल को उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने पहले कहा था कि जब पुलिस ने युवती को बरामद किया तो उसने दुष्कर्म के बारे में नहीं बताया। लेकिन युवती के परिवार ने छह अप्रैल को एक शिकायत दर्ज कराई जिसमें युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म का आरोप लगाया गया। पुलिस ने बताया कि इसके बाद इस मामले में 12 नामजद और 11 अज्ञात लोगों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की सुसंगत धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस ने नामजद आरोपियों की पहचान राज विश्वकर्मा, समीर, आयुष, सोहैल, दानिश, अनमोल, साजिद, जहीर, इमरान, जैब, अमन और राज खान के रूप में की है। पुलिस ने पीड़िता के बयान के हवाले से बताया कि 29 मार्च से चार अप्रैल के बीच ये आरोपी उसे कई होटलों और हुक्का बार में ले गए और उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। पीड़िता की मां ने अपनी शिकायत में कहा कि उनकी बेटी 29 मार्च को अपने दोस्त के घर गई थी। उन्होंने बताया, वापस लौटते समय उसकी मुलाकात राज विश्वकर्मा से हुई जो उसे लंका में अपने कैफे में ले गया जहां राज और उसके अन्य दोस्तों ने उसके साथ गलत काम किया। महिला ने आरोप लगाया, अगले दिन मेरी बेटी समीर नामक लड़के से मिली जो अपने एक दोस्त के साथ मोटरसाइकिल पर था। समीर युवती को अपने मोटरसाइकिल पर एक हाइवे पर ले गया और मोटरसाइकिल पर ही उसके साथ गलत काम किया और युवती को नदेसर में छोड़ दिया। पीड़िता की मां ने कहा, अगले दिन 31 मार्च को आयुष नाम का लड़का अपने पांच साथियों- सोहैल, दानिश, अनमोल, साजिद और जहीर के साथ युवती को सिगरा में कंटिनेंटल कैफे ले गया और उसे नशीला पेय पिलाया तथा एक एक करके दुष्कर्म किया। उन्होंने कहा, एक अप्रैल को साजिद नाम का लड़का अपने दोस्तों के साथ उसे एक होटल में ले गया जहां दो-तीन अन्य लोग मौजूद थे। वहां एक व्यक्ति ने लड़की के साथ दुष्कर्म किया और उसे बाहर फेंक दिया। जैसे ही वह उस स्थान से निकल रही थी, वह रास्ते में इमरान नाम के एक लड़केसे मिली। उसने भी युवती को नशीला पेय पिलाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। युवती के चीखने पर वह उसे होटल के बाहर छोडड़क भाग गया। पीड़िता की मां ने तहरीर में आगे कहा है कि दो अप्रैल को राज खान नामक एक लड़का उनकी बेटी को हुकुलगंज में अपने मकान की छत पर ले गया जहां उसने युवती के साथ दुष्कर्म करने की कोशिश की। जब लडक़ी चिल्लाई तो लड़के ने उसे नशे की हालत में अस्सी घाट ले जाकर छोड़ दिया। तहरीर के मुताबिक, तीन अप्रैल को दानिश नाम का व्यक्ति युवती को अपने दोस्त के कमरे में ले गया जहां सोहैल, सोहैब और कुछ अन्य लड़कों ने कथित रूप से नशीला पदार्थ पिलाकर युवती के साथ दुष्कर्म किया। बाद में वे युवती को चौकघाट के पास छोड़ गए। अगले दिन चार अप्रैल को युवती अपने घर आई और परिजनों को आप बीती सुनाई।**(भाषा)**

जल जीवन मिशन में लापरवाही, पाइपलाइन बिछाने के कार्य में अनियमितता, जगह-जगह से लीकेज

फतेहपुर बाराबंकी, (ग्रुप 5 सं.)। क्षेत्र के मिर्जापुर गांव मे स्वच्छ पेयजल जीवन मिशन की योजना अंधेरे मे लटकी हुई है। डेढ़ साल पहले शुरू हुआ पानी टंकी का निर्माण कार्य और घरो मे पाइपलाइन बिछाने का कार्य अनियमितताओं के चलते जगह जगह लीकेज बना रहा है। बार-बार खुदाई करने से रास्ता खराब हो रहा है। जानकारी के अनुसार ग्राम मिर्जापुर व अन्य गांवों में विभाग द्वारा लगाई गई पाइपलाइन में जगह-जगह लीकेज की समस्या होने कारण ग्रामीणों के घरों में पानी सही तरीके से नहीं पहुंच पा रहा है। विभाग लीकेज को ठीक करने का प्रयास कर रहा है लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो पा रहा है मिर्जापुर में केशन गौतम के घर से रामसनेही वर्मा की बाग तक पाइपलाइन डालने के लिए खुदाई की गई थी। वह मार्ग आज भी ज्यों की त्यों पड़ा हुआ है। इससे ग्रामीणों को आवागमन में परेशानी हो रही है। यही बदहाली व्यवस्था अन्य गांवों की भी है जहां पानी की सप्लाई व्यवस्था ठीक से काम नहीं कर रही है। यहीं काफी लोगों के घरों में जो टोंटी पानी लेने व बंद करने के लिए लगाई गई थी इतने ही समय मे खराब हो चुकी है जितनी देर सप्लाई चलती है लोगों घरों से खुला पानी बहता रहता है। सरकार जहां स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए करोड़ों रुपये खर्च कर रही है। वहीं विभागीय अधिकारी और कर्मचारी अपनी जेबें भरने में लगे है। इनकी लापरवाही से योजना फलीभूत नही हो पा रही है।

कमरे में कंबल में लिपटे मां-बेटी के शव मिले

आगरा , (ग्रुप 5 सं.)। जिले के जगदीशपुरा थाना क्षेत्र में एक मकान के बंद कमरे में मां और बेटी के शव कंबल में लिपटे हुए पाए गए। घर से बदबू आने पर पड़ोसियों ने पुलिस को इसकी सूचना दी। सहायक पुलिस आयुक्त (लोहा मंडी) मयंक तिवारी ने बताया पुलिस द्वारा मंगलवार की रात घर का ताला तोड़ने पर कमरे में कंबल में लिपटे शबीना (40) और उसकी बेटी इनाया (09) के शव मिले। शवों की हालत देख कर अंदाजा लगाया जा रहा है कि दोनों की मौत चार-पांच दिन पहले हुई है। तिवारी ने बताया कि महिला और उसकी पुत्री का शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि राशिद नाम के व्यक्ति के साथ शबीना की शादी हुई थी। वह राशिद की दूसरी पत्नी थी। राशिद फरार है। आशंका है कि राशिद ने अपनी पत्नी और सौतली बेटी की हत्या की और फरार हो गया है।

तपिश के साथ गर्म हवा के थपेड़ों ने किया बेहाल

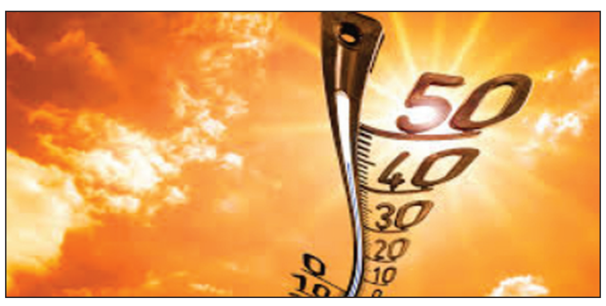

अंबेडकरनगर, (ग्रुप 5 सं.)। मौसम लगातार बदल रहा है। दिन में तेज गर्मी तो रात में हल्की ठंडक है। हालांकि पिछले तीन दिनों से लगातार चटक धूप निकलने से तापमान तेजी के साथ बढ़ रहा है। तपिश के बीच चल रही गर्म हवा लोगों को बाहर निकलने से रोक रही है। सोमवार को पूरा दिन तेज गर्मी के साथ गर्म हवा का कहर बना रहा है।ऐसे में शहर की सड़क व प्रमुख बाजारों में सन्नाटा पसरा रहा। शाम को हवा थमने के साथ तेज उमस भरी गर्मी का सामना करना पड़ा। मौसम वैज्ञानिक अगले तीन दिनों तक तापमान बढ़ने की आशंका जता रहे हैं। सोमवार दिन की शुरुआत ही तेज धूप के साथ हुई। सुबह के आठ बजे ही तापमान 30 डिग्री सेल्सियस के पार कर गया था। इसके बाद जैसे जैसे दिन चढ़ा, वैसे-वैसे तापमान में भी इजाफा होना शुरू हो गया।दोपहर के एक बजे तक तापमान 39 डिग्री सेल्सियस हो गया था। इस कारण दिन के समय लोग घरों से बाहर कम ही निकले, जो लोग बाहर निकले भी वह गर्म हवा के थपेड़ों से बचने के लिए मुंह, हाथ व सिर को ढंके रहे। शाम तक गर्मी का प्रकोप बना रहा। ऐसे में न्यूनतम तापमान के बढ़ने का सिलसिला भी तेज हो गया है। दिन का न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो रविवार के मुकाबले दो डिग्री अधिक था। हवा करीब 11 से 13 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली। रात के समय भी गर्मी ने सताना शुरू कर दिया है। शहर के तमाम इलेक्ट्रॉनिक शोरूम पर एसी, कूलर व अन्य उपकरणों की खरीद तेज हो गई है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार अगले दो दिन तापमान इसी तरह बना रहेगा, इसके बाद मामूली राहत मिल सकती है।गन्ना रस, खीरा-ककड़ी का ले रहे सहारा दिन में चटक धूप के कारण हो रही गर्मी से बचाव के लिए लोग गन्ना रस, खीरा ककड़ी का सहारा ले रहे हैं। शहर के शहजादपुर, टांडा मार्ग, बसखारी मार्ग समेत अन्य स्थानों पर पिछले कुछ दिनों में ठेले और गन्ना रस की गाड़ियों की संख्या तेजी से बढ़ गई है। बड़ी संख्या में लोग यहां पर रुककर शरीर को ठंडक पहुंचाने का प्रयास कर रहे हैं।

अभिषेक सिंह बने प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष

सिरौलीगौसपुर बाराबंकी, (ग्रुप 5 सं.)। प्राथमिक शिक्षक संघ को नया जिलाध्यक्ष मिल गया है। प्राथमिक विद्यालय बदोसराय मे कार्यरत शिक्षक अभिषेक सिंह को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। बुधवार को दोपहर लगभग दो बजे सिरौली गौसपुर के शिक्षक बड़ी संख्या में अभिषेक सिंह को बधाई देने पहुंचे। शिक्षकों ने मिठाई खिलाकर, बुके और माला पहनाकर उनका भव्य स्वागत किया। नवनियुक्त जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह ने सभी शिक्षकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहाकि संगठन में शिक्षकों का हित सर्वोपरि रहेगा। साथ ही उन्होने सभी शिक्षको की समस्याओ को एकजुटता के साथ हल करने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में धर्मराज, प्रहलाद कुमार विमल, अनूप अवस्थी, आनंद प्रकाश, शिवाजी मिश्र, दिवाकर यादव, सौरभ वर्मा, सचिन वर्मा, निधि राज और कुसुमलता समेत कई शिक्षक मौजूद रहे।

37 छात्र-छात्राओं को वितरित किये गये निःशुल्क टैबलेट

सिरौलीगौसपुर बाराबंकी, (ग्रुप 5 सं.)। उत्तर प्रदेश सरकार की स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के तहत बाराबंकी के सिरौलीगौसपुर स्थित चौधरी चरण सिंह महाविद्यालय बरदरी मे टैबलेट वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य विजय कुमार यादव ने परास्नातक के 37 छात्र-छात्राओं को निःशुल्क टैबलेट वितरित किए। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप मे बदोसराय के प्रधान निसार मेहंदी और बरदरी के प्रधान शिवा भी मौजूद रहे। मुख्य अतिथि श्री यादव ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहाकि टैबलेट का उपयोग केवल शैक्षणिक कार्यों के लिए करें और इसका दुरुपयोग न करे। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. गया प्रसाद दुबे, अनुपम जायसवाल, बृजेश कुमार यादव और अंशू वर्मा सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

बदला लेने के लिए व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या

हरदोई। खून का बदला लेने के लिए महिलाओं समेत लोगों के एक समूह ने दिनदहाड़े एक युवक को लाठी डंडे से पीट पीटकर मौत के घाट उतार दिया। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। मृतक व्यक्ति की पहचान सरपंच महावत (48) के रूप में हुई जिस पर तीन दर्जन से अधिक लोगों ने सोमवार को हमला कर दिया। दिनदहाड़े हत्या की यह घटना बेनीगंज कोतवाली इलाके के भैंनगांव में हुई। सरपंच 2009 में हुई रामपाल नाम के व्यक्ति की हत्या का आरोपी था और वह जेल से रिहा हुआ था। जेल से छूटने के बाद वह फेरी लगाकर अपने परिवार का भरण पोषण कर रहा था। पुलिस ने इस मामले में 18 आरोपियों को गिरफ्तार किया है और अन्य की तलाश कर रही है। पुलिस ने 12 लोगों के खिलाफ नामजद व 25-30 अन्य लोगों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत किया है। पुलिस अधीक्षक नीरज जादौन ने बताया कि ग्रामीणों से पुलिस को सूचना मिली थी कि एक युवक को घेरकर मारा जा रहा है। पुलिस मौके पर पहुंची और व्यक्ति को इलाज के लिए अस्पताल ले गई जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर लोगों की पहचान की गई है और इस मामले में 18 लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है।**(भाषा)**

पुलिस से मुठभेड़ के बाद चार बदमाश गिरफ्तार

नोएडा। नोएडा थाना सेक्टर 113 में मंगलवार की देर रात को पुलिस से मुठभेड़ के बाद चार बदमाशों को गिरफ्तार किया गया है, जो राह चलते महिलाओं को सम्मोहित करके उनके जेवर लूटते थे। पुलिस को बदमाशों के पास से सोने के चार कंगन, सोने की चेन, नकली गहने, दो देसी तमंचे, दो मोटरसाइकिल बरामद की गई हैं। पुलिस उपायुक्त जोन प्रथम राम बदन सिंह ने बताया कि थाना सेक्टर 113 पुलिस मंगलवार की देर रात को एफएनजी रोड के पास अवरोधक लगाकर वाहनों की जांच कर रही थी, तभी दो मोटरसाइकिल पर सवार कुछ लोग दिखाई दिए। सिंह ने बताया कि पुलिस ने जब उन्हें रुकने का इशारा किया तो वे वहां से भागने लगे। सिंह बताया कि पुलिस ने पीछा करके बदमाशों को घेर लिया। उन्होंने बताया कि बदमाश खुद को घिरा देखकर पुलिस पर गोली चलाने लगे। उन्होंने बताया की जवाबी कार्रवाई करते हुए पुलिस ने भी गोली चलाई। सिंह ने बताया कि पुलिस की गोली दो बदमाशों साजिद अली (37) और मोहम्मद अली (35) के पैरों में लगी। उन्होंने बताया कि दो बदमाश फरार हो गए हालांकि तलाश के दौरान पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया, जिनकी पहचान नासिर (39) वर्ष और राजा (40) के रूप में हुई है। **(भाषा)**

पुलिस मुठभेड़ में घायल हुए गोहत्या के आरोपी को गिरफ्तार किया गया

मेरठ। गोहत्या और पुलिसकर्मियों पर गोलीबारी के कई मामलों में वांछित एक व्यक्ति यहां पुलिस हिरासत से भागने की कोशिश के दौरान मुठभेड़ में घायल हो गया। पुलिस के एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि कि दौराला के समौली गांव के मूल निवासी एहसान को मंगलवार को सरधना में तहसील रोड से गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान एहसान ने खुलासा किया कि उसने फरवरी में पुलिस टीम पर गोली चलाई थी और देसी पिस्तौल को मेहरमती गांव के जंगल में छिपा दिया था। अधिकारी के अनुसार जब पुलिस उसे हथियार बरामद करने के लिए जंगल ले गई, तो उसने कथित तौर पर एक और छिपी हुई पिस्तौल निकाली और पुलिस टीम पर गोलियां चला दीं। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) राकेश कुमार मिश्रा ने बताया कि जवाबी गोलीबारी में वह घायल हो गया और उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मिश्रा ने बताया कि एहसान के खिलाफ सरधना थाने में गोहत्या और पुलिस कर्मियों पर हमला करने के दो मामले दर्ज हैं।**(भाषा)**

पति को झपकी आने से कार खाई में गिरी, पत्नी की मृत्यु, दो बच्चियां घायल

एटा। थाना कोतवाली देहात क्षेत्र में बुधवार तड़के एक सड़ दुर्घटना में एक महिला की मृत्यु हो गई, जबकि उसकी दो मासूम बच्चियां घायल हो गईं। पुलिस ने यह जानकारी दी। थाना कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक आरके सिंह ने बताया कि यह दुर्घटना उस समय हुई जब कार चला रहे मुकेश को झपकी आ गई जिससे कार अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई। इस दुर्घटना में मुकेश की पत्नी मीनू (35 वर्ष) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 10 वर्षीय शिवानी और पांच वर्षीय सुहानी इस दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गईं। सूचना मिलने पर कोतवाली देहात पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को कार से बाहर निकालकर मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। मुकेश ने बताया कि वे सभी जालौन के राठौरपुरा गांव से कुरुक्षेत्र जा रहे थे। पुलिस ने मीनू के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच कर रही है।**(भाषा)**

डंपर से कुचलकर तीन बच्चों और उसके श्रमिक पिता की मृत्यु

प्रयागराज। जिले के यमुना नगर में नैनी थाना अंतर्गत रीवा रोड रेलवे पुल के पास निर्माणाधीन पावर हाउस परिसर में एक डंपर से कुचलकर तीन बच्चों और उसके श्रमिक पिता की मृत्यु हो गई। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। एसीपी (करछना) वरुण कुमार ने बताया कि नैनी थाना क्षेत्र में रीवा रोड पर रेलवे पुल के पास ही रेलवे का एक पावर हाउस बन रहा है। मंगलवार की देर रात पावर हाउस परिसर में निर्माण सामग्री के पास एक श्रमिक अपने तीन बच्चों के साथ सो रहा था। उन्होंने बताया कि डंपर चालक वाहन को पीछे कर रहा था। उसे अंधेरे की वजह से श्रमिक का परिवार दिखाई नहीं दिया और उसने सोए हुए परिवार पर डंपर चढ़ा दिया। इस दुर्घटना में छोटे लाल (40), बेटे सागर (14), बेटी शबनम (13) और बेटी संगम (10) की मृत्यु हो गई। उन्होंने बताया कि वाहन को जब्त कर चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए एसआरएन अस्पताल भेजा गया है। श्रमिक परिवार शंकरगढ़ के कपारी गांव का रहने वाला था।**(भाषा)**

कतर्नियाघाट वन में एक वर्षीय मादा तेंदुआ का शव मिला

बहराइच। कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग की ककरहा वन रेंज में करीब एक वर्ष की मादा तेंदुए का शव मिला है। वन विभाग के सूत्रों के अनुसार प्रथम दृष्टया तेंदुओं के आपसी संघर्ष में उसकी मौत की आशंका जताई जा रही है। इस वर्ष के प्रथम 100 दिन में कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग के अलग-अलग क्षेत्रों में तीन तेंदुए, एक बाघ और एक हाथी के शव मिल चुके हैं। इससे पूर्व 2024 में भी यहां चार तेंदुए और एक बाघ के शव मिले थे। वन विभाग के सूत्रों ने बताया कि कतर्नियाघाट वन्य जीव प्रभाग की ककरहा रेंज अंतर्गत चांदाझार बीट में भादा नदी के किनारे सोमवार देर रात स्थानीय ग्रामीणों ने एक तेंदुए का शव देखा और वन विभाग को सूचित किया। मृत तेंदुए के शरीर का कुछ हिस्सा किसी जानवर द्वारा खाया हुआ प्रतीत हो रहा था। प्रभागीय वनाधिकारी बी. शिवशंकर ने बताया कि ग्रामीणों की सूचना पर वन विभाग की टीम ने घटनास्थल पर पहुंच कर तेंदुए का शव कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। उन्होंने बताया कि मृत तेंदुआ करीब एक वर्ष उम्र की मादा है। प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत हो रहा है कि किसी बड़े तेंदुए से संघर्ष के दौरान मादा तेंदुए की मौत हुई होगी। फिर उसी तेंदुए ने संभवतः मादा तेंदुए के शरीर को खाया होगा। शिवशंकर ने बताया कि भारत सरकार के राष्ट्रीय व्याघ्र संरक्षण प्राधिकरण की मानक प्रचालन प्रक्रिया में निहित प्रावधानों के अनुसार मादा तेंदुए के शव का पोस्टमार्टम तीन पशु चिकित्सकों के पैनल द्वारा मंगलवार को किया गया ।पोस्टमार्टम के समय स्थानीय जनप्रतिनिधि, वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और विश्व प्रकृति निधि के प्रतिनिधि दबीर हसन मौजूद थे। **(भाषा)**

कंटेनर से कुचलकर महिला की मृत्यु

मथुरा। दिल्ली-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग पर बलदेव क्षेत्र की निवासी एक महिला की कंटेनर से कुचलकर मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी देते हुए बताया कि महिला अपने जेठ के साथ मोटरसाइकिल से दवाई लेने जा रही थी। तभी पीछे से आ रहे कंटेनर की टक्कर से वह सडक़ पर जा गिरी और कंटेनर का पहिया उसे कुचलता हुआ निकल गया। पुलिस उपाधीक्षक सदर संदीप कुमार सिंह ने बताया कि यह घटना मंगलवार को राजमार्ग पर थाना जैंत क्षेत्र में चौमुहां फ्लाई ओवर के समीप घटी। थाना बलदेव के छौली गांव निवासी छोटू की पत्नी सपना अपने जेठ उदयवीर के साथ दवाई लेने अकबरपुर स्थित केडी मेडिकल कॉलेज जा रही थी। उन्होंने बताया कि चौमुहां फ्लाईओवर पर पहुंचते ही मोटरसाइकिल को पीछे से तेज गति से आ रहे कंटेनर ने टक्कर मार दी जिसमें महिला उछल कर कंटेनर के नीचे आ गई। उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। **(भाषा)**

चलाया गया वृहद टीकाकरण अभियान सीएचसी अधीक्षक ने किया निरीक्षण

सिरौलीगौसपुर बाराबंकी, (ग्रुप 5 सं.)। सीएचसी सिरौलीगौसपुर अधीक्षक डॉक्टर संतोष सिंह के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग द्वारा विभिन्न ग्राम पंचायतो मे वृहद स्तर पर टीकाकरण अभियान चलाया गया। जिसके तहत 24 केंद्रो पर टीकाकरण की सुविधा उपलब्ध कराई गई। अधीक्षक ने टीकाकरण केंद्रो का जायजा लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। टीकाकरण अभियान के तहत मरकामऊ, बरदरी, बदोसराय, बरौलिया, किन्तूर, सरदहा, दनापुर शुक्ल, ठाकुरपुर, डूडी महमूदाबाद, सीएचसी सिरौलीगौसपुर पीएचसी सैदनपुर में स्वास्थ्य विभाग ने टीकाकरण किया। प्रत्येक केंद्र पर एएनएम की नियुक्ति की गई। टीकाकरण सत्र का संचालन स्थानीय आंगनबाड़ी केंद्रों,प्राथमिक विद्यालयों और आशा कार्यकर्ताओं के आवास पर किया गया। शत-प्रतिशत टीकाकरण के लक्ष्य को पूरा करने के लिए गांवों में विशेष कैंप आयोजित हुए। सीएचसी अधीक्षक डॉ संतोष सिंह ने किशुनदासपुर बरदरी समेत विभिन्न टीकाकरण केंद्रो का निरीक्षण करके उन्होंने कार्यक्रम की प्रगति का जायजा लिया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लोग बिना किसी झिझक के अपने बच्चों का टीकाकरण अवश्य कराएं जिससे उनका जीवन सुरक्षित हो सके आप स्वस्थ हो और आपका परिवार स्वस्थ हो। इस अभियान में एएनएम, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और स्वास्थ्यकर्मियों ने सक्रिय भूमिका का निर्वहन किया।

भाजपा आज करोड़ों सदस्यों के साथ विश्व की सबसे बड़ा राजनैतिक दल बन चुका है : डॉ. हरिओम पांडेय

अंबेडकरनगर, (ग्रुप 5 सं.)। भाजपा की स्थापना दिवस से शुरू हुए कार्यक्रमों की कड़ी में जनपद की विधान सभाओं में सक्रिय सदस्य सम्मेलन चल रहे हैं।डॉ संजय सिंह के संयोजन और मुख्य अतिथि प्रभारी मंत्री गिरीश चंद यादव, मुख्य वक्ता त्रयंबक तिवारी, वक्ता यमुना प्रसाद चतुर्वेदी,अनीता कमल की उपस्थिति में आलापुर और रमेश चंद्र गुप्ता के संयोजन मुख्य अतिथि क्षेत्रीय मंत्री विनोद कुमार और मुख्य वक्ता जिला पंचायत अध्यक्ष श्याम सुंदर वर्मा, वक्ता पूर्व जिलाध्यक्ष कपिल देव वर्मा,ओमकार गुप्ता की उपस्थिति में टांडा विधान सभा क्षेत्र की सम्मेलन सम्पन्न हो चुकी है। बुधवार को गौरव श्रीवास्तव के संयोजन एवं मुख्य वक्ता एमएलसी डाक्टर हरि ओम पाण्डेय, पूर्व जिलाध्यक्ष ज्ञान सागर सिंह, चेयर मैन चंद्र प्रकाश वर्मा की उपस्थिति में विधान सभा अकबरपुर और संजय सिंह के संयोजन में मुख्य वक्ता विधायक धर्म राज निषाद, वक्ता पूर्व जिलाध्यक्ष रमा शंकर सिंह, ब्लॉक प्रमुख अनिल वर्मा मौसम की उपस्थिति में कटेहरी विधान सभा क्षेत्र की सक्रिय सदस्यों की सम्मेलन सम्पन्न हुई। जिला मुख्यालय के लोहिया भवन में सम्पन्न अकबरपुर विधान सभा क्षेत्र की सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा एमएलसी डॉ हरिओम पाण्डेय ने कहा कि किसी भी संगठन की रीढ़ उसके कार्यकर्ता होते हैं। कार्यकर्ता की कार्यों के बदौलत 1980 में बनी भाजपा आज करोड़ों सदस्यों के साथ विश्व की सबसे बड़ी राजनैतिक दल बन चुकी है। कहा कि अयोध्या में राम मंदिर निर्माण,तीन तलाक पर रोक, हज सब्सिडी की खात्मा,कश्मीर से धारा 370 की समाप्ति से लेकर वक्फ बोर्ड को नया कानून और इन आर सी ऐसे मामले हैं जिनका अच्छा असर देश पर पड़ा है। भाजपा ने पिछले ग्यारह वर्षों में पार्टी संगठन को निचले स्तर से शीर्ष तक लगातार मजबूत किया है। देव इंद्रावती महाविद्यालय में कटेहरी विधान सभा क्षेत्र की सम्मेलन को संबोधित करते हुए भाजपा विधायक धर्म राज निषाद ने कहा कि भाजपा एक राष्ट्रवादी राजनैतिक दल है जो भारत को एक सुदृढ़, समृद्ध एवं शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में विश्व पटल पर स्थापित करने के लिए कृतसंकल्पित है। भारत को एक समर्थ राष्ट्र बनाने का लक्ष्य के साथ छह अप्रैल 1980 को नई दिल्ली के कोटला मैदान में एक कार्यकर्ता अधिवेशन में किया गया था। जिसके प्रथम राष्ट्रीय अध्यक्ष अटल बिहारी वाजपेई बनाए गए थे। विधान सभा सम्मेलन को मुख्य रूप से अल्प संख्यक मोर्चे के प्रदेश मंत्री नेहा खान,पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष सुधीर सिंह मिंटू, भारती सिंह,डॉ राना रणधीर सिंह, डॉ रजनीश सिंह, दिलीप पटेल देव, विद्यावती राजभर, जिला मीडिया प्रभारी बाल्मीकि उपाध्याय, डॉ राना वीर सिंह,अरुण कुमार सिंह, राम बक्श सिंह, जावेद मलिक, विनय पाण्डेय, राजकुमार सेठ, मनोज गुप्ता गुड्डू, अरविंद सिंह डिंपू, शशि द्विवेदी, अमरजीत मौर्य आदि ने संबोधित किया।

फतेहपुर में तीन लोगों की हत्या के दो आरोपी पुलिस मुठभेड़ में घायल

फतेहपुर। जिले में तीन लोगों की हत्या के आरोपी दो युवक बुधवार को पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में घायल हो गए। इन युवकों के पैर में गोली लगी है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक धवल जायसवाल ने कहा कि खागा में पुलिस चौकी पर तैनात पुलिस टीम पर पीयूष सिंह और सज्जन सिंह ने फायरिंग की जिसके बाद जवाबी कार्रवाई में इनके पैर में गोली लगी। ये दोनों काले रंग की एसयूवी (स्कॉर्पियो) में यात्रा कर रहे थे और पुलिस पर गोलीबारी करने लगे। इन दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया है। इससे पूर्व, तीन लोगों की हत्या की घटना के कुछ ही घंटों में पुलिस ने सुरेश कुमार और उसके बेटे भूपिंदर सिंह को गिरफ्तार कर लिया था। उल्लेखनीय है कि मंगलवार को अखरी गांव में भारतीय किसान यूनियन के नेता, उसके बेटे और भाई की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। मृतकों की पहचान पप्पू सिंह, उसके बेटे अभय सिंह और भाई पिंकू सिंह के रूप में की गई थी। पुलिस महानिरीक्षक प्रेम कुमार गौतम ने कहा था कि पूर्व ग्राम प्रधान सुरेश कुमार उर्फ मन्नू ने पप्पू सिंह को सड़क पर खड़ा उसका ट्रैक्टर हटाने को कहा था जिसको लेकर दोनों के बीच झगड़ा हो गया था। स्थिति तब बिगड़ गई जब सुरेश के दो बेटे और उनके साथी इस झगड़े में शामिल हो गए और ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं जिससे तीनों की मौत हो गई। पुलिस महानिरीक्षक ने कहा कि प्राथमिकी में नामजद दो अन्य आरोपियों ज्ञान और विवेक समेत अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की आठ टीमों का गठन किया गया है। उन्होंने कहा कि तीनों शवों का पोस्टमार्टम, तीन वरिष्ठ डाक्टरों के पैनल द्वारा किया गया और इसकी वीडियोग्राफी की गई। इस बीच, कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए अखरी गांव में पीएसी समेत भारी पुलिस बलों की तैनाती की गई है। पुलिस महानिरीक्षक ने बताया, पुलिस ने इस मामले की जांच शुरू की है और प्रथम दृष्टया इस हत्या के दो प्रमुख कारण सामने आए हैं जिसमें से एक कारण पुरानी राजनीतिक रंजिश और दूसरा कारण सुरेश कुमार को आबंटित राशन की दुकान को निरस्त किए जाने को लेकर आक्रोश है। **(भाषा)**

नशे के सौदागरों को सरकारी योजनाओं से रखा जाए दूर, 19 राज्य के मंत्रियों के चिंतन शिविर में उठाई मांग

देहरादून, एजेंसी।
क्या नशे के सौदागरों को सरकारी योजनाओं से दूर रखा जा सकता है ऐसा कानून अगर बना तो देश में नशे के अपराधियों पर नकेल लग सकेगी ये सवाल इसलिए उठ रहे है क्योंकि उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में आयोजित सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय और दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की ओर से आयोजित चिंतन शिविर में कई राज्य के मंत्रियों ने इस मुद्दे को उठाया है. मंत्रियों ने देशभर में तेजी से फैल रहे नशा को लेकर विस्तृत रूप से चर्चा की. वर्तमान समय में देशभर में तेजी से फैल रहा नशा राज्य सरकारों और केंद्र सरकार के लिए एक बड़ी चुनौती बन गई है. जिसको लेकर चिंतन शिविर में तमाम राज्यों के कैबिनेट मंत्रियों ने अपने-अपने राज्यों की स्थितियों को साझा भी किया.

इस दो दिवसीय राष्ट्रीय चिंतन शिविर में तमाम राज्य के कैबिनेट मंत्रियों ने देशभर में तेजी से फैल रहे नशे के रोकथाम पर विशेष जोर दिया. शिविर के दौरान तमाम मंत्रियों ने कहा कि नशे को जड़ से समाप्त करने के लिए भारत सरकार को कोई ऐसा कानून बनाना चाहिए कि अगर कोई नशा तस्कर पकड़ा जाता है तो उसके परिवार को सरकारी योजनाओं से दूर रखा जाए. सरकारी नौकरियों से दूर रखा जाए. साथ ही उस पर अधिक से अधिक सजा का प्रावधान किया जाए. क्योंकि नशा मुक्ति अभियान के तहत राज्य और केंद्र सरकार करोड़ों रुपए खर्च करती है. लेकिन उसका कोई असर धरातल पर दिखाई नहीं दे रहा है. ऐसे में राज्य और केंद्र सरकारों को कोई ठोस कदम उठाने की जरूरत है.

इस दो दिवसीय चिंतन शिविर में तमाम बिंदुओं को रखा गया. साथ ही नशा मुक्ति को लेकर भी चर्चा की गई. राज्य सरकारों और केंद्र सरकार की ओर से नशा रोकने के लिए तमाम तरह के अभियान चलाए जा रहे हैं. बावजूद इसके नशा थमने का नाम नहीं ले रहा है. जबकि नशे पर लगाम लगाने के लिए चलाए जा रहे तमाम अभियान में करोड़ों रुपए खर्च हो रहे हैं.

साथ ही सिक्किम मंत्री ने कहा कि ऐसे में अगर भारत सरकार नशे को लेकर कोई कड़ा कानून बनाती है जिसमें नशे में सम्मिलित लोगों को सरकारी नौकरी से वंचित रखने के साथ ही उनके बिजनेस को समाप्त करने के साथ अधिक से अधिक सजा का प्रावधान करता है, तभी तेजी से बढ़ता नशाखोरी पर लगाम लग सकता है. सिक्किम कैबिनेट मंत्री ने कहा कि अगर कड़े प्रावधान किए जाते हैं तो उन्हें ऐसा लगता है कि नशा पर काफी हद तक लगाम लगाया जा सकता है. ऐसे में भारत सरकार और राज्य सरकारों को इस दिशा में तेजी से कदम बढ़ाते हुए चिंतन मनन करने की जरूरत है.

मध्य प्रदेश राज्य में नशा मुक्ति को लेकर तमाम काम किए जा रहे हैं. मध्यप्रदेश में तमाम सामाजिक संगठनों और राज्य सरकार के स्तर से शहरी क्षेत्र में कैंप लगाकर जन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है. साथ ही लोगों को नशे के दुष्प्रभाव के प्रति जानकारी दी जा रही है. इसके अलावा जिलों में भी नशा मुक्ति अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं. उन्होंने कहा कि नशा, नाश की जड़ है. क्योंकि नशे का आदी व्यक्ति खुद तो बर्बाद होता ही है साथ ही उसका परिवार भी बर्बादी के कगार पर पहुंच जाता है.

संक्षिप्त समाचार

उत्तराखंड में फिल्म की 75 प्रतिशत से ज्यादा शूटिंग पर ही मिलेगा अनुदान, दिशा-निर्देश जारी

देहरादून, एजेंसी। नैसर्गिक सुंदरता से परिपूर्ण उत्तराखंड की वादियां फिल्म शूटिंग के लिए बड़े गंतव्य के रूप में उभर रही हैं। राज्य में फिल्म व धारावाहिकों की शूटिंग को बढ़ावा देने के लिए उत्तराखंड फिल्म नीति लागू की गई है। इसके तहत अनुदान की व्यवस्था की गई है। सरकार ने साफ किया है कि उन्हीं फिल्म निर्माता-निर्देशकों को अनुदान मिलेगा, जो तय समयावधि के भीतर यह शपथ पत्र दाखिल करेंगे कि फिल्म की 75 प्रतिशत से अधिक शूटिंग राज्य में ही हुई है। सूचना महानिदेशक एवं उत्तराखंड फिल्म विकास परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बंशीधर तिवारी ने इस कड़ी में अनुदान प्रस्तावों पर निर्णय लेने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। दिशा-निर्देशों में कहा गया है कि फिल्म अनुदान के प्रस्ताव पर तकनीकी व वित्त समिति की संस्तुति के उपरांत निर्णय लिया जाएगा। परिषद को प्राप्त होने वाले प्रस्तावों के आधार पर बैठकों का निर्धारण होगा। सामान्यतः प्रतिवर्ष जुलाई व जनवरी में ये बैठकें होंगी। जुलाई की बैठक में 31 मार्च तक और जनवरी की बैठक में 31 अक्टूबर तक के प्रस्तावों पर विचार किया जाएगा। विशेष परिस्थिति में बैठक बुलाने के संबंध में मुख्य कार्यकारी अधिकारी निर्णय ले सकते हैं। यही नहीं, फिल्म अनुदान के लिए प्रस्ताव जमा करने को समय सीमा का निर्धारण भी कर दिया गया है। सेंसर प्रमाणपत्र प्राप्त होने की तिथि से एक वर्ष के भीतर अनुदान के लिए परिषद को प्रस्ताव प्राप्त होने चाहिए। साफ किया गया है कि इसके बाद मिलने वाले प्रस्तावों पर विचार नहीं किया जाएगा। फिल्म फेस्टिवल में भाग लेने की स्थिति समय सीमा में विचलन के लिए फिल्म निर्माता को लिखित रूप में अनुमति प्राप्त करनी होगी। परिषद ने अधिसूचित ओटीटी प्लेटफार्म पर प्रसारित फिल्मों पर अनुदान देने का निर्णय लिया है। इस क्रम में पांच ओटीटी प्लेटफार्म अधिसूचित किए गए हैं।

चार माह बीत जाने के बाद भी अधिकांश अपर सचिवों ने नहीं किया गांव भ्रमण

देहरादून, एजेंसी। सीएम के निर्देश पर अपर सचिवों को प्रत्येक विकास खंड में दो-दो गांव का भ्रमण करना था। और इसकी रिपोर्ट शासन को सौंपनी थी, लेकिन अभी तक अधिकांश अपर सचिवों ने गांवों का भ्रमण नहीं किया। चार महीने बीत जाने के बाद भी अधिकांश अपर सचिवों ने गांवों का भ्रमण नहीं किया है। अब तक 15 अपर सचिवों ने ही शासन को अपनी भ्रमण रिपोर्ट सौंपी है। उनकी इस हीलाहवाली पर शासन ने नाराजगी जाहिर की है और उन्हें इस महीने हर हाल में गांवों का भ्रमण करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने समीक्षा बैठक के दौरान अपर सचिवों को सभी विकासखंडों का भ्रमण करने के निर्देश दिए थे। सीएम के निर्देश पर अपर सचिवों को प्रत्येक विकास खंड में दो-दो गांव का भ्रमण करना था। भ्रमण के दौरान उन्हें रात्रि प्रवास करने के भी निर्देश थे। इस दौरान उन्हें प्रदेश और केंद्र सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं की समीक्षा करनी थी। साथ ही स्थानीय ग्रामीणों से इन योजनाओं के संबंध में फीडबैक भी लेना था। योजनाओं की सफलता, उन्हें लागू करने में पेश आ रही व्यावहारिक कठिनाइयां और पात्र लोगों तक इन्हें सहज बनाने के संबंध में उन्हें जन सुझाव प्राप्त करने थे। नियोजन विभाग ने इस संबंध में दिसंबर 2024 और सात मार्च 2025 को निर्देश जारी किए। अपर सचिवों को नोडल अधिकारी बनाकर उन्हें गांवों में जाने के निर्देश दिए गए। लेकिन नियोजन विभाग को अभी तक 15 अपर सचिवों की ही भ्रमण रिपोर्ट प्राप्त हो सकी है। जबकि शासन में करीब 50 अपर सचिव तैनात हैं। इस अरुचि पर प्रमुख सचिव (नियोजन) आर मीनाक्षी सुंदरम ने सभी को इस संबंध में पत्र जारी किए हैं। पत्र में सभी अपर सचिवों को इसी माह भ्रमण कर दो दिन में इसकी रिपोर्ट नियोजन विभाग को हार्ड कॉपी और ईमेल पर भेजने के निर्देश दिए हैं।

उत्तराखंड के इन 5 जिलों में भारी बारिश के आसार

देहरादून, एजेंसी।
उत्तराखंड में मौसम आज करवट बदल सकता है. मौसम विभाग ने प्रदेश के कई पर्वतीय जिलों में बारिश की संभावना जताई है. साथ ही मौसम विभाग ने बारिश को लेकर येलो अलर्ट जारी कर लोगों को सतर्क रहने की अपील की है. वहीं प्रदेश में मौसम बीते कई दिनों से शुष्क बना हुआ है.

गौर हो कि उत्तराखंड में गर्मी की तपिश बढ़ती जा रही है. पहाड़ से लेकर मैदानी क्षेत्रों तक गर्मी लोगों को परेशान कर रही है. लोग चिलचिलाती गर्मी में घर से बाहर निकलने से कतरा रहे हैं. वहीं प्रदेश में आज मौसम कुछ जिलों में मेहरबान रह सकता है. मौसम विभाग के मुताबिक आज कई पर्वतीय जिलों में मौसम करवट बदल सकता है. मौसम विभाग के मुताबिक राज्य के उत्तरकाशी,

रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर और पिथौरागढ़ जिले में कहीं-कही हल्की से भारी बारिश हो सकती है. जबकि अन्य जिलों में मौसम शुष्क रहने का पूर्वानुमान जताया गया है.

मौसम विभाग के अनुसार राज्य के पहाड़ी जिलों में कहीं-कहीं गरज के साथ आकाशीय बिजली चमक सकती है. देहरादून, पौड़ी और नैनीताल जिले के मैदानी क्षेत्रों में झोंकेदार हवाएं (30-40 किमी प्रति घंटा) से चलने की संभावना जताई गई है. मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी कर लोगों को सचेत रहने की अपील की है. बात राजधानी देहरादून की करें तो आज यहां आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे. कुछ क्षेत्रों में हल्की बारिश व गजन के साथ आकाशीय बिजली चमकने के साथ ही झोंकेदार हवाएं (30-40 किमी प्रति घंटा) चलने की संभावना जताई है. राजधानी में अधिकतम व न्यूनतम तापमान 34एष्ट व 20एष्ट के लगभग रहने की संभावना है.

मौसम के बदले पैटर्न का असर, बारिश के आंकड़ों में कमी आई, देहरादून के तापमान में हुई बढ़ोतरी

देहरादून, एजेंसी। बड़े शहरों की तरह राजधानी देहरादून के तापमान में भी पांच डिग्री तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई। सोमवार के आंकड़ों पर नजर डाले तो दून का अधिकतम तापमान सामान्य से चार डिग्री बढ़ोतरी के साथ 35 डिग्री के पार रहा।

मौसम के पैर्टन में हुए बदलाव का असर राजधानी देहरादून में दिखने लगा है। बारिश के आंकड़ों में कमी आई है। जयपुर के तापमान का भी यह हाल रहा। जबकि सोमवार के आंकड़ों पर नजर डाले तो दून का अधिकतम तापमान सामान्य से चार डिग्री बढ़ोतरी के साथ 35 डिग्री के पार रहा।

मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक बिक्रम सिंह ने कहा, तापमान में बढ़ोतरी का सीधा कारण बारिश का कम होना है, जबकि पैटर्न में हुए बदलाव के चलते बारिश के आंकड़ों में कमी आई है। इन दिनों जितना तापमान देश में दिल्ली, चंडीगढ़, जयपुर और लखनऊ का है उतना ही तापमान अब राजधानी देहरादून में भी दर्ज किया जा रहा है। बीते कुछ दिनों से बड़े शहरों के तापमान को दून का तापमान टक्कर देने लगा है। मैदान से लेकर पहाड़ तक गर्मी जमकर परेशान कर रही है।

जलवायु परिवर्तन और मौसम के बदले पैटर्न का सीधा असर बीते कुछ सालों से उत्तराखंड के तापमान पर पड़ा है। दूननिवासियों का कहना है कि अप्रैल में इतना तापमान नहीं देखा जाता था।

टिकट बुकिंग फुल होते ही सक्रिय हुए ठग

देहरादून, एजेंसी।
हर साल ठग हेली सेवा की असली वेबसाइट से मिलती जुलती वेबसाइट बनाकर लोगों को ठगते हैं। मंगलवार को भी जब बुकिंग फुल हुई तो ठग सक्रिय हो गए। नीचे वीडियो में देखिए ठग कैसे ठगी करते हैं..

केदारनाथ हेली सेवा का मई का स्लॉट पलक झपकते ही फुल हो गया। इसी के साथ सक्रिय हो गए साइबर ठग। बुकिंग का प्रयास कर रहे लोगों को इन ठगों ने फोन कर बुकिंग कराने का दावा किया। मई में किसी भी दिन की बुकिंग के लिए 25 हजार रुपये मांगे गए। इस मोबाइल नंबर पर जब अमर उजाला ने संपर्क किया तो मामला सही पाया गया। ठगों ने आधे पैसे पहले और आधे टिकट मिलने के बाद देने को कहा। यही नहीं ठग तो ऑनलाइन पंजीकरण कराने को भी तैयार हो गया।

मंगलवार को जब हेली सेवा बुकिंग दोपहर 12 बजे से शुरू हुई तो चंद मिनटों में ही पूरे मई के स्लॉट बुक हो गए। ऐसे में लोग अपनी बारी का इंतजार करते रह गए। साइबर ठगों ने ऐसे लोगों को फंसाने की कोशिश शुरू कर दी। सवाल यह है कि जब सभी स्लॉट फुल हो गए तो ठग किस तरह से बुकिंग का दावा कर रहे हैं। इसी की पड़ताल करने के लिए अमर उजाला ने टिकट बुक करने का दावा कर रहे व्यक्ति के नंबर पर बात की।

इस नंबर पर जब अमर उजाला रिपोर्टर ने कॉल किया तो पता चला कि उसकी सेवाएं रिचार्ज न होने के कारण समाप्त कर दी गई हैं। इसके बाद एक प्रयास व्हाट्सअप कॉलिंग का किया गया। नंबर की डीपी पर श्रीकेदारनाथ धाम का फोटो लगा था। व्हाट्सअप कॉल पर चंद सेकेंड बात हुई। इसके बाद उसने चैटिंग शुरू कर दी। चैटिंग के कुछ अंश...

इसके बाद ठग ने सिरसी से प्रति व्यक्ति किराया व्हाट्सअप कॉल पर बताया। बताया कि 6060 रुपये प्रति व्यक्ति लगेगा और जाने वालों का विवरण मांगा। रिपोर्टर ने कहा कि रजिस्ट्रेशन ऑफलाइन करा लेंगे तो कहा कि वो फ्री में रजिस्ट्रेशन भी करा सकते हैं। ठग ने अपना एक कार्ड भी ऑनलाइन भेजा है। इसमें उसका नाम हर्ष यादव लिखा है।

अज्ञात यूकेडी नेताओं पर केस दर्ज, सरकारी काम में बाधा डालने, रोड बाधित करने और पोस्टर होर्डिंग फाड़ने का आरोप

देहरादून, एजेंसी।
राज्य सरकार द्वारा पर्वतीय मूल के दो व्यक्तियों के खिलाफ दर्ज किए जा रहे मुकदमों के विरोध में मंगलवार को यूकेडी के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया. प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री आवास कूच किया. इस दौरान अज्ञात कार्यकर्ताओं द्वारा उत्पात मचाने और सरकारी कामकाज में बाधा डालने को लेकर चौकी प्रभारी की शिकायत के आधार यूकेडी के अज्ञात कार्यकर्ताओं के खिलाफ थाना डालनवाला में मुकदमा दर्ज किया गया है, साथ ही पुलिस मामले की जांच कर रही है.

यूकेडी नेताओं और कार्यकर्ताओं पर केस दर्ज- करनपुर चौकी प्रभारी ओमप्रकाश ने शिकायत दर्ज कराई है कि 8 मार्च को यूकेडी के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा पर्वतीय मूल के व्यक्तियों के खिलाफ दर्ज किए जा रहे झूठे मुकदमों के विरोध में परेड ग्राउंड पास सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता इकट्ठा हुए. कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए राजपुर रोड से न्यू कैंट रोड होते हुए मुख्यमंत्री उत्तराखंड आवास कूच किया. जिसमे शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल मौजूद थी.

पुलिस ने लगाए गंभीर आरोप- चौकी प्रभारी ने शिकायत में बताया है कि करीब 250 से 300 यूकेडी

कार्यकर्ता इकट्ठे होकर एक वाहन में लॉउड स्पीकर के माध्यम से सरकार विरोधी नारेबाजी कर रहे थे. नारेबाजी करते हुए एक समूह में कनक चौक से ओरिएंटल चौक से राजपुर रोड होते हुए न्यू कैंट रोड से हाथीबड़कला बैरियर के लिए चले. इसी दौरान यूकेडी कार्यकर्ताओं में से किसी अज्ञात व्यक्ति ने कनक चौक के पास लगी होर्डिंग और पोस्टरों (जोकि सेवा, सुशासन और विकास के 3 वर्ष पूरा होने के उपलक्ष्य में सरकारी विभाग द्वारा लगवाये गये थे) को तोड़फोड़ कर फाड़ा गया, जिससे सरकारी संपत्ति का नुकसान हुआ है.

शिकायत में बताया गया कि पुलिस द्वारा रैली को सड़क के एक किनारे करने का प्रयास किया गया, लेकिन पार्टी कार्यकर्ता सड़क के बीचों बीच बैठ गए, जिससे आने जाने वाले लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा. सड़क के दोनों तरफ यातायात अवरुद्ध हो जाने के कारण वाहनों की लम्बी कतारें लग गयी, जिसमें सरकारी एम्बुलेंस और अन्य इमरजेंसी वाहन भी फंस गए. अज्ञात कार्यकर्ताओं द्वारा एकराय होकर सड़क पर सरेआम पर बैठकर मार्ग अवरुद्ध करने और सरकार विरोधी नारेबाजी कर उत्पात मचाने, सरकारी कार्य में डालने और होर्डिंग्स व तोड़फोड़ की गई. तहरीर के आधार अज्ञात कार्यकर्ताओं के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया. बता दें कि यूकेडी नेता आशुतोष नेगी और आशीष नेगी पर पुलिसिया कार्रवाई को लेकर यूकेडी मुखर है.

यात्रा मार्ग पर 3000 सीसीटीवी कैमरों से होगी निगरानी

कंट्रोल रूम को मिलेगी लाइव फीड

देहरादून, एजेंसी।
इस बार चारधाम यात्रा में पहले की अपेक्षा अलग और अत्याधुनिक इंतजाम पुलिस की ओर से किए जा रहे हैं। पहली बार यात्रा मार्ग को सुपर जोन, जोन और सेक्टर में बांटकर फोर्स तैनात की गई है।

चारधाम यात्रा के लिए इस बार बड़े पैमाने पर सीसीटीवी कैमरों का कवरेज रहेगा। हर वक्त यात्रा मार्ग और प्रमुख स्थानों पर 3000 कैमरों से निगरानी होगी। ये कैमरे जिला पुलिस कंट्रोल रूम और रेंज कार्यालय में बने चारधाम यात्रा कंट्रोल रूम को लाइव फीड मुहैया कराएंगे। ताकि, भीड़ प्रबंधन और यातायात व्यवस्था को सुचारू रखा जा सके। इसके अलावा यात्रा मार्ग के

प्रमुख पड़ावों पर लोगों को सचेत करने के लिए बूथ आदि की व्यवस्था की जा रही है।

बता दें कि इस बार चारधाम यात्रा में पहले की अपेक्षा अलग और अत्याधुनिक इंतजाम पुलिस की ओर से किए जा रहे हैं। पहली बार यात्रा मार्ग को सुपर जोन, जोन और सेक्टर में बांटकर फोर्स तैनात की गई है। यहां पर एक सेक्टर में निर्धारित दूरी पर हर वक्त पुलिसकर्मी गश्त करेंगे। ये न सिर्फ यातायात प्रबंधन में मदद करेंगे बल्कि यात्रियों से बात कर उनकी समस्याओं को भी सुनेंगे। इसके अलावा चारधाम यात्रा की पूरी व्यवस्थाएं देखने के लिए पहली बार गढ़वाल रेंज कार्यालय में एक कंट्रोल रूम स्थापित किया जा रहा है। इस कंट्रोल रूम में एक एएसपी स्तर का अधिकारी हर वक्त यात्रा मार्ग की गतिविधियों पर नजर रखेंगे। इसी तरह अब पहली बार इतना बड़ा सीसीटीवी कवरेज किया जा रहा है। पुलिस महानिरीक्षक कानून व्यवस्था व पुलिस प्रवक्ता डॉ. नीलेश आनंद भरणे ने बताया कि ये सीसीटीवी कैमरे मंदिर क्षेत्र से लेकर यात्रा के हर मुख्य पड़ाव पर लगाए जा रहे हैं। इनमें विकासनगर, ऋषिकेश, हरिद्वार आदि मुख्य पड़ाव शामिल हैं। इन सभी को लाइव रखा जाएगा। साथ ही इन्हें जिला पुलिस कंट्रोल रूम और रेंज में चारधाम यात्रा कंट्रोल रूम से जोड़ा जाएगा। हर वक्त की गतिविधियों पर इन कैमरों के माध्यम से पुलिस मुख्यालय से भी नजर रखी जाएगी।

उत्तराखंड के अस्पतालों में तैनात होगा रक्त गरुड़

देहरादून, एजेंसी।
जिला चिकित्सालय (कोरोनेशन अस्पताल) में भर्ती मरीजों को खून की जरूरत पड़ने पर तीमारदारों को अब परेशान नहीं होना पड़ेगा। अगले माह से अस्पताल में रक्त गरुड़ तैनात रहेगा।

जिलाधिकारी सविन बंसल की पहल पर ब्लड के लिए एक डेडिकेटेड वाहन मिलने जा रहा है। इसके अलावा अस्पताल में ब्लड बैंक का निर्माण भी तेज गति से चल रहा है। जिसकी इसी साल शुरुआत हो जाएगी। मंगलवार को कलक्ट्रेट परिसर स्थित ऋषिपर्णा सभागार में जिला चिकित्सालय की चिकित्सा प्रबंधन समिति की संचालक मंडल की प्रथम त्रैमासिक बैठक आयोजित हुई।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में अस्पताल में चिकित्सा सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए कई नए प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। इस दौरान पिछले वित्तीय वर्ष का आय-व्यय विवरण और चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए प्रस्तावित कार्यों के बजट का भी अनुमोदन किया गया। अस्पताल में फार्मेसिस्ट की आवश्यकता, डीएम ने आउटसोर्स से तत्काल इसकी व्यवस्था की।

जिला चिकित्सालय (गांधी शताब्दी अस्पताल) में शुरू किए गए एसएनसीयू वार्ड में बेड संख्या बढ़ने जा रही है। फिलहाल एसएनसीयू में छह बेड संचालित किए जा रहे हैं। जिलाधिकारी ने इसे बढ़ाकर 12 बेड करने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। कहा कि इसके लिए जल्द व्यवस्था बनाई जाए। बता दें कि जिलाधिकारी के व्यक्तिगत प्रयास से ही अस्पताल में एसएनसीयू की शुरुआत की जा सकी है। जिला चिकित्सालय में मरीजों का खाना उपलब्ध कराने के लिए ठेके पर चल रही कैंटीन बंद होगी। अब हिलांस कैंटीन के माध्यम से मरीजों को गुणवत्तापूर्ण पौष्टिक आहार उपलब्ध कराया जाएगा। यह किचन महिला स्वयं सहायता समूह संचालित करेंगे। यह किचन महिला स्वयं सहायता समूह के माध्यम से संचालित होगा। इसके लिए जिलाधिकारी ने सीडीओ को जिम्मेदारी दी है। हिलांस कैंटीन जिला प्रशासन की नई पहल है।

ग्रुप-5 समाचार

www.group5news.com/epaper

Visit us at: www.group5news.com/epaper

सम्पादकीय

महंगे ईंधन की मार

सैयद अहमर हसनैन

ऐसे वक्त में जब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के तुगलकी फैसलों से दुनिया की अर्थव्यवस्था हिचकोले खा रही है, देश में बढ़ी महंगाई के बीच रसोई गैस की कीमतों में वृद्धि कोढ़ में खाज जैसी ही है। निस्संदेह, सरकार का कोई भी फैसला देश के व्यापक व दूरगामी लक्ष्यों को लेकर होता है। वैसे भी पेट्रोलियम पदार्थों पर लगने वाले विभिन्न कर केंद्र व राज्य सरकारों की आर्थिकी के लिये प्राणवायु जैसे होते हैं। लेकिन सरकारों को राजस्व जुटाने के लिये वैकल्पिक रास्ते तलाशने चाहिए। उन मदों में समय-समय पर वृद्धि करना, जो पहले से ही लोगों पर भार डाल रहे हैं, सुशासन की दृष्टि से तर्कसंगत नजर नहीं आता। निस्संदेह, बढ़ती महंगाई के बीच पेट्रोल-डीजल व रसोई गैस की कीमतें लोगों का बजट बिगाड़ रही हैं। सरकार के तमाम मौद्रिक उपाय महंगाई पर काबू पाने में सफल नहीं हो सके हैं। कोरोना संकट के बाद आम आदमी की आय में अपेक्षित वृद्धि भी नहीं हो पायी है। इससे जीवन-यापन कठिन होता जा रहा है। ये तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि लोकसभा व विधानसभा चुनावों के दौरान तेल का खेल होता रहा है।

पिछले लोकसभा चुनाव व उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के दौरान केंद्र सरकार ने पेट्रोलियम पदार्थों पर उत्पाद शुल्क में कमी की थी। हाल में फिर उसमें वृद्धि कर दी गई है। वैसे तो सरकार को भी पता है कि पेट्रोलियम पदार्थों व रसोई गैस की कीमतों में वृद्धि से महंगाई की एक श्रृंखला पैदा होती है। लेकिन लगता है कि टैरिफ युद्ध से भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले नुकसान की भरपाई सरकार पेट्रोलियम पदार्थों की कीमत बढ़ाकर करना चाहती है। यूं तो हम अपने प्रत्यक्ष लाभ-हानि को दृष्टिगत रखते हैं, जबकि सरकार को व्यापक दृष्टिकोण के साथ दूरगामी फैसले लेने होते हैं। वैसे नागरिकों के हित राष्ट्रहित से अलग नहीं हो सकते। लेकिन फिर भी ऐसे फैसले लेते वक्त संवेदनशील दृष्टि अपनाना जरूरी है। वहीं दूसरी ओर विपक्ष केंद्र सरकार के फैसले को एक अवसर के रूप में देखकर हमलावर हुआ है। उसकी दलील है कि केंद्र का पेट्रोलियम पदार्थों में मूल्यवृद्धि का फैसला तार्किक नहीं है। ऐसे वक्त में जब अंतर्राष्ट्रीय तेल बाजार में कच्चे तेल की कीमतें गिरी हैं, तो इस मूल्य वृद्धि का क्या औचित्य है। यह भी कि सरकार जब अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि का बोझ जनता के कंधे पर डाल देती है, तो कीमतें घटने का लाभ भी तो उसे मिले। सरकार की दलील है कि पेट्रोल व डीजल पर उत्पाद शुल्क बढ़ाया तो है लेकिन बोझ जनता पर नहीं पड़ेगा। सरकार के अनुसार पेट्रोल-डीजल की कीमतें नहीं बढ़ेंगी। मगर लोगों की चिंता है कि देर-सवेर सरकार पेट्रोल-डीजल के दामों में पिछले दरवाजे से वृद्धि कर सकती है। तेल कंपनियां भी कब तक बढ़े उत्पाद शुल्क वहन करेंगी। वैसे भी सरकारें अपने बजट को संतुलित करने के लिये गाहे-बगाहे पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों में बदलाव करती रही हैं। हालांकि, सरकार को पता है कि तेल की कीमतें बढ़ने से महंगाई की नई श्रृंखला पैदा हो जाती है। माल-भाड़े में वृद्धि से दैनिक उपभोग की वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि हो जाती है। डीजल के दामों में वृद्धि से खेती की लागत बढ़ती है, जिससे अनाज की महंगाई बढ़ती है। साथ ही विनिर्माण क्षेत्र भी इस वृद्धि से प्रभावित होता है। लेकिन लगता है कि महंगाई की तुलना में टैरिफ प्रभावों को संतुलित करना सरकार की पहली प्राथमिकता है। लेकिन एक बात तो तय है कि सरकार को पेट्रोलियम पदार्थों व रसोई गैस की कीमतों में वृद्धि को लेकर कोई कारगर रणनीति बनानी ही होगी। देश का विपक्ष भी बार-बार पेट्रोलियम पदार्थों की मूल्य वृद्धि की तार्किकता को लेकर सवाल उठाता रहा है। कुछ लोग इन पदार्थों को जीएसटी के अधीन लाकर मूल्यों को तार्किक बनाने की बात करते हैं। लेकिन विपक्ष शासित राज्य इसे राज्यों के वित्तीय संसाधनों पर केंद्र की दखल के रूप में देखते हैं। लेकिन लगता है कि जब तक दुनिया में आर्थिक अनिश्चितता का वातावरण बना हुआ है केंद्र सरकार पेट्रोलियम पदार्थों को राजस्व जुटाने का जरिया बनाना जारी रखेगी।

भीषण गर्मी की शुरूआत

बढ़ती गर्मी एवं हीट वेव से जुड़े जीवन-संकट

ललित गर्ग

कंक्रीट के जंगलों से लेकर हमारे दैनिक उपयोग के अधिकांश साधन एवं विकास की भ्रामक सोच तापमान को बढ़ाने वाले ही हैं। विडंबना यह है कि ग्लोबल वार्मिंग की दस्तक देने के बावजूद विकसित व संपन्न देश पर्यावरण संतुलन के प्रयास करने तथा आर्थिक सहयोग देने से बच रहे हैं। ऐसा नहीं है कि मौसम की मार से कोई विकसित व संपन्न देश बचा हो, लेकिन प्राकृतिक संसाधनों के क्रूर दोहन से औद्योगिक लक्ष्य पूरे करने वाले ये देश अब विकासशील देशों को नसीहत दे रहे हैं। निश्चित रूप से बढ़ता तापमान उन लोगों के लिये बेहद कष्टकारी है, जो पहले ही जीवनशैली से जुड़े रोगों एवं समस्याओं से जूझ रहे हैं। जिनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता असाध्य रोगों की वजह से चूक रही है। ऐसा ही संकट वृद्धों के लिये भी है, जो बेहतर चिकित्सा सुविधाओं व सामाजिक सुरक्षा के अभाव में जीवनयापन कर रहे हैं। वैसे एक तथ्य यह भी है कि मौसम के चरम पर आने, यानी अब चाहे बाढ़ हो, शीत लहर हो या फिर लू हो, मरने वालों में अधिकांश गरीब व कामगार तबके के लोग ही होते हैं। जिनका जीवन गर्मी में बाहर निकले बिना या काम किये बिना चल नहीं सकता। निष्कर्षतः कह सकते हैं कि उन्हें मौसम और गरीबी दोनों मारती है। प्रतिवर्ष धरती का तापमान बढ़ रहा है। आबादी बढ़ रही है, जमीन छोटी पड़ रही है...

भारत में इस समय गर्मी एवं हीट वेव का प्रकोप बढ़ता जा रहा है, खासकर उत्तर भारत के अनेक राज्यों विशेषतः गुजरात, राजस्थान, दिल्ली, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र और ओडिशा में अप्रैल के प्रारंभ में ही बढ़ती गर्मी एवं हीट वेव लोगों को अपनी चपेट में लेने लगी, कई शहरों में पारा 44-45 डिग्री तक चढ़ गया है। राजस्थान के बाडमेर में तापमान 46 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है, जो चिन्ताजनक होने के साथ अनेक समस्याओं एवं परेशानियों का सबब है। लगातार बढ़ती गर्मी के आंकड़े एक बार फिर जलवायु परिवर्तन के परिणामों और इसकी वजह से खड़े हुए संकट को ही दर्शा रहे हैं। अधिक तापमान पानी की गंभीर कमी का कारण बन सकता है, कृषि को प्रभावित कर सकता है और विशेष रूप से घनी आबादी वाले क्षेत्रों में महत्वपूर्ण स्वास्थ्य जोखिम का कारण बन सकता है। भीषण गर्मी एवं लू का प्रकोप लोगों की सेहत, कार्य-क्षमता और उत्पादकता पर गंभीर खतरा है। विश्व बैंक के एक अध्ययन के मुताबिक, देश का करीब 75 फीसदी कार्यबल कृषि और निर्माण क्षेत्र में गर्मी का सीधे सामना करने वाले श्रम पर निर्भर करता है। इसके मुताबिक साल 2030 तक गर्मी के प्रकोप से जुड़ी उत्पादकता में गिरावट की वजह से दुनिया भर में कुल होने वाली नौकरियों के नुकसान में अकेले भारत का योगदान करीब 43 फीसदी तक हो सकता है।

इस बार बढ़ती गर्मी के पूराने सारे रेकॉर्ड तोड़ देने की चेतावनी दी जा रही हैं जो हमारे लिए चौंकाने से ज्यादा गंभीर चिंता की बात है। गुजरात एवं राजस्थन के अनेक स्थानों पर अभी से गर्मी इतनी तेज है कि कुछ ही दिनों में धरती तवे की तरह तपने लगेगी। पानी की कमी, बिजली कटौती और गर्म लू के कारण बीमारी के हालात गंभीर हो सकते हैं। इतनी तेज गर्मी में पेयजल की उपलब्धता, बिजली की आपूर्ति व ट्रिपिंग की समस्या से निजात पाना मुश्किल होगा। सवाल यह है कि इस भीषण लू या यों कहें कि हीटवेव के लिए बहुत कुछ हम, हमारी सुविधावादी जीवनशैली और हमारा विकास का नजरिया भी जिम्मेदार है। आज शहरीकरण और विकास के नाम पर प्रकृति को विकृत करने में हमने कोई कमी नहीं छोड़ी है। पेड़ों की खासतौर से छायादार पेड़ों की अंधाधुंध कटाई एवं गांवों में हो या शहरों में आंख मींचकर कंक्रिट के जंगल खड़े करने की होड़ के दुष्परिणाम से ही गर्मी कहर बरपाती है और प्रकृति एवं पर्यावरण की विकरालता के रूप में सामने आती हैं। जल संग्रहण के परंपरागत स्त्रोतों को नष्ट करने में भी हमने कोई गुरेज नहीं किया। अब विकास एवं सुविधाओं और प्रकृति के बीच सामंजस्य की और ध्यान देना होगा, अन्यथा आने वाले साल और अधिक चुनौती भरे होंगे। कंक्रीट के जंगलों से लेकर हमारे दैनिक उपयोग के अधिकांश साधन एवं विकास की भ्रामक सोच तापमान को बढ़ाने वाले ही हैं। विडंबना यह है कि ग्लोबल वार्मिंग की दस्तक देने के बावजूद विकसित व संपन्न देश पर्यावरण संतुलन के प्रयास करने तथा आर्थिक सहयोग देने से बच रहे हैं। ऐसा नहीं है कि मौसम की मार से कोई विकसित व संपन्न देश बचा हो, लेकिन प्राकृतिक संसाधनों के क्रूर दोहन से औद्योगिक लक्ष्य पूरे करने वाले ये देश अब विकासशील देशों को नसीहत दे रहे हैं। निश्चित रूप से बढ़ता तापमान उन लोगों के लिये बेहद कष्टकारी है, जो पहले ही जीवनशैली से जुड़े रोगों एवं समस्याओं से जूझ रहे हैं। जिनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता असाध्य रोगों की वजह से चूक रही है। ऐसा ही संकट वृद्धों के लिये भी है, जो बेहतर चिकित्सा सुविधाओं व सामाजिक सुरक्षा के अभाव में जीवनयापन कर रहे हैं। वैसे एक तथ्य यह भी है कि मौसम के चरम पर आने, यानी अब चाहे बाढ़ हो, शीत लहर हो या फिर लू हो, मरने वालों में अधिकांश गरीब व कामगार तबके के लोग ही होते हैं। जिनका जीवन गर्मी में बाहर निकले बिना या काम किये बिना चल नहीं सकता। निष्कर्षतः कह सकते हैं कि उन्हें मौसम और गरीबी दोनों मारती है। प्रतिवर्ष धरती का तापमान बढ़ रहा है। आबादी बढ़ रही है, जमीन छोटी पड़ रही है। हर चीज की उपलब्धता कम हो रही है। आक्सीजन की कमी हो रही है। जलवायु परिवर्तन की वजह से हो रहा तापमान में लगातार असंतुलन सामान्य घटना नहीं है, जिसका दायरा अब वैश्विक हो गया है। भले ही कोई इस विनाशकारी स्थिति को तात्कालिक घटना कहकर खारिज कर दे लेकिन जमीनी

सच्चाई यह है की बड़े पैमाने पर ग्लेशियर्स का पिघलना और हीट वेव बहुत बड़े वैश्विक खतरें की आहट है, जिसको अनदेखा नहीं किया जा सकता है। कथित विकास की बेहोशी से दुनियां को जागना पड़ेगा। ग्लोबल वार्मिंग की वजह से 'तीसरा ध्रुव' कहे जानें वाले हिमालय के ग्लेशियर 10 गुना तेजी से पिघल रहे हैं। ब्रिटेन की लीड्स यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं के अनुसार, आज हिमालय से बर्फ के पिघलने की गति 'लिटल आइस एज' के वक्त से औसतन 10 गुना ज्यादा है। लिटल आइस एज का काल 16वीं से 19वीं सदी के बीच का था। इस दौरान बड़े पहाड़ी ग्लेशियर का विस्तार हुआ था। वैज्ञानिकों की मानें, तो हिमालय के ग्लेशियर दूसरे ग्लेशियर के मुकाबले ज्यादा तेजी से पिघल रहे हैं। विशेषज्ञों के एक अनुमान के अनुसार अंटार्कटिका के ग्लेशियर के पूरी तरह से पिघलने पर पृथ्वी की ग्रेविटेशनल पावर शिफ्ट हो जाएगी। इससे पूरी दुनिया में भारी उथल पुथल देखने को मिलेगी। पृथ्वी के सभी महाद्वीप आंशिक रूप से पानी के भीतर समा जाएंगे। भारी मात्रा में जैव-विविधता को हानि पहुंचेगी। पृथ्वी पर रहने वाली हजारों प्रजातियां भी खत्म हो जाएंगी। पृथ्वी पर एक विनाशकारी एवं विकराल स्थिति का उद्भव होगा। इसके साथ ही दुनियां भर में करोड़ों की संख्या में लोगों को एक जगह से दूसरी जगह पर माइग्रेट करना पड़ेगा। दुनियाभर में कूलिंग सिस्टम्स यानी एयरकंडीशन की मांग कई गुना बढ़ी है। सुविधावादी जीवनशैली एवं तथाकथित आधुनिकता ने पर्यावरण के असंतुलन को बेतहाशा बढ़ाया है। तापमान में भी साल-दर-साल बढ़ोतरी अनेक संकटों की दस्तक है।

धर्मनिरपेक्ष हिन्दुओं से नफ़रत के सौदागरों को सीख लेनी चाहिये

कट्टरपंथी

निर्मल रानी

मुख्यमंत्री ने मेरठ में सड़कों पर नमाज़ अदा करने के विरुद्ध प्रशासन द्वारा दी गई चेतावनी पर उठे विवाद के बारे में पूछे जाने पर सरकार के क़दम का बचाव करते हुए कहा कि इसमें कुछ भी ग़लत नहीं है। इसमें कोई संदेह नहीं कि महाकुंभ में इस बार श्रद्धालुओं की रिकार्ड उपस्थित रही। प्रशासनिक लापरवाहियों के चलते भगदड़,आगज़नी व यातायात जाम जैसी कुछ घटनाएं भी हुईं। परन्तु निश्चित रूप से इन सबके बावजूद बहुसंख्य शांतिप्रिय हिन्दू श्रद्धालु देश विदेश से आये और संगम में स्नान कर वापस चले गये। निश्चित रूप से इनसे अनुशासन की सीख लेने की ज़रुरत है। परन्तु इसी कुंभ में चंद सत्ता संरक्षित लोग ऐसे भी थे जो खुले आम लोगों को आत्मरक्षा के नाम पर शस्त्र वितरित कर रहे थे। इसी महाकुंभ में कुछ लोग ऐसे भी थे जो संविधान का मज़ाक़ उड़ाते हुये हिन्दू राष्ट्र स्थापना की बातें कर रहे थे,इसी महाकुंभ में कुछ ऐसे भी थे जो सर्वे भवन्तु सुखिनः, प्राणियों में सद्भावना और विश्व का कल्याण जैसे मूलभूत सनातनी सिद्धांतों की खिल्ली उड़ाते हुये धर्म विशेष के लोगों के मेले से बहिष्कार की बात कर रहे थे। कई संतरूपी वेषधारियों ने सत्ता के संरक्षण में केवल धर्म विशेष के विरुद्ध नफ़रत फैलाने जैसा कारोबार फैला रखा था...

हमारे देश के मंदिरों व शिवालों में प्रातः व सायंकालीन आरतियों के बाद जो प्रार्थनायें की जाती हैं उनमें प्रत्येक सनातनी धर्मावलंबी यह प्रार्थना भी करता है कि प्राणियों में सद्भावना हो, विश्व का कल्याण हो। हमारा ही धर्म हमें विश्व बंधुत्व व वसुधैव कुटुंबकम का पाठ भी पढ़ाता है और यही हमें सर्वे भवन्तु सुखिनः की सीख भी देता है। यह वाक्यांश भारतीय विचारधारा में सार्वभौमिक एकता और भाईचारे की भावना के प्रतीक हैं तथा समग्र हिन्दू सोच को प्रतिबिंबित करती हैं। निश्चित रूप से यही भारतीय हिन्दू समाज का स्वभाव भी है। और भारतीय बहुसंख्यकों के यही मानवतापूर्ण संस्कार ही भारत को विश्व के सबसे बड़े धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र के रूप में पहचान दिलाते हैं। परन्तु हमारे देश में दशकों से अनेक संकीर्णतावादी संगठन ऐसे भी सक्रिय हैं जिन्हें न तो सर्वे भवन्तु सुखिनः की सोच पसंद है न ही विश्व बंधुत्व,वसुधैव कुटुंबकम और प्राणियों में सद्भावना जैसी बातें इन्हें पसंद हैं। और न ही इन्हें विश्व के कल्याण से कोई वास्ता है। यह संकीर्ण साम्प्रदायिकतावादी देश और दुनिया को अपने ही कट्टरपंथी रंग में रंगना चाहते हैं।

यह संकीर्ण व विद्वेषपूर्ण विचार, धर्म और हिन्दू जागरण के नाम पर देश के आम शांतिप्रिय लोगों को उकसाता व भड़काता है। और इसके पीछे की सबसे बड़ी चाल यह है कि इसी वैमनस्य व साम्प्रदायिकता के नाम पर न जाने कितने निखट्टुओं को सत्ता मिल जाती है। और जो लोग लिपिक या चौकीदार अथवा सिपाही के योग्य भी नहीं होते उन्हें देश की लोकतान्त्रिक व्यवस्था में राज करने का अवसर मिल जाता है। पिछले दिनों देश में एक ऐसे विषय को विवाद का रूप दे दिया गया जो आज़ादी के 78 वर्षों बाद भी कभी विवाद का विषय था ही नहीं। उत्तर प्रदेश के कई शहरों में प्रशासन द्वारा अलविदा (रमज़ान का आख़िरी शुक्रवार) की नमाज़ सड़कों पर या अपने घरों की छतों पर पढ़ने पर रोक लगा दी गयी। जिसके कारण अलीगढ़ जैसे शहर में मुसलमानों ने प्रशासन के निर्देशों की पालना करते व सहयोग करते हुये ईद की नमाज़ ईदगाह में सुबह 7 बजे और 7:45 पर यानी दो बार में अदा की गयी। ऐसा पहली बार हुआ था। दिल्ली में भी कई भाजपा विधायकों ने एक सुर में सड़क पर नमाज़ पढ़ने पर रोक लगाने की मांग की। उधर मुस्लिम धर्मगुरुओं द्वारा मुस्लिम समुदाय के लोगों से यह कहा गया कि लोग मस्जिदों में जब नमाज़ पढ़ने जाएं तो अगर एक मस्जिद में जगह ख़त्म हो जाए तो दूसरी मस्जिद में जाकर नमाज़ पढ़ लें। उन्होंने मुसलमानों से यही अपील की कि सड़कों पर नमाज़ न पढ़ी जाए और क़ानून व्यवस्था को बनाए रखने हेतु प्रशासन के निर्देशों का पालन किया जाये। परन्तु इसी सन्दर्भ में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ योगी का भी एक बयान चर्चा में आया। उन्होंने सड़कों पर नमाज़ अदा करने के विरुद्ध मुसलमानों को प्रशासन द्वारा दी गई चेतावनी का पूरी तरह बचाव किया और कहा कि -सड़क चलने के लिए होती है और जो लोग बोल रहे हैं उन्हें हिंदुओं से अनुशासन सीखना चाहिए। कुल 66 करोड़ लोग प्रयागराज में आए, कहीं कोई लूटपाट नहीं, कहीं कोई आगज़नी नहीं, कहीं कोई छेड़ख़ानी नहीं, कहीं कोई तोड़फोड़ नहीं, कहीं कोई अपहरण नहीं, यह होता है अनुशासन... यह है धार्मिक अनुशासन। मुख्यमंत्री ने मेरठ में सड़कों पर नमाज़ अदा करने के विरुद्ध प्रशासन द्वारा दी गई चेतावनी पर उठे विवाद के बारे में पूछे जाने

पर सरकार के क़दम का बचाव करते हुए कहा कि इसमें कुछ भी ग़लत नहीं है। इसमें कोई संदेह नहीं कि महाकुंभ में इस बार श्रद्धालुओं की रिकार्ड उपस्थित रही। प्रशासनिक लापरवाहियों के चलते भगदड़,आगज़नी व यातायात जाम जैसी कुछ घटनाएं भी हुईं। परन्तु निश्चित रूप से इन सबके बावजूद बहुसंख्य शांतिप्रिय हिन्दू श्रद्धालु देश विदेश से आये और संगम में स्नान कर वापस चले गये। निश्चित रूप से इनसे अनुशासन की सीख लेने की ज़रुरत है। परन्तु इसी कुंभ में चंद सत्ता संरक्षित लोग ऐसे भी थे जो खुले आम लोगों को आत्मरक्षा के नाम पर शस्त्र वितरित कर रहे थे। इसी महाकुंभ में कुछ लोग ऐसे भी थे जो संविधान का मज़ाक़ उड़ाते हुये हिन्दू राष्ट्र स्थापना की बातें कर रहे थे,इसी महाकुंभ में कुछ ऐसे भी थे जो सर्वे भवन्तु सुखिनः, प्राणियों में सद्भावना और विश्व का कल्याण जैसे मूलभूत सनातनी सिद्धांतों की खिल्ली उड़ाते हुये धर्म विशेष के लोगों के मेले से बहिष्कार की बात कर रहे थे। कई संतरूपी वेषधारियों ने सत्ता के संरक्षण में केवल धर्म विशेष के विरुद्ध नफ़रत फैलाने जैसा कारोबार फैला रखा था। कुछ लोग ऐसे भी थे जो यातायात की असुविधा से खिन्न होकर बड़े पैमाने पर ट्रेंस में तोड़फोड़ कर रहे थे। परन्तु वास्तव में धन्य हैं वह करोड़ों बहुसंख्य अनुशासित देशभक्त कुंभ श्रद्धालु जिन्होंने इनके ज़हरीले व देश व संविधान विरोधी आवाहनों को धत्ता बताते हुये मेले में शांति बनाये राखी। निश्चित रूप से देश व दुनिया को ऐसे मानवतावादी हिन्दुओं से सीख लेने की ज़रुरत है। सच पूछिये तो इसी महाकुंभ के दौरान प्रशासनिक ग़लतियों के चलते जब इन्हीं श्रद्धालुओं पर भगदड़ जैसा संकट मंडराया तो इन्होंने प्रयागराज के सैकड़ों मस्जिदों, इमामबाड़ों, दरगाहों व मुस्लिम शैक्षणिक संस्थाओं में पनाह लेने के बाद वहां के मुस्लिम समाज के प्रति अपने प्रेम, विश्वास व सद्भावना के जो भाव सोशल मीडिया पर व्यक्त किये वही भाव देश के बहुसंख्य भारतीयों के भाव हैं। धर्मनिरपेक्षता से नफ़रत करने वालों को किसी विपक्षी नेता से नहीं बल्कि स्वयं अपने ही वरिष्ठ नेता अटल बिहारी वाजपई के बयानों से सीख लेनी चाहिये। वाजपेई का कहना था कि अगर भारत धर्मनिरपेक्ष नहीं है, तो भारत बिल्कुल भारत नहीं है। यह भी बाजपेयी के ही शब्द थे कि भारत भाजपा या आरएसएस की वजह से धर्मनिरपेक्ष नहीं है। बल्कि भारत धर्मनिरपेक्ष है क्योंकि इसकी 82प्रतिशत आबादी हिंदू है। यह हिंदुओं की विचार प्रक्रिया और दर्शन है जो इस देश को धर्मनिरपेक्ष बनाता है। हिंदू किसी एक किताब या एक पैग़ंबर से बंधे नहीं हैं। यहाँ तक कि नास्तिक भी हिंदू है। हिंदू धर्म सभी को गले लगाता है। नफ़रत के सौदागरों के लिये ही वाजपेई ने यह भी कहा था कि अगर भारत में कोई हिंदू अपने बहुसंख्यकों के आधार पर अपने लिए ज़्यादा अधिकार मांगता है और अल्पसंख्यक समुदाय के लिए कम अधिकार मांगता है, तो मैं ऐसे व्यवहार को सांप्रदायिक कहूँगा।

नामित राज्यपाल बनाम निर्वाचित मुख्यमंत्री विवाद

राजभवन न हुआ! आईपीएल का मैदान हो गया!!

के. विक्रम राव

नामित राज्यपाल बनाम निर्वाचित मुख्यमंत्री के विवाद पर उच्चतम न्यायालय की खंडपीठ (न्यायमूर्ति द्वय जेबी पार्डीवाला और आर. महादेवन) ने कल (08 अप्रैल 2025) राज्यपाल आरएन रवि को चेतावनी दी है कि संविधान के मुताबिक काम करें। कौन हैं यह रवि साहब ? पटना में जन्मे, 1976 में पुलिस सेवा में भर्ती हुए, वे केरल काडर में एक दशक तक कार्यरत रहें। उनकी छवि थानेदार टाइप की ही रही। उन्होंने राजीव गांधी हत्याकांड के दोषी एजी पेरारिवलन की सजा माफी याचिका को राष्ट्रपति के पास भेजा था। रवि के इस कदम पर सवाल उठाते हुए आलोचकों ने कहा था कि इस तरह का कदम देश के संघीय ढांचे की जड़ों पर प्रहार करता है। प्रतीत होता है कि राज्यपाल पहले वॉलीबॉल की गेंद होता था। अब उसका आकार आईपीएल क्रिकेट की गेंद की भांति छोटा हो गया। संविधान के इस हीरक जयंती वर्ष में राज्यपाल रवि की हरकत ने केंद्र और राज्य के संबंधों से जुड़े बुनियादी पहलुओं का मसला उठाया है। अतः प्रश्न उठता है कि मनोनीत राज्यपाल और निर्वाचित मुख्यमंत्री के अधिकारों की सीमा और दायित्व की मर्यादा की दास्तां कहां शुरू और कहां खत्म होनी चाहिए ?

मगर संवैधानिक संकट उस समय गहराता है जब परोक्ष कारणों से कोई राज्यपाल अल्पमतवाले को मुख्यमंत्री नियुक्त करे, या बहुमतवाले मंत्रिमण्डल को बर्खास्त कर दें या विधानसभा ही भंग कर दें। इसीलिए नये सिरे से राज्य-केन्द्र सम्बन्धों के सन्दर्भ में राज्यपाल की भूमिका पर बहस और समीक्षा होनी चाहिए। सवाल सीधा और कड़ा है कि आखिर क्यों अब तक 65 बार राज्यों में सरकारें पदच्युत की गयी। अर्थात् संविधान की धारायें 154, 163 और 356 पर विचार करना होगा। यह अपरिहार्य इसलिए भी हो गया है कि संविधान सभा में तत्कालीन विधि मंत्री डा. भीमराव अम्बेडकर ने आशा व्यक्त की थी कि राज्यपाल की शक्तियों का प्रयोग करने की आवश्यकता ही नहीं पड़ेगी। संविधान बड़ा लचीला बना है, इसलिए व्यावहारिक दिक्कतें कम ही पड़ेंगी। उनकी उक्ति थी कि ''यदि कोई गड़बड़ी हो भी जाती है तो जिम्मेदार संविधान नहीं, अनुभव क्या कहता है? लखनऊ में रोमेश भंडारी ने कल्याण सिंह को बर्खास्त कर संकट उपजाया था। उच्चतम न्यायालय ने संभाला, अटल को उपवास पर बैठना पड़ा था। विधानसभा ने एक ही साथ दो मुख्यमंत्री देखे थे।भारतीय गणराज्य में राज्यपाल द्वारा केन्द्रीय अधिकारों का पहला दुरूपयोग जवाहरलाल नेहरू के समय में हुआ था। केरल विधानसभा में कम्युनिस्ट पार्टी का स्पष्ट बहुमत था, बल्कि मानव इतिहास में पहली बार विश्व में अगर मुक्त मतदान द्वारा कम्युनिस्ट सरकार कहीं बनी थी तो वह ई.एम.एस. नम्बूदरीपाद की थी। तथाकथित जनान्दोलन, जो वस्तुतः हिन्दू नायर जाति और ईसाई पादरियों की साझा साम्प्रदायिक मुहिम थी, का 1958 में बहाना बनाकर कांग्रेस नेता इन्दिरा गांधी के दबाव में प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने नम्बूदरीपाद की निर्वाचित, बहुमतवाली सरकार को बर्खास्त कर दिया, राष्ट्रपति शासन थोप दिया। तब केरल के राज्यपाल थे डॉ. बी. रामकृष्ण राव, नेहरू ने हैदराबाद राज्य के इस कांग्रेसी मुख्यमंत्री को रेड्डी गुट के दबाव में हटाकर त्रिवेन्द्रम राज भवन भेज दिया था। उत्तर प्रदेश के राज्यपाल डा. बी. गोपाल रेड्डि ने चौधरी चरण सिंह की सरकार को साठ के दशक में बर्खास्त कर डाला। रोमेश भंडारी ने तो और अभूतपूर्व हरकत की। भाजपाई कल्याण सिंह की सरकार को हटा दिया। आधी रात को कांग्रेसी (अधुना भाजपाई सांसद) जगदंबिका पाल को शपथ दिलायी। अटल बिहारी वापजेयी विरोध में अनशन पर बैठ गये। फिर सर्वोच्च न्यायालय ने विधानसभा में उन्हें बहुमत सिद्ध का आदेश दिया। एक ही सदन में दो मुख्यमंत्री एक साथ थे, क्या नजारा था! इससे दुखद दृश्य टाइम्स आफ इंडिया का संवाददाता होने के नाते मैंने स्वयं अगस्त 1984 में आंध्र प्रदेश देखा था। तब हिमाचल से हैदराबाद पधारे ठाकुर राम लाल ने तेलुगु देशम के एनटी रामा राव को तीन चौथाई बहुमत के बावजूद हटा दिया था। इंदिरा गांधी प्रधानमंत्री थी। भला हो डा. शंकर दयाल शर्मा का जो राज्यपाल बनकर आये और कानून का राज पुर्नस्थापित किया। इन सब घटनाओं से अधिक दयनीय तो राज्यपालों की बर्खास्तगी रही, वह भी थोक में।

अनमोल विचार

- प्रकृति हमें अक्सर सिखाती है की आप कितने भी बड़े हो जाओ एक हवा का झोंका सब कुछ उजाड़ सकता है ।
- नसीब के भरोसे ना रहो क्योंकि जिस तरह आपका परिश्रम होगा नसीब भी उसी तरह बदलता जाएगा ।
- नकारात्मक ना बने क्योंकि इंसान जैसा सोचता है अपने चारों तरफ़ ऐसा माहौल बनता जाता है ।
- अगर आपको हमेशा खुश और आत्मविश्वास से भरपूर रहना है तो अपने विचारों को हमेशा मधुर और सकारात्मक रखिए।
- अगर आप कितना भी अच्छे दिखने की कोशिश कर ले अगर आप मन से सच्चे नहीं तो ईश्वर आपका साथ नहीं देगा ।

रोचक जानकारी — भिक्षा की तार्किकता

एक आश्रम में रहकर दो ऋषि शास्त्राध्ययन में लगे रहते थे। दोपहर के समय दोनों भोजन करने बैठे। इसी बीच एक युवा भिक्षुक ने आवाज लगाई, 'महात्मन?, क्या भिक्षा मिलेगी?' एक ऋषि ने उत्तर दिया, 'नहीं, इस समय भिक्षा नहीं मिल पाएगी।' यह सुनते ही युवा ब्रह्मचारी भिक्षुक ने विनम्रतापूर्वक पूछा, 'ऋषिवर! आपके इष्टदेव कौन हैं?' ऋषि ने कुछ क्रोधित होकर कहा, 'लगता है कि तुम उद्दंड किस्म के ब्रह्मचारी हो, हमारे इष्टदेव का नाम जानकर क्या करोगे?' कुछ क्षण मौन रहकर ऋषि ने बताया, 'हमारे इष्टदेव वायु हैं, जिन्हें प्राण भी कहा जाता है।' ब्रह्मचारी भिक्षुक ने कहा, 'ऋषिवर! वायु व प्राण तो सर्वत्र व्याप्त हैं। क्या मुझ में प्राण नहीं हैं। आप अकेले भोजन कर अपने इष्टदेव, जो मेरे अंदर भी विराजमान हैं व भूखे हैं, की अवहेलना का पाप नहीं कर रहे हैं?' दोनों ऋषि यह समझ गए कि यह ब्रह्मचारी उपनिषदों का गंभीर अध्येता है। उन्होंने अपनी भूल स्वीकार की तथा ब्रह्मचारी को पास बिठाकर आदर से भोजन कराया।

आज का राशिफल

मेष:विद्यार्थी वर्ग सफलता अर्जित करेगा। पठन-पाठन में मन लगेगा। दूर यात्रा की योजना बन सकती है। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। वरिष्ठजनों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा।

वृषभ: वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी के व्यवहार से क्लेश हो सकता है। पुराना रोग उभर सकता है। दु:खद समाचार मिल सकता है, धैर्य रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। प्रतिद्विंद्विता बढ़ेगी। पारिवारिक चिंता में वृद्धि होगी।

मिथुन:शत्रु नतमस्तक होंगे। विवाद को बढ़ावा न दें। प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के स्रोतों में वृद्धि हो सकती है। चोट व रोग से बाधा संभव है। फालतू खर्च होगा। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। प्रसन्नता रहेगी।

कर्क : लेन-देन में सावधानी रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। परिवार में तनाव रह सकता है। शुभ समाचार मिलेंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। परिवार के साथ मनोरंजन का कार्यक्रम बन सकता है।

सिंह:रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। कोई बड़ी समस्या से छुटकारा मिल सकता है। आय में वृद्धि होगी। प्रसन्नता में वृद्धि होगी।

कन्या: अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। किसी विवाद में उलझ सकते हैं। घर-बाहर असहयोग मिलेगा। अपेक्षाकृत कार्यों में विलंब होगा। आय में कमी हो सकती है।

तुला:बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। व्यापार-व्यवसाय में लाभ होगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। बेचैनी रहेगी।

वृश्चिक :नई आर्थिक नीति बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। कारोबारी अनुबंधों में वृद्धि हो सकती है। समय का लाभ लें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा हो सकती है। कानूनी बाधा आ सकती है।

धनु:बेचैनी रहेगी। चोट व रोग से बचें। काम का विरोध होगा। तनाव रहेगा। कोर्ट व कचहरी के काम अनुकूल होंगे। पूजा-पाठ में मन लगेगा। तीर्थयात्रा की योजना बनेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा।

मकर:वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। अपेक्षित कार्यों में अप्रत्याशित बाधा आ सकती है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। राज्य के प्रतिनिधि सहयोग करेंगे।

कुंभ :कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। मातहतों से संबंध सुधरेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। ऐश्वर्य के साधनों पर बड़ा खर्च हो सकता है।

मीन:कष्ट, भय, चिंता व बेचैनी का वातावरण बन सकता है। कुबुद्धि हावी रहेगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। भूमि, भवन, दुकान व फैक्टरी आदि के खरीदने की योजना बनेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। अपरिचितों पर अतिविश्वास न करें।

आज का पंचांग

10 अप्रैल को चैत्र शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि और गुरुवार का दिन है। त्रयोदशी तिथि गुरुवार देर रात 1 बजकर 1 मिनट तक रहेगी। 10 अप्रैल को प्रदोष व्रत किया जाएगा। साथ ही गुरुवार को अनंग त्रयोदशी का व्रत भी किया जाएगा। 10 अप्रैल को शाम 6 बजकर 59 मिनट तक वृद्धि योग रहेगा। साथ ही गुरुवार दोपहर 12 बजकर 25 तक पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र रहेगा। इसके अलावा 10 अप्रैल को महावीर जयंती भी है।

10 अप्रैल 2025 का शुभ मुहूर्त

चैत्र शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि- 10 अप्रैल 2025 को रात 1 बजकर 1 मिनट तक

वृद्धि योग- 10 अप्रैल को शाम 6 बजकर 59 मिनट तक

पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र- 10 अप्रैल 2025 को दोपहर 12 बजकर 25 तक

10 अप्रैल 2025 व्रत-त्यौहार- अनंग त्रयोदशी, प्रदोष व्रत, महावीर जयंती

सूर्योदय-सूर्यास्त का समय

सूर्योदय- सुबह 6:00 बजे

सूर्यास्त- शाम 6:43 बजे

ग्रीन ट्रकिंग की राह पर भारत, टाटा मोटर्स ने संभाली हरित फ्रेट क्रांति की कमान

नईदिल्ली, एजेंसी। देश के 60 प्रतिशत से ज्यादा फ्राइट या माल का परिवहन करने वाला ट्रकिंग सेक्टर अब तेजी से बढ़ने की स्थिति में आ गया है। नीति आयोग की एक रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2050 तक फ्राइट की मांग चार गुनी होने की उम्मीद है। ट्रकों की संख्या भी, जो वर्ष 2022 में 4 मिलियन थी, वह बढ़कर 17 मिलियन हो जाएगी। यह तरक्की आर्थिक प्रगति के लिये महत्वपूर्ण है, लेकिन यह बढ़ते उत्सर्जन की चिंता भी दे रही है, क्योंकि भारत में परिवहन के कारण होने वाले कार्बन के उत्सर्जन का लगभग एक तिहाई ट्रकों से आता है।
इस तेजी से बढ़ती मांग को देखते हुए, फ्रेट के

लिए स्थायी समाधानों की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक हो गई है। उत्सर्जन में भारी योगदान के चलते, इस क्षेत्र का डीकार्बनाइजेशन अब न केवल पर्यावरण बल्कि व्यवसायिक दृष्टिकोण से भी प्राथमिकता बन गया है। टाटा मोटर्स इस बदलाव का नेतृत्व एक बहु-ईंधन रणनीति के साथ कर रही है, जिसमें बैटरी-इलेक्ट्रिक, एलएनजी और हाइड्रोजन से चलने वाले ट्रकों का संयोजन शामिल है। कंपनी इन विकल्पों के ज़रिये विभिन्न परिचालन आवश्यकताओं को पूरा कर रही है।

जीसीपीएल ने पेश किया नया हिट मॉस्क्वीटो एयरोसोल

मुंबई, एजेंसी। उभरते बाजारों और घरेलू कीटनाशक (एचआई) श्रेणी में अग्रणी खिलाड़ी गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (जीसीपीएल) ने अभूतपूर्व और उपयोगी नवाचारों और श्रेणी विस्तार के माध्यम से अपने नेतृत्व को मजबूत करने का सिलसिला जारी रखा है। 2024 की शुरुआत में, जीसीपीएल ने भारत की पहली और एकमात्र सरकारी तौर पर मंजूर मच्छर भगाने वाली अगरबत्ती, गुडनाइट अगरबत्ती पेश की। इस गति को आगे बढ़ाते हुए, कंपनी ने जुलाई 2024 में रेनोफ्लुथ्रिन के विकास के साथ एक और महत्वपूर्ण कामयाबी हासिल की, जो भारत का पहला स्वदेशी रूप से विकसित और पेटेंट किया गया मौलिक्यूल है, जो बेहतर मच्छर नियंत्रण के लिए सबसे प्रभावी तरल वेपोराइज़र फॉर्मूलेशन प्रदान करता है। और अब सिर्फ एक साल से भी कम समय में, जीसीपीएल अपने कीट नियंत्रण ब्रांड, गोदरेज हिट के तहत एक और नवीनतम प्रॉडक्ट लॉन्च करने के लिए तैयार है।

एमएसडीई ने वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के साथ की साझेदारी

नई दिल्ली । भारत के कौशल के लक्ष्यों के गति प्रदान करने के प्रयास में कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) ने नई दिल्ली के कौशल भवन में आयोजित उच्च स्तरीय गोलमेज चर्चा के दौरान वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के सहयोग से 'इंडिया स्किल्स एक्सेलरेटर' पहल पर विचार विमर्श किया। इंडिया स्किल्स एक्सेलरेटर राष्ट्रीय स्तर पर सार्वजनिक-निजी साझेदारी के रूप में काम करेगा, यह मुश्किल चुनौतियों के समाधान के लिए विभिन्न आधुनिक विचारों एवं प्रगति को बढ़ावा देने हेतु विभिन्न सेक्टरों के प्रयासों को सक्षम बनाएगा- वे चुनौतियां जिन्हें हल करने के लिए बहु-हितधारक दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है। एक्सेलरेटर का उद्देश्य तीन महत्वपूर्ण स्तरों पर बदलाव को बढ़ावा देना है- 1)भावी कौशल की आवश्यकताओं पर जागरुकता बढ़ाना और लोगों की सोच में बदलाव लाना; 2)हितधारकों के बीच आपसी सहयोग एवं ज्ञान के आदान-प्रदान को बढ़ावा देना; और 3) अधिक अनुकूल एवं प्रतिक्रियाशील कौशल प्रणाली को समर्थन प्रदान करने के लिए संस्थागत संरचनाओं एवं नीतिगत ढांचे को अपग्रेड करना।

आईआईएम रायपुर और एनएडीटी ने कराधान

शासन और सार्वजनिक नीति में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए रणनीतिक शैक्षणिक सहयोग किया

रायपुर, एजेंसी। बिल्डिंग बिजनेस ऑनर के लिए प्रतिष्ठित भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) रायपुर, ने हाल ही में नेशनल एकेडमी ऑफ डायरेक्ट टैक्सेज़ (एनएडीटी), नागपुर के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

रणनीतिक रूप से तैयार किया गया यह समझौता कराधान, कानून प्रवर्तन, सार्वजनिक नीति, प्रबंधन और संबंधित क्षेत्रों में शैक्षणिक सहयोग, अनुसंधान उत्कृष्टता, क्षमता निर्माण और ज्ञान के आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया गया है। इस सहयोग में संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं, फैकल्टी विकास कार्यक्रमों, छात्रों के लिए इंटर्नशिप और प्रोजेक्ट्स, और व्यावहारिक अनुभव जैसे प्रमुख कदम शामिल होंगे। इसके अतिरिक्त, इस समझौते के तहत संयुक्त सेमिनार, कार्यशालाओं और सम्मेलनों का आयोजन भी किया जाएगा ताकि सतत् शिक्षा और विचारों के आपसी आदान-प्रदान को प्रोत्साहित किया जा सके। इस साझेदारी पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए प्रोफेसर राम कुमार काकानी, निदेशक,

आईआईएम रायपुर ने कहा, यह साझेदारी अकादमिक दृष्टिकोण और व्यावहारिक शासन आवश्यकताओं का एक रणनीतिक मेल है। इस प्रकार की सार्थक साझेदारियाँ युवाओं के ज्ञान की सीमाओं को विस्तृत करती हैं और उन्हें नई और उपयोगी सोच के लिए प्रेरित करती हैं।

सार्वजनिक नीति और कराधान में वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोगों और अनुसंधान-आधारित दृष्टिकोणों को मिलाकर, हम राष्ट्र निर्माण के नेतृत्वकर्ताओं को तैयार करने की अपनी प्रतिबद्धता को रेखांकित कर रहे हैं। एक औपचारिक समारोह में प्रोफेसर राम कुमार काकानी, निदेशक, आईआईएम रायपुर और श्री आकाश देवांगन, अतिरिक्त महानिदेशक (योजना एवं अनुसंधान), एनएडीटी ने इस एमओयू पर हस्ताक्षर किए। यह साझेदारी दोनों संस्थानों की विशेषज्ञता का लाभ उठाते हुए ज्ञान साझाकरण को मजबूत बनाएगी और विभिन्न शैक्षणिक और अनुसंधान क्षेत्रों में भविष्य की साझेदारियों का मार्ग प्रशस्त करेगी।

एमएसडीई ने इंडिया स्किल्स एक्सेलरेटर के लॉन्च के लिए वर्ल्ड इकोनोमिक फोरम के साथ की साझेदारी

नई दिल्ली । भारत के कौशल के लक्ष्यों के गति प्रदान करने के प्रयास में कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) ने नई दिल्ली के कौशल भवन में आयोजित उच्च स्तरीय गोलमेज चर्चा के दौरान वर्ल्ड इकोनोमिक फोरम (डब्ल्यूईएफ) के सहयोग से 'इंडिया स्किल्स एक्सेलरेटर' पहल पर विचार विमर्श किया। इंडिया स्किल्स एक्सेलरेटर राष्ट्रीय स्तर पर सार्वजनिक-निजी साझेदारी के रूप में काम करेगा, यह मुश्किल चुनौतियों के समाधान के लिए विभिन्न आधुनिक विचारों एवं प्रगति को बढ़ावा देने हेतु विभिन्न सेक्टरों के प्रयासों को सक्षम बनाएगा- वे चुनौतियां जिन्हें हल करने के लिए बहु-हितधारक दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है। एक्सेलरेटर का उद्देश्य तीन महत्वपूर्ण स्तरों पर बदलाव को बढ़ावा देना है- 1)भावी कौशल की आवश्यकताओं पर जागरुकता बढ़ाना और लोगों की सोच में बदलाव लाना; 2)हितधारकों के बीच आपसी सहयोग एवं ज्ञान के आदान-प्रदान को बढ़ावा देना; और 3) अधिक अनुकूल एवं प्रतिक्रियाशील कौशल प्रणाली को समर्थन प्रदान करने के लिए संस्थागत संरचनाओं एवं नीतिगत ढांचे को अपग्रेड करना।टेक्नोलॉजी और आर्थिक पहलुओं पर नज़र डालें तो भारत तेज़ी से बदलाव के दौर से गुज़र रहा है, इस बीच 65 फीसदी संगठनों का मानना है कि कौशल की कमी सबसे बड़ी रूकावट है जो प्रगति में बाधा उत्पन्न कर सकती है।

बिरला ओपस पेंट्स ने नई डिज़ाइनर फिनिशेस के साथ खूबसूरती की परिभाषा बदली

● *बिरला ओपस पेंट्स ने नई और अनोखी डिज़ाइनर फिनिशेस की रेंज पेश की है, जो घर की खूबसूरती के साथ - साथ ग्राहक के अनुभव को नया रूप देने की इसकी सोच को और मजबूत बनाती है*

नईदिल्ली, एजेंसी। आदित्य बिरला ग्रुप की ग्रासिम इंडस्ट्रीज का हिस्सा, बिरला ओपस पेंट्स ने एक नई और अनोखी डिज़ाइनर फिनिश की रेंज लॉन्च की है, जिसमें दो खास जो भविष्य में भी धमाल मचा दे ऐसे कलेक्शंस शामिल हैं। ये रेंज भारत में प्रीमियम इंटीरियर डिज़ाइनिंग का रूप बदल देगी। लक्ज़री को नए अंदाज़ में पेश करने के लिए तैयार की गई यह नई रेंज उस समय आई है जब ब्रांड ने अपने रिटेल नेटवर्क का विस्तार किया है। इसके तहत कंपनी ने अपने फ्रेंचाइज़ी स्टोर्स के साथ-साथ खुद के चलाए गए बिरला ओपस पेंट स्टूडियो नामक एक्सपीरियंस स्टोर्स भी लॉन्च किए हैं, जहां ग्राहक डिज़ाइनर फिनिश रेंज को खुद देख और महसूस कर सकते हैं।

यह बेहतरीन रेंज दो शानदार कलेक्शन पेश करती है। ड्रीम कलेक्शन और टाइमलेस कलेक्शन, जिनमें प्रकृति से प्रेरित खूबसूरती के साथ आधुनिक टेक्नोलॉजी को बड़ी बेहतरीन तरीके से मिलाया गया है। हाई-डेफिनिशन 3ष्ठ डिज़ाइन हो, चाहे चमकदार मेटैलिक फिनिश हो या फिर टाइमलेस हाथों से बनाई गई फिनिश ही क्यों न हो, बिरला ओपस पेंट्स की डिज़ाइनर फिनिश रेंज दीवारों को एक नई जान देने के साथ - साथ आलीशान दिखाती है। रंग से आगे सोचने वालों के लिए बनाई गई यह डिज़ाइनर फिनिश हर जगह को एक खास पहचान और पर्यावरण के प्रति जागरूक जीवनशैली का हिस्सा बना देती है। यह न सिर्फ ज़्यादा टिकाऊ और बेहतर है, बल्कि बिरला ओपस पेंट्स के विज़न दुनिया को रंग दो को भी बखूबी दिखाती है।

इसके लॉन्च पर बात करते हुए, बिरला ओपस पेंट्स के सीईओ रक्षित हरगवे ने बताया कि, बिरला ओपस पेंट्स में हम समझते हैं कि आज के ग्राहक सिर्फ प्रोडक्ट नहीं, बल्कि ऐसा अनुभव चाहते हैं जो उद्देश्य के साथ-साथ मूल्य को भी दर्शाए। हमारा उद्देश्य सिर्फ एक आधुनिक डिज़ाइन टेक्नोलॉजी और टिकाऊ समाधानों के साथ क्रिएटिविटी को नए मायने देना नहीं है, बल्कि इंटीरियर लक्ज़री को आम लोगों तक पहुंचा कर उसे नया आयाम देना भी है। हमारे पेंट स्टूडियो और फ्रेंचाइज़ी स्टोर्स को पूरे भारत में लॉन्च करने के बाद, अब हम ग्राहकों के लिए ये शानदार फिनिशेस पेश कर रहे हैं जो प्रकृति की खूबसूरती और इटालियन कला से प्रेरित हैं। ये आपके घर में लक्ज़री का एक खास एहसास ज़रूर जोड़ेंगी।

जहां ड्रीम रेंज में हाई-डेफिनिशन 3ष्ठ पैटर्न और मेटैलिक फिनिश दी गई हैं, जो स्टेटमेंट वॉल बनाने के लिए एकदम परफेक्ट हैं।

सोनालीका ने वित्त वर्ष 2025 में अब तक की सर्वाधिक 1,53,764 कुल वार्षिक ट्रैक्टर बिक्री और 14.8 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी हासिल की

● **इंटरनेशनल ट्रैक्टर्स लिमिटेड के जॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर, रमन मित्तल ने इस प्रदर्शन का श्रेय कंपनी का ग्राहक के प्रति जुनून और निरंतर इनोवेशन के बुनियादी मूल्यों को दिया है**

नई दिल्ली एजेंसी। प्रमुख ट्रैक्टर और कृषि मशीनीकरण ब्रांड सोनालीका और सोलिस के संचालक इंटरनेशनल ट्रैक्टर्स लिमिटेड ने वित्तीय वर्ष 2025 का समापन अब तक की सर्वाधिक 1,53,764 कुल वार्षिक ट्रैक्टर बिक्री और 14.8 प्रतिशत कुल बाज़ार हिस्सेदारी के साथ किया है।

इस दौरान घरेलू बाज़ार में सोनालीका का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा और ये कंपनी की प्रसिद्ध हैवी ड्यूटी ट्रैक्टर रेंज के कारण संभव हुआ है जिसने पूरे भारत के साथ-साथ 150 देशों में लोकप्रियता हासिल करना जारी रखा है।

ये वर्ष ख़ास इसलिए भी रहा क्यूंकि आई टी एल समूह को प्रतिष्ठित फॉर्च्यून 500 भारत की सबसे बड़ी कंपनियों की सूची में 237वीं रैंक के साथ अपनी पहली प्रविष्टि मिली और भारत के शीर्ष 10 ऑटो ब्रांड्स में मान्यता दी गई। सोनालीका के बुनियादी मूल्य जैसे ग्राहक के प्रति जूनून और निरंतर इनोवेशन लगातार कंपनी को आगे बढ़ा रहे हैं।

वित्त वर्ष 2025 में कंपनी ने अपनी तरह की एक ख़ास नीति जैसे एक देश-एक ट्रैक्टर-एक कीमत प्रस्तुत की जो अपने ग्राहकों के लिए समानता, पूर्ण विश्वास और पारदर्शिता सुनिश्चित करती है।

आ गया है नया थम्सअप एक्सफोर्स ऑल थंडर, नो शुगर सबसे पहले केवल ज़ेप्टो पर प्री-बुक करायें

थम्स अप ने अपने नए प्रोडक्ट थम्स अप एक्सफोर्स के साथ

नो-शुगर बेवरेज सेगमेंट में एक नया मानदंड स्थापित किया

मुंबई, एजेंसी। कोका-कोला इंडिया के अरबों डॉलर के प्रतिष्ठित घरेलू ब्रांड थम्स अप ने अब अपने नए प्रोडक्ट थम्स अप एक्सफोर्स के साथ नो-शुगर बेवरेज सेगमेंट में एक नया मानदंड स्थापित किया है। ऑल थंडर, नो शुगर टैगलाइन के साथ लॉन्च हुआ यह ड्रिंक बिना चीनी के, थम्स अप के उसी पुरानी दमदार स्वाद और तेज़ बुलबुले के अनुभव को बरकरार रखता है। ब्रांड के 50 साल पूरे होने से पहले यह लॉन्च कंपनी के लिए एक बड़ी उपलब्धि है।

ऑल थंडर, नो शुगर। टैगलाइन सब कुछ कहती है। थम्स अप एक्सफोर्स उन युवाओं के लिए बनाया गया है जो हमेशा कुछ नया और बेहतर करने की कोशिश करते हैं। उन्हें लगता है कि उनका मुकाबला खुद उनसे है, वे किसी भी सीमा में नहीं रहना चाहते और आजाद उड़ना चाहते हैं। थम्स अप एक्सफोर्स का डिज़ाइन भी बहुत आकर्षक और दमदार है, जो युवाओं को पसंद आएगा। यह ड्रिंक युवाओं को ऐसा महसूस कराएगा कि वे शक्तिशाली और आत्मविश्वासी हैं और उन्हें एक अलग पहचान देगा।

थम्स अप एक्सफोर्स की आधिकारिक शुरुआत से पहले ही इसकी मांग आसमान छू रही है। थम्स अप और ज़ेप्टो ने एक क्यू-कॉम उद्योग में पहली बार प्री-बुक सुविधा शुरू करने के लिए सहयोग किया, ताकि लोगों के बीच रोमांच को बढ़ाया जा सके। ज़ेप्टो पर आने से उपभोक्ता देशभर में लॉन्च होने से पहले थम्स अप एक्सफोर्स की पहली घूंट का आनंद उठाएंगे। यह साझेदारी युवाओं

के लिए प्रासंगिक रहने और उन्हें नए-नए तरीकों से तकनीक का लाभ उठाकर प्रीमियम उत्पाद लाने के लिए थम्स अप और ज़ेप्टो दोनों की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

सुमेली चैटर्जी, कैटेगरी हेड - स्पार्कलिंग फ्लेवर्स, कोका-कोला इंडिया और साउथ वेस्ट एशिया ने कहा, थम्स अप हमेशा से नए और बेहतर उत्पाद बनाने में आगे रहा है। थम्स अप एक्सफोर्स भी उसी दिशा में एक नया प्रयास है। यह बिना चीनी वाला पेय है, लेकिन इसका स्वाद थम्स अप के पुराने दमदार स्वाद जैसा ही है। हम हमेशा से थम्स अप के मूल स्वाद को बनाए रखते हुए नए उत्पाद बनाने के लिए प्रतिबद्ध रहे हैं। ज़ेप्टो के साथ साझेदारी करके, हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि ग्राहकों को यह नया पेय सबसे पहले मिले। इससे यह भी पता चलता है कि ब्रांड और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म मिलकर नए तरीके से काम कर रहे हैं।''

कैवल्य वोहरा, सह-संस्थापक ज़ेप्टो ने कहा, थम्स अप एक्सफोर्स की लॉन्च से पहले ही बहुत मांग थी। इसलिए, हमने ग्राहकों के लिए प्री-बुकिंग की सुविधा शुरू की, जोकि आमतौर पर केवल इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों के लिए होती है। हजारों लोगों ने पहले ही प्री-बुकिंग के लिए साइन अप किया है। इससे पता चलता है कि ज़ेप्टो एक आधुनिक तकनीक वाली कंपनी है जो ग्राहकों को खरीदारी का एक नया और बेहतर अनुभव दे रही है। ज़ेप्टो अपने तेज़ और आसान प्लेटफॉर्म और ग्राहकों की पसंद को समझते हुए, केवल सुविधा ही नहीं दे रहा है, बल्कि यह भी दिखा रहा है कि भारत में लोग खरीदारी कैसे करते हैं।

थम्स अप एक्सफोर्स जल्द ही देश भर की दुकानों पर मिलने लगेगा, लेकिन ज़ेप्टो यूजर्स सबसे पहले थंडर का अनुभव करेंगे। तो फिर बेझिझक 'ऑल थंडर, नो शुगर' की पहली सिप लेने के लिए तैयार हो जाइए।

एसबीआई कॉलेज यूथ आइडियाथॉन 2025 के ग्रैंड फिनाले में दिखी

भारत के उदीयमान युवा नवप्रवर्तकों की प्रतिभाएं

नई दिल्ली एजेंसी। कॉलेज के विद्यार्थियों के लिए भारत का सर्वोत्तम उद्यमशीलता लांचपैड दि ग्रैंड फिनाले ऑफ एसबीआई कॉलेज यूथ आइडियाथॉन (सीवाईआई 2025) भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), दिल्ली में संपन्न हुआ जो भारतीय उद्यमशीलता की अकादमिक राजधानी बनकर उभरी है। नवप्रवर्तन, आकांक्षा और परिवर्तनकारी विचारों के प्रेरणादायी इस उत्सव में देश के सबसे उदीयमान विद्यार्थी उद्यमी शामिल हुए। आईआईटी दिल्ली, एमईपीएससी (कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय के अधीन) और थिंकस्टार्टअप फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में शीर्षक प्रायोजक के तौर पर भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के सहयोग से आयोजित सीवाईआई 2025 देशभर के कॉलेज परिसरों में उद्यमशीलता की भावना करने की एक ऐतिहासिक पहल रही।

200 शहरों के 1,000 कॉलेजों से 44,000 से अधिक विद्यार्थियों ने एसबीआई कॉलेज यूथ आइडियाथॉन 2025 में प्रतिभाग किया। इस आयोजन में 15,000 से अधिक स्टार्टअप विचार पेश किए गए। मूल्यांकन के कठिन दौर, मार्गदर्शन और छंटाई के जरिए शीर्ष 100 विद्यार्थी टीमों को इस दो दिवसीय ग्रैंड फिनाले के लिए आईआईटी दिल्ली में आमंत्रित किया गया। इन युवा उद्यमियों ने अपने नवप्रवर्तन प्रदर्शित किए, शीर्ष मार्गदर्शकों और निवेशकों के साथ संवाद किया और लाइव पिच राउंड में प्रतिस्पर्धा की।

स्टार्टअप

डिमेंशिया के मरीजों के लिए स्मार्ट और रीयल टाइम देखभाल में मदद करने वाला वियरेबल डिवाइस, शक्ति ग्रुप (चित्कारा युनिवर्सिटी), एआई आधारित आपदा प्रतिक्रिया प्रौद्योगिकी जिसमें थर्मल इमेजिंग, लिडार एवं लाइव 3डी मैपिंग का उपयोग किया गया है। शीसेफ इंडिया (मद्रास क्रिश्चियन कॉलेज, करुण्य इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी), स्टार्टअप : महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए स्मार्ट पैनिक अलर्ट सिस्टम,

ब्रिक्स सीसीआई डब्ल्यूई ने 'लिंग समानता वाली दुनिया के लिए त्वरित कार्य' पर श्वेतपत्र जारी किया

नई दिल्ली, एजेंसी। ब्रिक्स चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की महिला सशक्तिकरण इकाई ने 'समान लिंग वाली दुनिया के लिए त्वरित कार्य' शीर्षक से श्वेतपत्र जारी किया है जिसमें महिला उद्यमियों के लिए सार्थक वैश्विक एक्सिलरेशन प्रोग्राम्स शुरू करते हुए इसे मुख्यधारा की मीडिया में चर्चा में लाने और महिलाओं के लिए चाहे वह कंपनी का बोर्ड हो, न्यायपालिका हो या सांस्कृतिक क्षेत्र हो, 33 प्रतिशत कोटा अनिवार्य करने की सिफारिश की गई है। साथ ही चुनावों में महिला उम्मीदवारों और महिलाओं के नेतृत्व वाले संगठनों के लिए आईएसओ मानक प्रमाणन के लिए कोष की स्थापना करने, विवाद निस्तारण के लिए परिषद, मातृत्व लाभों के लिए राज्य का सहयोग, लिंग के आधार पर अलग अलग डेटा संग्रह एवं निगरानी, महिलाओं के लिए वित्तीय साक्षरता और कौशल विकास की पहल की भी सिफारिश की गई है। इस श्वेतपत्र में विश्व में बदलाव लाने वाली महिलाओं, उद्यमियों, कॉरपोरेट अधिकारियों और नीति विशेषज्ञों के दृष्टिकोण को शामिल किया गया है जो वर्तमान प्रक्षेप पथ, विश्व आर्थिक मंच के मुताबिक, 2158 तक पूर्ण लिंग समानता हासिल नहीं की जा सकती जैसे विषयों पर चर्चा के लिए ब्रिक्स सीसीआई डब्ल्यूई ट्रेलब्लेजर्स गोलमेज में एकत्रित हुईं। भारतीय संसद की पूर्व अपर सचिव (लोक सभा), ब्रिक्स सीसीआई की वरिष्ठ सलाहकार, एफओआरई सेंटर पालिटिकल लीडरशिप एंड गवर्नेंस की संस्थापक प्रधान सलाहकार और इस गोलमेज बैठक की अध्यक्ष सुश्री कल्पना शर्मा ने कहा, महिलाओं को नवप्रवर्तक और निर्णयकर्ता के तौर पर उभरती प्रौद्योगिकियों विशेषकर एआई को आकार देने में एक केंद्रीय भूमिका निभानी होगी। व्यवस्थागत बदलाव के लिए राजनीतिक प्रतिनिधित्व एक महत्वपूर्ण कारक होता है। बातचीत और श्वेतपत्र में की गई सिफारिशें यह मजबूती से याद दिलाती हैं कि गठबंधन, मार्गदर्शन और नेतृत्व एक ऐसे भविष्य को तैयार करने के लिए महत्वपूर्ण हैं जहां महिलाएं ना केवल भागीदारी करें, बल्कि नेतृत्व भी करें। ब्रिक्स सीसीआई डब्ल्यूई की अध्यक्ष सुश्री रूबी सिन्हा के मुताबिक, दुनियाभर में करीब 3.8 अरब की महिलाओं की आबादी में से 2 अरब से अधिक महिलाएं ब्रिक्स देशों में रहती हैं जिससे वैश्विक स्तर पर लिंग समानता के लिए उनका सशक्तिकरण महत्वपूर्ण है।

क्या धोनी पर ही है सीएसके की सारी जिम्मेदारी?

केवल 2 गेंदबाज चल रहे, बल्लेबाजों ने भी लुटिया डुबोई

नई दिल्ली, एजेंसी। 5 बार की चैम्पियन चेन्नई सुपर किंग्स ने इस सीजन में अपने पिछले 4 मैच लगातार हारे हैं. 23 मार्च को जब चेन्नई ने मुंबई को अपनी होम वेन्यू पर हराया तो लगा कि इस बार कुछ अलग ही तरह से खेलेगी. लेकिन उसके बाद तो चेन्नई की टीम पर ऐसा ब्रेक लगा है कि उसने चार मैच गंवा दिए. पंजाब किंग्स के खिलाफ 8 अप्रैल को हुए मुकाबले में भी चेन्नई की टीम को 18 रनों से हार मिली. इस हार के बाद अब यह सवाल उठ रहे हैं कि आखिर इस टीम को अचानक ऐसा क्या हो गया है कि वह ठीक-ठाक शुरुआत के बाद भी चूक जा रही है. 28 मार्च को (रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु) के खिलाफ मुकाबले में महेंद्र सिंह धोनी नंबर 9 पर खेलने आए तो फैन्स ने उनको ट्रोल करना शुरू कर दिया. उसके बाद हुए मुकाबलों में धोनी ऊपरी क्रम पर भी खेलने आए. इसी बीच स्टीफन फ्लेमिंग का भी बयान आया जहां कहा गया कि धोनी के घुटनों की स्थिति पहले जैसी नहीं रही है, इस वजह से वह लास्ट ओवर्स में खुद चयन करते हैं.

लेकिन इन सबके बीच एक बड़ा सवाल यह भी है कि क्या 43 साल के धोनी पर ही चेन्नई सुपर किंग्स पूरी तरह से निर्भर है. क्योंकि शुरुआती 5 मैचों के जब हमने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाडियों के आंकड़े देखे तो कई चीजें चौंकाने वाली नजर आई. पंजाब के खिलाफ धोनी ने 12 गेंदों पर 27 रन बनाए.

विकेटटेकर गेंदबाज नहीं चल रहे

चेन्नई सुपर किंग्स की गेंदबाजी यूनिट की बात की जाए तो केवल नूर अहमद और खलील अहमद शानदार रहे हैं. नूर अहमद ने 5 मैचों में 11 विकेट लिए हैं, इस दौरान उनका इकोनॉमी रेट 8.33 और एवरेज 13.63 रहा है. वहीं खलील अहमद ने 4 मैचों में 10 विकेट लिए हैं. वहीं बेबी मिलिंगा के नाम से फेमस मथीशा पथिराना 4 मैचों में महज 5 विकेट झटक पाए हैं. वहीं अश्विन भी 5 मैचों में महज 5 विकेट ले सके हैं. जडेजा ने 5 मुकाबलों में केवल 2 विकेट लिए हैं. यानी एक बात साफ है कि पथिराना, अश्विन और जडेजा जैसे गेंदबाज उस लेवल पर विकेट नहीं ले पाए हैं,.

आईपीएल के पांच मैचों के बाद सीएसकेके बल्लेबाजी भी चिंताजनक है. खास बात यह है कि अब तक हुए (8 अप्रैल तक) आईपीएल 2025 के कुल 22 मैचों के बाद चेन्नई का कोई भी बल्लेबाज रन बनाने के मामले में टॉप 10 में नहीं हैं.

82 रन तो बाउंड्री से ही बना डाले

प्रियांश आर्य ने ठोका आईपीएल 2025 का सबसे तेज शतक

नई दिल्ली, एजेंसी। चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मैच में प्रियांश आर्य ने शतक ठोक डाला है. उन्होंने पंजाब किंग्स के लिए खेलते हुए मात्र 39 गेंद में सेंचुरी पूरी की. वो इसी के साथ आईपीएल इतिहास में पंजाब के लिए दूसरा सबसे तेज शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं.

24 वर्षीय प्रियांश ने अपनी शतकीय पारी में 7 चौके और 9 छक्के लगाए. मजे की बात यह है कि शतक पूरा करते हुए प्रियांश ने 82 रन तो चौके-छक्कों से ही बना डाले.

दूसरा सबसे तेज आईपीएल शतक लगाने वाले भारतीय

प्रियांश आर्य इतिहास में दूसरा सबसे तेज आईपीएल शतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज भी बन गए हैं. अभी तक सबसे तेज शतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज युसुफ पठान हैं, जिन्होंने साल 2010 में 37 गेंदों में सेंचुरी पूरी की थी, वहीं प्रियांश ने 39 गेंदों में शतक पूरा किया है.

वो साथ-साथ पंजाब किंग्स के लिए भी दूसरा सबसे तेज शतक लगाने वाले बल्लेबाज बने हैं. पंजाब के लिए सबसे तेज सेंचुरी 2013 में डेविड मिलर ने लगाई थी. उन्होंने आईपीएल के खिलाफ मैच में 38 गेंदों में शतक पूरा किया था.

प्रियांश आर्य ने सीएसके के गेंदबाजों का जमकर भूत बनाया. रवींद्र जडेजा को छोड़ चेन्नई के सारे गेंदबाजों ने 10 से ज्यादा के इकॉनमी रेट से रन लुटाए. प्रियांश इसके अलावा इंडियन प्रीमियर लीग में 40 से कम गेंदों में शतक पूरा करने वाले केवल दूसरे और दुनिया के पांचवें बल्लेबाज बने हैं.

कौन हैं प्रियांश आर्य?

प्रियांश आर्य का जन्म जनवरी 2001 में उत्तर प्रदेश के फतेहपुर में हुआ था. वो भारतीय डोमेस्टिक क्रिकेट में दिल्ली टीम के लिए खेलते हैं. उन्हें सबसे पहली पहचान तब मिली जब डोमेस्टिक क्रिकेट में साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स के लिए खेलते हुए उन्होंने नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स के खिलाफ एक ओवर में 6 छक्के जड़ दिए थे. उस मैच में उन्होंने मात्र 40 गेंद में शतक पूरा कर लिया था.

सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी 2023-24 में दिल्ली के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे. आपको याद दिला दें कि प्रियांश ने आईपीएल 2024 ऑक्शन में भी अपना नाम रजिस्टर करवाया था, लेकिन वो उस समय अनसोल्ड रहे थे. मगर इस बार पंजाब किंग्स ने उन्हें 3.8 करोड़ रुपये में खरीदा था.

शूटिंग वर्ल्ड कप:

18 साल की महिला निशानेबाज सुरुची ने जीता स्वर्ण पदक, चीन के प्रतिद्वंद्वी को पीछे छोड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। सुरुचि ने क्वालिफिकेशन में 583 का स्कोर बनाया था। दो ओलंपिक पदक जीत चुकीं मनु भाकर, सुरभि राव, सैनयम और सिमरनप्रीत कौर फाइनल में जगह नहीं बना सकी थीं। भारत की 18 साल की प्रतिभाशाली सुरुचि इंदर सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए आईएसएसएफ विश्व कप में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल में स्वर्ण पदक हासिल किया। उन्होंने आठ निशानेबाजों के फाइनल में 244.6 के स्कोर के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। उन्होंने चीन की किवान वेई (241.9) और दोहरा ओलंपिक पदक विजेता जियांग रैनजिन (221.0) को क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर पछाड़ दिया।

मनु फाइनल में नहीं बना पाई थीं जगह

इससे पहले सुरुचि ने क्वालिफिकेशन में 583 का स्कोर बनाया था। दो ओलंपिक पदक जीत चुकीं मनु भाकर, सुरभि राव, सैनयम और सिमरनप्रीत कौर फाइनल में जगह नहीं बना सकी थीं। सुरुचि ने नई दिल्ली में हुई राष्ट्रीय चैंपियनशिप के यूथ, जूनियर और सीनियर वर्ग में तीन स्वर्ण पदक हासिल किए थे। ट्रायल्स में भी उन्होंने अच्छा प्रदर्शन करते हुए भारतीय टीम में जगह बनाई थी।

एशियन चैम्पियनशिप:

कपिला-क्रास्टो की जोड़ी प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंची, मलेशियाई जोड़ी को हराया

नई दिल्ली, एजेंसी। ध्रुव और क्रास्टो की अगली भिड़ंत ताइवान की वेई ये और निकोल गोंजालेंज चैन की जोड़ी के साथ होगी। मिश्रित युगल में भारत की तीन अन्य जोड़ियों को हार का सामना करना पड़ा। भारत की मिश्रित जोड़ी ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो ने बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में मलयेशिया के हू पेंग रोन और सू यिन चेंग को हराकर प्री क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। भारतीय जोड़ी ने 51 मिनट चले मुकाबले में 15-21, 21-12, 21-11 से जीत दर्ज की। ध्रुव और क्रास्टो की अगली भिड़ंत ताइवान की वेई ये और निकोल गोंजालेंज चैन की जोड़ी के साथ होगी। मिश्रित युगल में भारत की तीन अन्य जोड़ियों को हार का सामना करना पड़ा। सतीश कुमार करुणाकरण और आद्या वरियथ को तीसरी वरीयता की मलयेशियाई जोड़ी सून हुआत गोह और शेवन जेमी लेई ने हराया। असीथ सूर्या और अमरुथा भी मलयेशियाई प्रतिद्वंद्वी से 9-21, 11-21 हार गए। रोहन कपूर और रुतविका शिवानी ने 56 मिनट चले मुकाबले में 21-18, 17-21, 17-21 से मिली हार के पहले कड़ी टक्कर दी।

ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर को हुआ बड़ा नुकसान

आईपीएल 2025: बल्ले और गेंद से नहीं कर पाए कमाल अब बीसीसीआई ने दी सजा

नई दिल्ली, एजेंसी। पंजाब किंग्स ने मंगलवार को चेन्नई सुपर किंग्स को मात देकर सीजन में तीसरी जीत दर्ज की। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में यह टीम अब तक केवल एक ही मैच हारी है।

टीम भले ही मैच जीती लेकिन ग्लेन मैक्सवेल ने इस मैच में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। वह केवल एक ही रन बना पाए और एक ही विकेट लिया। इस मैच के बाद ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल को बीसीसीआई की ओर से सजा मिली है। मैक्सवेल को यह सजा उनके प्रदर्शन के लिए नहीं

बल्कि नियम तोड़ने के लिए मिली है। बीसीसीआई ने अपने बयान में कहा, ग्लेन मैक्सवेल ने आर्टिकल 2.2 (मैच के दौरान फिक्सचर और फिटिंग का दुरुपयोग) के तहत लेवल 1 के अपराध को स्वीकार किया और मैच रेफरी की सजा को स्वीकार किया। आचार संहिता के लेवल 1 उल्लंघन के लिए, मैच रेफरी का निर्णय अंतिम और बाध्यकारी है। मैक्सवेल को इसके लिए मैच फीस का 25 प्रतिशत हिस्सा जुर्माने के तौर पर देना होगा। वहीं उनके खाते में एक डिमेरिट पॉइंट भी शामिल हो गया है।

खिलाड़ियों और टीम अधिकारियों के लिए बीसीसीआई की आचार संहिता का अनुच्छेद 2.2 मैच के दौरान क्रिकेट उपकरण या कपड़ों, मैदान के उपकरण या फिक्सचर और फिटिंग के दुरुपयोग से संबंधित है।

नवजोत सिंह सिद्धू ने अंबाती रायडू को सरेआम किया बेइज्जत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू सालों पहले क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं. मगर पिछले कई सालों से उन्होंने अपनी कमेंट्री से फैंस का दिल जीतना जारी रखा है. उनका शायराना अंदाज में कमेंट्री करना और पुरानी कहानियां साझा करते रहना कमेंट्री से लोगों को जोड़े रखता है. अक्सर कमेंट्री बॉक्स में बैठे क्रिकेटरों के बीच खूब मजाक चलता रहता है, लेकिन बीते मंगलवार चेन्नई सुपर किंग्स बनाम पंजाब किंग्स मैच मैच के दौरान सिद्धू की अंबाती रायडू से बहस हो गई थी. बातों-बातों में दोनों के बीच नोंकझोंक देखी गई.

सिद्धू-रायडू में तीखी नोंकझोंक

अंबाती रायडू अपने बयानों के कारण अक्सर सुर्खियों में बने रहते हैं. चेन्नई-पंजाब मैच के दौरान रायडू ने कहा, पाजी आप अपनी पसंदीदा टीम ऐसे बदल लेते हैं, जैसे गिरगिट रंग बदलता है÷ यह कमेन्ट करने के बाद रायडू हंसने लगे थे, लेकिन नवजोत सिद्धू भी हाजिरजवाब निकले. सिद्धू ने जवाबी हमला करते हुए कहा, गिरगिट अगर किसी का आराध्यदेव है तो वो तुम्हारा है. इस जवाब के बाद रायडू और सिद्धू दोनों जोर-जोर से ठहाके लगाने लगे. मुकाबले के परिणाम की बात करें तो पंजाब किंग्स ने पहले खेलते हुए 219 रन बना डाले थे. जवाब में चेन्नई सुपर किंग्स 201 रन ही बना पाई थी. इस भिड़ंत में प्रियांश आर्य ने 29 गेंद में शतक ठोक डाला था, उन्होंने इस मैच में 103 रन की पारी खेली थी.

संजय बांगर से भी हो चुकी है बहस

यह पहली बार नहीं है है अंबाती रायडू ने किसी पूर्व क्रिकेटर के साथ बहस की हो. चेन्नई-पंजाब मैच से एक दिन पहले ही रोहित शर्मा की मुंबई इंडियंस में जगह पर रायडू और संजय बांगर बहस करने लगे थे. बांगर का कहना था कि रोहित शर्मा एक सीनियर होते हुए स्ब्ढ टीम में एक मेंटॉर का रोल अदा कर रहे हैं, लेकिन रायडू इस बात से सहमत नहीं थे. रायडू का कहना था कि, मुझे नहीं लगता कि मुंबई के कप्तान हार्दिक पांड्या को किसी सलाह की जरूरत है.

शादी के 20 साल बाद क्यों टूटने जा रहा है रिश्ता

क्या सच में मैरी कॉम ले रही हैं तलाक?

नई दिल्ली, एजेंसी। 5 सालों तक डेटिंग के बाद बॉक्सर मैरी कॉम और करूँ ओनलर ने शादी की थी, जिसे करीब 20 साल हो गए हैं. शादी के बाद दोनों के 3 बच्चे हुए, एक बेटी को उन्होंने गोद लिया. दोनों के बीच सबकुछ ठीक चल रहा था लेकिन दोनों के बीच तलाक की ख़बरों ने फैंस को हैरान कर दिया है. क्या सच में दोनों तलाक लेने जा रहे हैं? लेकिन इसके पीछे वजह क्या है, जो बात तलाक तक आ पहुंची. मैरी कॉम एक जानी मानी हस्ती हैं, उन्हें देश में हर कोई जानता है. रिपोर्ट्स के मुताबिक मैरी कॉम और उनके पति करुंग ओनलर के बीच 2022 से ही रिश्ते खराब हैं, जो समय के साथ और बिगड़ते गए. रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि मैरी कॉम तो एक अन्य रिलेशनशिप में भी आ गई है, अब इसमें कितनी सच्चाई है ये तो पता नहीं लेकिन मैरी कॉम ने अपनी जिंदगी में तीसरे के आने की ख़बरों का खंडन भी नहीं किया है.

अलग रह रहे हैं मैरी कॉम और ओनलर

ख़बरों की माने तो ओनलर विधानसभा चुनाव हारें तो उन्हें आर्थिक रूप से काफी नुकसान हुआ. ये भी मनमुटाव का एक कारण है. दोनों काफी समय से एक दूसरे के साथ नहीं रह रहे. मैरी कॉम अपने बच्चों के साथ फरीदाबाद में रहती हैं और उनके पति ओनलर अपने परिवार के साथ दिल्ली में रह रहे हैं. एक सूत्र ने बताया कि, चुनाव में हार के बाद, चीजें और खराब होती गई. उनके बीच रिश्ता और ख़राब होता चला गया जिसके बाद मैरी कॉम अपने फरीदाबाद वाले घर में बच्चों के साथ रहने लगी रिपोर्ट के अनुसार ओनलर को चुनाव में 2-3 करोड़ रूपये का नुकसान हुआ था, इससे और हार से मैरी कॉम नाखुश थी.

मैरी कॉम और उनके पति ओनलर की मुलाकात 2000 में हुई थी. बॉक्सर का सामन खो गया था, जिसे ढूंढने में ओनलर ने मदद की थी. दोनों के बीच 5 साल तक दोस्ती रही, मार्च 2005 में दोनों ने शादी की.

तलाक के बाद इन क्रिकेटर्स को फिर हुआ प्यार?

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में क्रिकेट बहुत लोकप्रिय खेल हैं। यही कारण है कि खिलाड़ियों की निजी जिंदगी भी चर्चा में रहती हैं। पिछले कुछ समय में कई क्रिकेटर्स की शादी टूटी है। वहीं कई जिंदगी में मूव ऑन कर चुके हैं। इस समय कई क्रिकेटर्स अपनी रूमर्ड गर्लफ्रेंड्स को लेकर चर्चा में हैं।

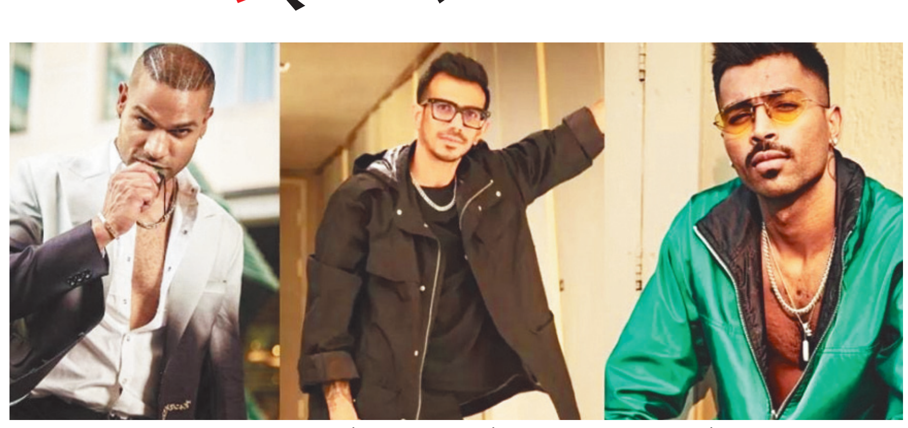

शिखर धवन

भारत के पूर्व बल्लेबाज शिखर धवन का 2022 में आयशा मुर्खजी से तलाक हो गया। इन दोनों का एक बेटा है जिसका नाम जोरावर है। शिखर धवन का नाम इन दिनों सोफी शाइन से जोड़ा जाता है। दोनों के अफेयर की अफवाहें काफी समय से चल रही हैं। सोफी कई मौकों पर शिखर के साथ नजर आई हैं। साथ ही शिखर ने भी यह माना है कि वह इन दिनों किसी को डेट कर रहे हैं। सोफी आयरलैंड की रहने वाली हैं। उन्हें चैंपियंस ट्रॉफी-2025 में धवन के साथ देखा गया था और तभी से वह चर्चा में हैं। वह पेशे से एक बड़ी फर्म में प्रोडक्ट कंसलटंट हैं।

युजवेंद्र चहल

भारतीय स्पिनर युजवेंद्र चहल भी धनश्री वर्मा से अलग हो चुके हैं। दोनों ने साल 2020 में शादी की और महज 5 साल में ही उनका रिश्ता खत्म हो गया। कानूनी तौर पर अलग होने से पहले ही चहल का नाम आरजे महवश के साथ जोड़ा जाने लगा। इसके बाद महवश ने इंस्टाग्राम पर स्टोरी डालकर इन बातों को अफवाह बताया। हालांकि तब से वह हर इवेंट में चहल के साथ नजर आती हैं। वह चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल के दौरान भी स्टैंड्स में चहल के साथ ही दिखाई दी थीं।

हार्दिक पंड्या

भारतीय ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या पत्नी नताशा से अलग हो चुके हैं। उनकी डेटिंग लाइफ भी इन दिनों चर्चा में हैं। अफवाह है कि वह जैस्मिन वालिया को डेट कर रहे हैं। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के भारत-पाकिस्तान मैच में जैस्मीन भारतीय टीम को सपोर्ट करती दिखी। वह आईपीएल में भी मुंबई इंडियंस को चीयर करती नजर आती है और उसी बस से ट्रैवल करती हैं जिससे टीम के खिलाड़ियों का परिवार ट्रैवल करता है।

जैस्मीन वालिया ब्रिटिश सिंगर, एक्ट्रेस और टीवी पर्सनालिटी हैं। जैस्मीन को ब्रिटिश रियलिटी शो से काफी लोकप्रियता मिली। उनके सॉन्ग को कार्तिक आर्यन की फिल्म सोनू के टीटू की स्वीटी में भी शामिल किया गया था।

संक्षिप्त समाचार

जदयू नेता की हत्या में संघ-भाजपा कार्यकर्ता दोषी, हाई कोर्ट ने पलटा पिछला फैसला; सुनाई उम्रकैद

तिरुअनंतपुरम, एजेंसी। केरल हाईकोर्ट ने एक अहम फैसला सुनाते हुए 2015 में जदयू नेता दीपक की हत्या के मामले में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा से जुड़े पांच कार्यकर्ताओं को उम्रकैद की सजा सुनाई है। अदालत ने सत्र न्यायालय के उस फैसले को पलट दिया जिसमें इन आरोपियों को बरी कर दिया गया था। यह फैसला न्यायमूर्ति पीबी सुरेश कुमार और न्यायमूर्ति जोबिन सेबेस्टियन की खंडपीठ ने सुनाया। अदालत ने कहा कि निचली अदालत ने साक्ष्यों को नजरअंदाज किया और ऐसे तथ्यों पर भरोसा किया जो इस मामले से अप्रासंगिक थे। कोर्ट ने चेताया कि ऐसे फैसले न्याय प्रणाली को कमजोर करते हैं और समाज में खतरनाक संदेश भेजते हैं कि गंभीर अपराधों में लिप्त लोग आसानी से बच सकते हैं। पीठ ने साफ कहा, अगर दोषियों को तकनीकी आधार पर छोड़ा गया तो यह समाज में अराजकता फैलाने वाला संकेत होगा। न्यायपालिका पर जनता का भरोसा ऐसे फैसलों से डगमगा सकता है। इससे पहले सत्र अदालत ने इस हत्याकांड में शामिल सभी 10 आरोपियों को बरी कर दिया था। इसके खिलाफ राज्य सरकार और मृतक की पत्नी ने हाईकोर्ट में अपील की थी। हाईकोर्ट ने इस अपील को आंशिक रूप से स्वीकार करते हुए पांच आरोपियों- ऋषिकेश, निजिन उर्फ कुंजप्पू, प्रशांत उर्फ कोचू, रसंत और ब्रशनेव को दोषी ठहराया। इन सभी को आईपीसी की धारा 302 (हत्या) और 34 (सामूहिक इरादा) के तहत दोषी माना गया और आजीवन कारावास के साथ-साथ एक-एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया गया। जिन दो दोषियों को पहले से ही आजीवन कारावास मिला हुआ है, उन्हें यह सजा साथ-साथ चलाने की छूट मिली है। वहीं, बाकी पांच आरोपियों को सबूतों के अभाव में बरी करने के सत्र अदालत के फैसले को हाईकोर्ट ने बरकरार रखा। दीपक जदयू के स्थानीय नेता थे और त्रिशूर जिले के पझुविल क्षेत्र में राशन दुकान चलाते थे। उनकी हत्या के पीछे कथित रूप से राजनीतिक रंजिश मानी जा रही है।

सर्बानंद सोनोवाल ने लॉन्च किए 67 करोड़ रुपये लागत की कई विकास परियोजनाएं

कोच्चि, एजेंसी। केंद्रीय पोत परिवहन मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने मंगलवार को कोच्चि स्थित इंडियन मेरीटाइम यूनिवर्सिटी (आईएमयू) परिसर में 67.77 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले विभिन्न विकास परियोजनाओं की शुरुआत की। उन्होंने कोच्चि में नए गर्ल्स हॉस्टल की आधारशिला रखी और अन्य पांच आईएमयू परिसरों में परियोजनाओं का वर्चुअल उद्घाटन किया। इन परिसरों में चेन्नई, कोलकाता, नवी मुंबई, मुंबई पोर्ट और विशाखापत्तनम शामिल हैं। इन परियोजनाओं में अत्याधुनिक सिम्युलेटर, सोलर पावर प्लांट्स, खेल सुविधाओं में सुधार और छात्रावासों का नवीनीकरण शामिल है। वहीं गर्ल्स हॉस्टल के निर्माण पर 13.11 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। कार्यक्रम के दौरान एर्नाकुलम के सांसद हिबी ईडन, इंडिया पोर्ट्स ग्लोबल के एमडी सुनील मुकुंदन, ढ्रूकी कुलपति डॉ. मालिनी वी. शंकर और कई अन्य अधिकारी एवं शिक्षा क्षेत्र के प्रतिनिधि मौजूद रहे। केंद्रीय मंत्री सोनोवाल ने कहा, ये 17 परियोजनाएं भारत की समुद्री शिक्षा को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए एक मजबूत कदम हैं। इससे छात्रों को आधुनिक तकनीक और उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा मिलेगी। इससे पहले सोमवार को मंत्री सोनोवाल ने देश की जहाज निर्माण क्षमता को बढ़ाने के लिए इंडस्ट्री 4.0-रेडी अत्याधुनिक मशीनरी का उद्घाटन किया। उन्होंने ग्रीन टग ट्रांजिशन प्रोग्राम के तहत दो ग्रीन टग्स के निर्माण के लिए स्टील कटिंग समारोह की अध्यक्षता की। इस दौरान उन्होंने कहा कि यह भारत के आत्मनिर्भर और हरित समुद्री भविष्य की ओर एक बड़ा कदम है।

राम रहीम को फिर मिली पेरोल, 21 दिनों तक जेल से बाहर रहेगा डेरा प्रमुख

चंडीगढ़, एजेंसी।
डेरा सच्चा सौदा के मुखिया और रेप केस की सजा काट रहे गुरमीत राम रहीम सिंह पर फिर हरियाणा सरकार ने मेहरबानी दिखाई है। 21 दिनों की पेरोल पर वह फिर जेल से बाहर आ गया है। राम रहीम को सुनारिया जेल से कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच सिरसा स्थित डेरा मुख्यालय के लिए रवाना किया गया। राम रहीम की रिहाई की खबर सामने आते ही चप्पे-चप्पे पर पुलिसबल को तैनात कर दिया गया है। उसके अनुयायियों में हर्ष का माहौल है।

इससे पहले 28 जनवरी को डेरा प्रमुख को 30 दिनों के पैरोल पर रिहा किया गया था और 5 फरवरी को होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनाव से आठ दिन पहले रिहा किया गया था। 28 फरवरी को पैरोल खत्म होने के बाद उसे वापस सुनारिया जेल लाया गया था। इससे पहले पिछले साल अक्टूबर में हरियाणा में चुनाव से तीन दिन पहले उन्हें 20 दिन की पैरोल दी गई थी।

जेल अधिकारियों के अनुसार, गुरमीत राम रहीम को बुधवार सुबह रिहा कर दिया गया और वह सिरसा स्थित डेरे के मुख्यालय के लिए रवाना हो गया, जहां वह 2017 में दोषी ठहराए जाने के बाद से दूसरी बार जा रहा है। नाम न बताने की शर्त पर जेल अधिकारी ने कहा, इस बार वह सिरसा स्थित डेरे में 21 दिन की छुट्टी बिताएगा। ज्यादातर मौकों पर गुरमीत राम रहीम की पैरोल और छुट्टी चुनाव के साथ ही हुई है। पिछले साल अक्टूबर में हरियाणा विधानसभा चुनाव से तीन दिन पहले उसे 20 दिन की पैरोल दी गई थी। पिछले साल जनवरी में उन्हें 50 दिनों के लिए और फिर 13 अगस्त 2024 को 21 दिनों के लिए रिहा किया गया था। राजस्थान विधानसभा चुनाव से पहले नवंबर 2023 में उन्हें 29 दिन की पैरोल मिली थी और हरियाणा में पंचायत चुनाव से पहले जुलाई 2023 में 30 दिन की पैरोल पर बाहर था। अक्टूबर 2022 में हरियाणा में आदमपुर विधानसभा उपचुनाव से पहले उन्हें 40 दिन की पैरोल मिली थी। चुनाव से पहले जून 2022 में उन्हें 30 दिन की पैरोल और पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले फरवरी 2022 में 21 दिन की फरलो मिली थी। 24 अक्टूबर 2020 को गुरमीत राम रहीम को गुरुग्राम के अस्पताल में अपनी बीमार मां से मिलने के लिए सूर्योदय से सूर्यास्त तक जेल से रिहा किया गया था। आपको बता दें कि गुरमीत राम रहीम बलात्कार और हत्या मामलों में सजा काट रहा है। इससे पहले भी हरियाणा सरकार ने मेहरबानी दिखाई है। हर महत्वपूर्ण चुनावों से पहले उसकी रिहाई को लेकर सवाल उठते रहे हैं। आपको बता दें कि राम रहीम की बार-बार होने वाली जेल से रिहाई के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में भी याचिका दायर की गई थी। हालांकि, देश की सर्वोच्च अदालत ने सुनवाई करने से इनकार कर दिया था। यह याचिका शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति ने दायर की थी जिसमें राम रहीम को बार-बार पैरोल दिए जाने के हरियाणा सरकार के फैसले पर आपत्ति जताई गई थी। सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ ने कहा था कि यह याचिका व्यापक जनहित के मुद्दे को संबोधित करने के बजाय सिर्फ एक शख्स के खिलाफ है। आपको बता दें कि एसजीपीसी ने इससे पहले पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट का भी रुख किया था।

ग्रेटर नोएडा टू गाजियाबाद के बीच नहीं मिलेगा जाम

ग्रेटर नोएडा एजेंसी। गाजियाबाद से ग्रेटर नोएडा वेस्ट तक सफर करने वालों के लिए अच्छी खबर है। एनएच नौ से शाहबेरी के बीच लगने वाले जाम को खत्म करने के लिए नए नाले पर सड़क बनाने की तैयारी है। पहले करीब दो किलोमीटर लंबा नाला बनाया जाएगा। इसके ऊपर ही सड़क का भी निर्माण किया जाएगा। इससे लोगों को राहत मिल सकेगी।

क्रॉसिंग रिपब्लिक में करीब 29 सोसाइटियां हैं, जिसमें एक लाख से अधिक लोग रहते हैं। एनएच नौ से क्रॉसिंग रिपब्लिक होते हुए ग्रेटर नोएडा को जोड़ने वाले शाहबेरी मार्ग की चौड़ाई कम है। इस कारण इस मार्ग पर हर वक्त जाम की समस्या झेलनी पड़ती है। सबसे अधिक जाम सुबह और शाम को लगता है।

इस समस्या को दूर करने के लिए अब नगर निगम ने एक योजना तैयार की है। इसके तहत नाले के ऊपर सड़क बनाई जाएगी। इससे एनएच नौ से शाहबेरी तक सड़क के 45 मीटर चौड़ी होने की उम्मीद है। ऐसे में क्रॉसिंग रिपब्लिक और ग्रेटर नोएडा वेस्ट में रहने वाले लोगों को सहूलियत मिलेगी। नगर निगम अधिकारियों के मुताबिक, इस मार्ग के बराबर में नाला बहता है, लेकिन फिर भी क्षेत्र में जलनिकासी की समस्या है। इसे दूर करने के लिए नाले का निर्माण किया जाएगा। साथ ही, इस नाले के ऊपर करीब दो किलोमीटर सड़क बनाई जाएगी, ताकि वाहन चल सकें और इस मार्ग पर लगने वाले जाम को दूर किया जा सके। अधिकारी बताते हैं कि ये प्रोजेक्ट तैयार कर शासन को भेजा गया है, जिसके बाद शासन स्तर पर दो बैठक भी हो चुकी है। आगामी बैठक में इस परियोजना को मंजूरी मिलने की उम्मीद है। इस प्रोजेक्ट पर 132 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इस मार्ग के बीच में 12 खंभे हैं। शहर विधायक संजीव शर्मा ने बताया कि वे जीडीए टीम के साथ अगले हफ्ते मौके का निरीक्षण करेंगे, जिसमें सड़क के बीच लगे खंभों को हटाने की योजना बनाई जाएगी। इन खंभो के हटने से जाम की समस्या काफी हद तक दूर होगी, फिर नाले के ऊपर सड़क का निर्माण से राहत मिलेगी। ग्रेटर नोएडा वेस्ट के एकमूर्ति चौक से राष्ट्रीय राजमार्ग नौ तक एलिवेटड रोड बनाने की योजना है। चार किलोमीटर लंबी और चार लेन की एलिवेटेड रोड शाहबेरी होते हुए बनाई जाएगी।

पुरानी संपत्तियों से भी वसूला जाएगा डेढ़ गुना हाउस टैक्स, साढ़े 4 लाख पर बढ़ेगा बोझ; गाजियाबाद निगम का फैसला

गाजियाबाद एजेंसी।
गाजियाबाद नगर निगम इस वित्त वर्ष से पुरानी संपत्तियों पर भी डीएम सर्किल रेट का डेढ़ गुना गृहकर वसूलेगा। इस संबंध में निगम ने शासन से सुझाव मांगे थे। शासन ने नगर आयुक्त को जवाब भेजकर अवगत कराया कि वह अपने स्तर से सर्किल रेट से कर निर्धारित कर सकते हैं। इस फैसले से करीब साढ़े चार लाख लोगों पर बोझ बढ़ेगा।

शहर में कुल छह लाख करदाता हैं। इनमें साढ़े चार लाख पुरानी और डेढ़ लाख नई संपत्तियां हैं। नई संपत्तियों पर पहले ही टैक्स बढ़ाया जा चुका है। नगर निगम ने वर्ष 2024 डीएम सर्किल रेट से गृहकर बढ़ाने का प्रस्ताव सदन की बैठक में रखा था। दो बार यह प्रस्ताव पास नहीं हुआ था। इसके बाद निगम ने प्रस्ताव शासन में भेज दिया था। साथ ही, नगर आयुक्त ने शासन से गृहकर बढ़ोतरी पर सुझाव मांगे थे। अब नगर विकास अनुभाग-9 के अनु सचिव मोहम्मद वासिफ ने जवाब भेजा है।

जवाब के अनुसार, नगर आयुक्त हर दो साल में एक बार भवन या भूमि की अवस्थिति, भवन निर्माण या डीएम द्वारा तय सर्किल रेट और ऐसे भवन या भूमि के लिए उस क्षेत्र में किराये की वर्तमान न्यूनतम दर से कर टैक्त तय कर सकते हैं। निगम ने इस वित्त वर्ष से पुरानी संपत्तियों पर डीएम सर्किल रेट का डेढ़ गुना गृहकर वसूलने की तैयारी कर ली है, क्योंकि निगम नई संपत्ति से डेढ़ गुना बढ़ाकर हाउस टैक्स वसूलने लगा है।

पूर्व एसएचओ सहित 12 पुलिसवालों पर एफआईआर, बीटेक छात्र के फर्जी एनकाउंटर का आरोप

नोएडा एजेंसी।
नोएडा में बीटेक के छात्र को फर्जी मुठभेड़ में गोली मारने के आरोप में कोर्ट के आदेश पर जेवर थाने के पूर्व एसएचओ समेत 12 पुलिसवालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। जेवर कोतवाली में दर्ज मुकदमे में पूर्व एसएचओ के साथ छह दरोगा और पांच कॉन्स्टेबल भी नामजद किए गए हैं। छात्र के पिता ने मुठभेड़ को फर्जी बताते हुए कोर्ट में शिकायत की थी।

मथुरा के कदम्ब विहार निवासी तरुण गौतम का आरोप है कि चार सितंबर 2022 को बिना नंबर की दो कार उनके घर पर आईं। कारों से उतरे लोगों ने उनसे बेटे सोमेश गौतम के बारे में पूछा। इस पर उन्होंने बताया कि वह कोटा राजस्थान से बीटेक कर रहा है और दिल्ली में तीन महीने के लिए कोचिंग के लिए गया है। यह बताने पर कारों से आए लोगों ने उसके साथ मारपीट की और जबरन कार में बैठाकर अपने साथ ले गए।

पीड़ित तरुण गौतम के अनुसार, देर रात वह उसे लेकर सोमेश के दिल्ली स्थित कमरे पर पहुंचे और वहां उससे मारपीट कर गाड़ी में डाल लिया। यह पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई। दिल्ली से लाने के बाद सोमेश को जेवर थाने में रखकर मारपीट की गई और करंट लगाया गया। फिर पुलिस ने 6 सितंबर 2022 की रात में मुठभेड़ दिखाते हुए सोमेश को गोली मारकर गिरफ्तार कर लिया और उससे एक बाइक और पिस्टल भी बरामद दिखा दी। उन्हें धमकी दी गई कि यदि किसी को कुछ बताया तो जान से मार देंगे।

बेटे के साथ मुठभेड़ के बाद उन्हें भी छोड़ने के लिए एक लाख रुपये मांगे गए। रुपये लेने के बाद ही उन्हें छोड़ा गया। बेटे पर बाद में गैंगस्टर ऐक्ट की धारा भी लगा दी गई। पिता का आरोप है कि बेटे की जमानत कराने और उसका इलाज कराने के बाद वह लगातार इस मामले में मुकदमा दर्ज कराने के लिए प्रयास करते रहे, लेकिन पुलिस ने मुकदमा दर्ज नहीं किया।

सीजेएम कोर्ट ने इस मामले में 14 फरवरी 2025 को मुकदमा दर्ज करने के आदेश दिए थे। कोर्ट ने आदेश में लिखा था कि विपक्षी लोकसेवक है। इसके चलते केस दर्ज करने से पहले पुलिस कमिश्नर से अनुमति प्राप्त करना अति आवश्यक है। कमिश्नर से अनुमति मिलने के बाद मंगलवार को इस मामले में मुकदमा दर्ज किया गया। पिता तरुण गौतम ने कोर्ट में छात्र को दिल्ली से पुलिस द्वारा पकड़कर हिरासत में लेने की सीसीटीवी फुटेज भी जमा कराई थी। नीमका गांव में एक सितंबर 2022 को हिस्ट्रीशीटर नागेश की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। नागेश को सुंदर भाटी गैंग का सदस्य बताया गया था। नागेश के भाई ने नीमका गांव निवासी चमन, देवराज, उमेश को नामजद कर कुल 12 आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कराया था। इसी हत्याकांड में सोमेश को भी आरोपी बताया गया था। पुलिस ने चमन, सोमेश गौतम, प्रवीण, दिलीप, जितेंद्र विजय विकास पर गैंगस्टर लगाया था।

जेवर के तत्कालीन थानाध्यक्ष अंजनि कुमार, सब-इंस्पेक्टर राकेश बाबू, सब-इंस्पेक्टर अनिरुद्ध यादव, सब-इंस्पेक्टर चांदवीर सिंह, सब-इंस्पेक्टर शरद यादव, सब-इंस्पेक्टर सन्नी कुमार, सब-इंस्पेक्टर नीलकांत और कॉन्स्टेबल सोहित कुमार, भूरी सिंह, जयप्रकाश, नौस कुमार और छीतर सिंह के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ है।

साद मियां खां, डीसीपी ग्रेटर नोएडा ने कहा, इस मामले में पुलिस कर्मियों पर केस दर्ज हुआ है। पूर्व में वादी की ओर से दिल्ली के कड़कड़डूमा कोर्ट में भी प्रार्थनापत्र दिया गया था, लेकिन वहां खारिज हो गया था। मुकदमे में नामजद कई पुलिस कर्मी इस समय जिले से बाहर हैं। सभी तथ्यों की जांच की जा रही है।

स्कूल ने नहीं दी एंट्री, गाजियाबाद जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे पैरेंट्स; बच्चों ने परिसर में ही शुरू की पढ़ाई

गाजियाबाद एजेंसी।
गाजियाबाद के वसुंधरा स्थित सेठ आनंद राम जयपुरिया स्कूल के खिलाफ अभिभावकों का प्रदर्शन जारी है। स्कूल बढ़ी हुई फीस नहीं देने पर 15-20 बच्चों को एंट्री नहीं दे रहा है। ऐसे में बुधवार को अभिभावक बच्चों को लेकर जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे। उन्होंने जिलाधिकारी से बच्चों को स्कूल में एंट्री दिए जाने की मांग की है। इस दौरान छात्रों ने कलेक्ट्रेट परिसर में ही पढ़ाई शुरू कर दी। बीते दो दिनों से अभिभावक स्कूल के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। मंगलवार को भी दो घंटे हंगामा चला लेकिन कोई समाधान नहीं निकला।

सेठ आनंद राम जयपुरिया स्कूल ने नया सत्र शुरू होने से पहले 108 बच्चों को नोटिस दिया था कि फीस न भरने पर नाम काटा जा सकता है। अभिभावकों का कहना था कि 2018-19 के बाद दाखिला लेने वाले इन बच्चों की मनमानी फीस बढ़ा दी गई, जो जिला शुल्क नियामक समिति की निर्धारित फीस से कहीं अधिक है। इसीलिए अभिभावक फीस नहीं दे रहे हैं। रविवार को जिलाधिकारी आवास पर प्रदर्शन किया और सोमवार को बच्चे स्कूल पहुंचे तो इन बच्चों को प्रवेश नहीं मिला।

अभिभावक अपर्णा शुक्ला का कहना है कि मंगलवार को भी स्कूल ने बच्चों को प्रवेश नहीं दिया। सुबह साढ़े सात बजे अभिभावक पहुंचे तब भी गेट नहीं खोला। इसीलिए 100 से अधिक अभिभावकों ने प्रदर्शन किया। इसी बीच स्कूल प्रबंधन ने चार अभिभावकों को बुलाकर कहा कि फीस उतनी ली जाएगी। गतिरोध चलता रहा। वहीं, स्कूल में प्रवेश न मिलने और दो दिन से चल रहे हंगामे को देख कई बच्चों की आंखे छलक पड़ीं।

जयपुरिया पैरेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अरुण कुमार का कहना है कि स्कूल प्रबंधन यूपी स्व-वित्तपोषित स्वतंत्र विद्यालय शुल्क निर्धारण अधिनियम 2018 की जिस धारा में फीस बढ़ा रहा है, उसी धारा में लिखा है कि यदि कोई शासनादेश आया हो तो उसके अनुरूप फीस बढ़ाई जा सकती है। इसके बाद भी डीएफआरसी का उल्लंघन किया जा रहा है।

तमिलनाडु में राज्यपाल पर गरमाई सियासत

चेन्नई, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि को राज्य विधानसभा में पारित 10 विधेयकों पर अपनी सहमति नहीं देने के लिए कड़ी फटकार लगाई है। अब राज्य में उन्हें हटाने और इस्तीफे की मांग तेज हो गई है। न्यायालय के फैसले को ऐतिहासिक बताया है। कांग्रेस, वीसीके, मरुमलार्ची द्रविड़ मुनेत्र कड़गम, वामपंथी दलों और अन्य सहयोगियों सहित सत्तारूढ़ द्रमुक के नेताओं ने राज्यपाल की कार्रवाई को माफ करने के एससी के फैसले की सराहना की। साथ ही, इस संबंध में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और द्रमुक अध्यक्ष एमके स्टालिन की ओर से उठाए गए कदमों की सराहना की। राजनीतिक पार्टियों ने कहा कि राज्यपाल को अब पद पर बने नहीं रहना चाहिए, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने फैसला दिया कि उनके समक्ष लंबित सभी विधेयकों को उनकी सहमति प्राप्त हो गई है। उन्होंने मांग की कि राज्यपाल को या तो वापस बुलाया जाए, पद से हटाया जाए या फिर उन्हें पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। पीएमके और अभिनेता विजय की टीवीके के नेताओं ने भी उच्चतम न्यायालय के आदेश की सराहना की। साथ ही, इसे राज्य की स्वायत्तता और संघवाद के लिए ऐतिहासिक जीत बताया है। द्रमुक कार्यकर्ताओं ने पटाखे फोड़कर और मिठाइयां बांटकर फैसले का जश्न मनाया।

25 हजार सैलरी, फिक्स टारगेट; दिल्ली के जनकपुरी में कॉल सेंटर से चलता था ठगी का कारोबार

फरीदाबाद एजेंसी।
फरीदाबाद के साइबर थाना सेंट्रल की पुलिस ने मंगलवार दोपहर दिल्ली के जनकपुरी स्थित एक किराए के फ्लैट में चल रहे फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ कर 11 युवतियों समेत 12 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से 15 मोबाइल फोन आदि बरामद हुए हैं। कॉल सेंटर बीते छह महीने से चलाया जा रहा था। पुलिस आरोपियों को रिमांड पर लेकर पूछताछ कर रही है।

पुलिस प्रवक्ता के अनुसार गिरफ्तार आरोपी दिल्ली दक्षिण-पश्चिम के निवासी बताए जाते हैं। इनकी पहचान साक्षी नेगी, दीपिका, बबीता, समरा, प्रिया मेहरा, कोमल, ज्योति भारती, अमिसा, सोनम कौर, परमीत कौर, नांगलोई के अब्दुल वाहिद और बिहार निवासी चंचल के रूप में हुई है। गिरफ्तार लोगों की फोटो फरीदाबाद पुलिस ने मुहैया कराई है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि मामले में मुख्य आरोपी और कॉल सेंटर संचालक बिहार के पूर्णिया निवासी खुशहाल उर्फ रौनक की तलाश की जा रही है। आरोपियों के पास से 15 मोबाइल फोन और 12 डिवाइस आदि बरामद किए गए हैं। पुलिस ने मंगलवार को आरोपियों को अदालत में पेश कर पूछताछ के लिए पांच दिन की रिमांड पर लिया है । मास्टर माइंड की गिरफ्तारी से और भी खुलासे होने की संभावना है। अधिकारियों ने बताया कि आरोपियों से बरामद मोबाइल फोन की जांच की जा रही है। साथ ही उनके बैंक खातों की डिटेल भी निकाली जा रही है। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि आरोपियों ने देशभर के करीब 105 लोगों से ठगी की है। सभी को क्रेडिट कार्ड की लिमिट आदि को बढ़ाने का झांसा देते थे और खाता हैक कर रकम निकाल लेते थे। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि बल्लभगढ़ स्थित श्याम कॉलोनी

निवासी एक व्यक्ति ने बीते दिन शिकायत दी थी। उन्होंने अपनी शिकायत में बताया था कि उनके मोबाइल फोन पर एक अनजान नंबर से कॉल आया। कॉल करने वाले अपने-आपको एक बैंक का कर्मचारी बताया। साथ ही क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने का झांसा दिया। साथ ही आरोपियों ने मोबाइल फोन पर भेजा गया ओपीटी नंबर पूछकर क्रेडिट कार्ड से दो बार में करीब 83 हजार रुपये निकाल लिए। शिकायत मिलने के बाद पुलिस मामला दर्जकर जांच शुरू कर दी थी।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में से सात ने स्नातक तक की पढ़ाई की है। बाकी दसवीं-बारहवीं पास हैं। मास्टरमाइंड खुशहाल गिरफ्तार सभी आरोपियों करीब 25 हजार मासिक वेतन देता था। इसके अलावा सभी को ठगी करने का टारगेट फिक्स था। एक को कम से कम तीन लोगों से ठगी करने का टारगेट दिया जाता था। फर्जी कॉल सेंटर का मास्टरमाइंड बिहार के पूर्णिया का खुशहाल उर्फ रौनक है। उसकी अनुपस्थिति में अब्दुल वाहिद और चंचल चलाता था। खुशहाल जनकपुरी में किराए पर फ्लैट लेकर मार्च-2024 से कॉल सेंटर चला रहा था। वह क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़वाने, हेल्थ इंश्योरेंस व क्रेडिट कार्ड के रिवार्ड्स पॉइंट्स आदि का झांसा देकर ठगी करता था।

गौरतलब है कि नौ मार्च को भी साइबर थाना की पुलिस ने दिल्ली में चल रहे एक फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ किया था। आठवीं पास नितेश कुमार ठाकुर दिल्ली के पीरागढ़ी में कॉल सेंटर चला रहा था। पुलिस ने मालिक और दो महिला समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया था। उनके पास से 14 मोबाइल फोन व अन्य सामान बरामद किए गए थे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सैयद अहमर हसनैन द्वारा ग्रुप 5 प्रकाशन , 55- बी, वजीर हसन रोड, लखनऊ से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक - सैयद अहमर हसनैन R.N.I.No-UPHIN/2008/27122 - Ph : 0522-4048974, Email : news@group5.in समाचार पत्र के समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

बिहार में आसमानी आफत! मधुबनी में बिजली गिरने से तीन की मौत, दरभंगा में भी गई जान, नवादा में 4 झुलसे

नवादा, एजेंसी। बिहार में अचानक मौसम ने करवट ली है और कई जिलों में बारिश और वज्रपात की सूचना है। बिहार में बदले मौसम ने जहां लोगों को गर्मी से राहत दी है तो वहीं कुछ जगहों पर बारिश और वज्रपात कहर बनकर भी इंसानों पर टूटा है। राज्य के अलग-अलग जिलों में कई हादसे हुए हैं। मधुबनी जिले में वज्रपात की वजह से तीन लोगों की मौत हो गई है। यहां बुधवार सुबह आकाशीय बिजली (ठनका) गिरने से तीन लोगों की मौत हो गई। जिसमें दो महिला और एक पुरुष शामिल है। दो अलग-अलग थाना क्षेत्र में घटना हुई। एक घटना झंझारपुर थाना क्षेत्र के पिपरौलिया पंचायत वार्ड 4 में हुई, जबकि दूसरी घटना रुद्रपुर थाना क्षेत्र के ननौर पंचायत स्थित अलपुरा गांव वार्ड 10 में हुई। दोनों ही घटना में आकाश में बादल देख लोग गोइठा एवं गेहूं की कटी फसल को ढकने के लिए गए थे। तभी आकाशीय बिजली के चपेट में आ गए। तत्काल ही उनकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार बारिश में अपने गोइथा को ढकने के लिए गई 47 वर्षीय महिला के शरीर पर ठनका गिर गया। तत्काल मौत हो गई। मृत महिला की पहचान वार्ड 4 निवासी रमन कुमार महतो की पत्नी दुर्गा देवी (47 वर्ष)के रूप में हुई है। दुर्गा देवी के पति रमन कुमार महतो दो दिन पूर्वी मजदूरी करने पंजाब गए हुए थे। मौत की सूचना मिलते ही वह वापसी का ट्रेन पकड़ रहे हैं। अररिया संग्राम थाना प्रभारी अरविंद कुमार ने बताया कि बॉडी पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। आपदा के तहत हुई मौत की जानकारी आपदा प्रबंधन पदाधिकारी को भी दी जा रही है। दूसरी घटना अंधराठाढ़ी प्रखंड के रुद्रपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ननौर पंचायत के अलपुरा गांव में घटित हुई। बुधवार की सुबह आकाश में बादल को देख घर से लगभग 300 मीटर दूर काटे गए गेहूं के बोझ को पॉलिथीन से ढकने के लिए दोनों पिता-पुत्री खेत गए थे। उनके साथ उनका पुत्र भी गया था। अचानक ठनका गिरी। जिसकी चपेट में पिता-पुत्री दोनों आ गए और दोनों की मौत वहीं पर हो गई। जबकि पुत्र बाल बाल बचे। वह दहशत में है। जानकारी मिलते ही गांव में कोहराम मच गया है। रुद्रपुर थानाध्यक्ष आयशा कुमारी ने बताया कि सूचना मिली है। पोस्टमार्टम के लिए तैयारी की जा रही है। आकाशीय बिजली से एक साथ हुई तीन मौत से दोनों पंचायत में मातम छाया हुआ है।

दरभंगा जिले में एक की मौत

इधर दरभंगा जिले के बिरौल थाना क्षेत्र के लदहो कटैया गांव में बुधवार को हुई मूसलाधार बारिश के दौरान वज्रपात से एक बुजुर्ग की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। मृतक स्व. लखन चौपाल के 68 वर्षीय पुत्र जवाहर चौपाल थे। बारिश के दौरान वह खेत थ्रेसरिंग हुई गेहूं लाने गए थे। इसी दौरान वज्रपात उसके शरीर पर ही गिर गया जिससे उसकी मौत घटनास्थल पर ही हो गयी। घटना करीब सुबह 7:45 बजे की बतायी जा रही है। इसकी जानकारी मिलते ही मृतक के परिजनों एवं गांव में कोहराम मच गया है। ग्रामीणों की सूचना पर सीओ आदित्य शंकर एवं थाने के पुलिस अधिकारी दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। मामले में कागजी प्रक्रिया की जा रही है।

नवादा में वज्रपात से 4 लोग झुलसे

वहीं नवादा जिले के वारिसलीगंज में वज्रपात की चपेट में आने से चार लोग झुलस गए हैं। थाना क्षेत्र के मिल्की गांव स्थित दो मंजिला मकान पर बुधवार की सुबह घटना हुई है। इसमें घर में रहे चार लोग गंभीर रूप से झुलस गए। घर का चार एंड्रॉयड मोबाइल फोन भी क्षतिग्रस्त हो गया है। पीएचसी में इलाज के बाद सभी चारों को सदर अस्पताल नवादा रेफर किया गया है।

निगम के राजस्व में 3 वर्षों में 86.2प्रतिशत की वृद्धि:निगम ने 16 हजार फ्लैट धारकों को संपत्ति कर के दायरे में लाया

पटना, एजेंसी। कई सालों से अपार्टमेंट के फ्लैट में रहने वाले लोगों से संपत्ति कर (होल्डिंग टैक्स) वसूलने में पटना नगर निगम विफल रहा है। लेकिन पहली बार 16000 फ्लैट (अपार्टमेंट) को भी नए संपत्ति करदाताओं के रूप में जोड़ा गया है। निगम के प्रयास से पुराने होल्डिंग टैक्स भुगतान करने वालों के साथ ही इस बार अपार्टमेंट को चिन्हित किया गया है, जिन्होंने कई साल से होल्डिंग टैक्स जमा नहीं किया है।

इसी का परिणाम है कि पटना नगर निगम के राजस्व में इस वर्ष बढ़ोत्तरी हुई है। तीन वर्षों के दौरान राजस्व में 86.2त्न की वृद्धि हुई है। पिछले वर्ष नगर निगम को कुल 132 करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ था, जबकि इस वर्ष 180 करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में नगर निगम ने संपत्ति कर (होल्डिंग टैक्स) और कचरा शुल्क सहित कई मदों से लगभग 180 करोड़ रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ है। नगर आयुक्त अनिमेष कुमार पराशर ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2021-22 से वित्तीय वर्ष 2024-25 में कुल राजस्व संग्रहण में बेहतर वृद्धि हुई है।

60 फीसदी ने किया ऑनलाइन भुगतान :

नगर निगम के सभी छह अंचलों से कुल करदाताओं में से 60 फीसदी करदाताओं ने संपत्ति कर का भुगतान ऑनलाइन किया है। वहीं, 40 फीसदी लोगों ने निगम के काउंटर पर नकद और चेक से किया है। नगर निगम द्वारा घर बैठे संपत्ति कर का भुगतान करने की सुविधाओं का शहरवासियों को लाभ हुआ है। आम जनों द्वारा ऑनलाइन में वाट्सएप चैटबॉट, क्यूआर कोड और नगर निगम के पोर्टल पर जाकर घर बैठे भुगतान किया है। नए वित्तीय वर्ष के शुरू के साथ ही आमजनों को संपत्ति करके भुगतान पर पांच प्रतिशत का छूट दिया जाएगा। यह सुविधा एक अप्रैल से लेकर 30 जून तक लागू होगी। पटना नगर निगम द्वारा वित्तीय वर्ष के शुरुआती तीन माह (अप्रैल, मई एवं जून) में 5त्न की छूट एवं मध्य के 3 महीने (जुलाई, अगस्त, सितंबर) न छूट न पेनल्टी एवं अंतिम 6 महीना (अक्टूबर से मार्च तक) में 1.5 प्रतिशत की पेनल्टी देनी होती है।

शेयर में निवेश और कम समय में ज्यादा मुनाफे का लालच, पटना में बंगाल की कंपनी ने कैसे करोड़ों का लगाया चूना

पटना, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की एलएफएस ब्रोकिंग कंपनी शेयर में निवेश के नाम पर 150 से अधिक लोगों के करोड़ों रुपये की ठगी कर फरार हो गई। बिहार की राजधानी पटना में पटना सिटी के गुरु गोविंद सिंह लिंक पथ में दफ्तर खोल धोखेबाजों ने राजधानी के विभिन्न भागों के लोगों को अपने जाल में फंसाया और करीब दस करोड़ की उगाही कर फरार हो गए। कंपनी कार्यालय बंद होने और संचालक के फरार होने की भनक लगते ही मंगलवार को पीड़ितों ने प्रदर्शन कर निवेश किया गया रुपये वापस दिलाने की मांग की। इस बाबत पीड़ितों ने मेहंदीगंज में शिकायत भी दर्ज करायी गयी है। पैसा डूबने की भनक लगते ही निवेश किए लोगों में आक्रोश व्याप्त हो गया। कंपनी में निवेश करने वालों में कई महिलाएं भी हैं, जिन्होंने कम समय में ज्यादा मुनाफा पाने के चक्कर में लाखों रुपए लगाया है। पीड़ित प्रमोद त्रिपाठी, विभा देवी, कौशल पांडेय, निशु देवी, स्वाति कुमारी,पूनम देवी, सोनी कुमारी, अनिल कुमार,जुली कुमारी, रजनी देवी स्नेहा कुमारी समेत कई लोगों ने बताया कि एलएफएस ब्रोकिंग कंपनी के लोगों ने एकमुश्त जमा रकम पर दो प्रतिशत मासिक ब्याज देने की बता कही थी और रकम जमा करने के बाद उन लोगों के खाते में रुपये भी आने लगा था। इधर अचानक से

एलएफएस ब्रोकिंग कंपनी का ऑफिस बंद हो गया और इसमें काम करने वाले लोग कुछ बताने से इनकार करने लगे। वहीं, कर्मचारी कंपनी रजिस्टर्ड होने की बात कह कर निवेशकों का भरोसा जीतते रहे। पीड़ितों ने कंपनी के मालिक को गिरफ्तार करने और रुपए वापस दिलाने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया।

मेहंदीगंज थाना में दर्ज शिकायत में कंपनी का संचालक पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के आरमबाग थाना क्षेत्र का रहने वाला सैयय जीयाजुर रहमान को आरोपित बनाया गया है। कंपनी पर कार्रवाई की मांग को लेकर आर्थिक अपराध इकाई में भी आवेदन सौंपा गया है। मेहंदीगंज पुलिस ने बताया कि पीड़ितों की शिकायत दर्ज कर मामले की छानबीन की जा रही है।

63 लाख उपभोक्ताओं को छूट का लाभ नहीं मिल रहा

1 अप्रैल से नया दर लागू नहीं: पुरानी दर पर बिल वसूल रही कंपनी

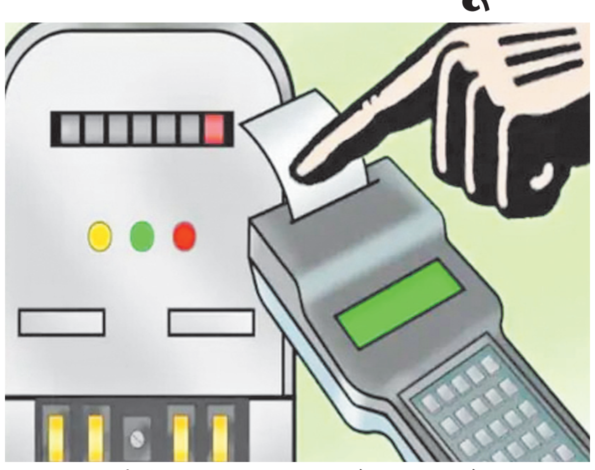

पटना, एजेंसी। राज्य के 63 लाख स्मार्ट प्रीपेड मीटर के उपभोक्ताओं को 25 पैसा प्रति यूनिट छूट का लाभ नहीं मिल रहा है। बिजली कंपनी ने एक अप्रैल से नया दर लागू नहीं किया है। पुराने दर पर ही कंपनी उपभोक्ताओं से बिल वसूली रही है। बिहार विद्युत विनियामक आयोग ने ग्रामीण क्षेत्र के टैरिफ को स्लैब एक करने का फैसला सुनाया था। इसका फायदा 50 यूनिट से अधिक खपत करने वाले उपभोक्ताओं को एक अप्रैल से मिलनी थी। ग्रामीण इलाकों में रहने वाले करीब 1.25 करोड़ उपभोक्ताओं का स्लैब एक होने से 54 पैसे प्रति यूनिट सस्ती बिजली होनी है। यदि ग्रामीण क्षेत्र में जो उपभोक्ता स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगा लिए है उनको 79 पैसे प्रति यूनिट बिजली सस्ती होगी। पिछले साल के बराबर अनुदान बरकरार रखने का दिया प्रस्ताव : बिहार स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी ने सरकार को पिछले साल के बराबर अनुदान की राशि देने का प्रस्ताव दिया है।

ताकि बिहार विद्युत विनियामक आयोग द्वारा कम किए जाने वाले दर का लाभ बिजली उपभोक्ताओं को मिल सके। बिजली कंपनी मुख्यालय के अधिकारियों के मुताबिक सरकार के द्वारा अनुदान की राशि को कैबिनेट से पारित कर जल्द घोषित होने की उम्मीद है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में उपभोक्ताओं को दर कम करने के लिए 15,343 करोड़ अनुदान दिया था।

अगले महीने के बिल में छूट का पैसा देगी कंपनी

बिजली कंपनी मुख्यालय के अधिकारियों के मुताबिक सरकार द्वारा अनुदान घोषित किए जाने के बाद दर कम होने की उम्मीद है। एक अप्रैल से 30 अप्रैल का बिल मई महीने में बिजली उपभोक्ताओं को मिलेगा। यदि सरकार पिछले साल के बराबर अनुदान घोषित करती है तो उपभोक्ताओं से लिए जाने वाले अधिक बिल को कंपनी के द्वारा बैलेंस के रूप में क्रेडिट किया जाएगा।

छह महीने में स्वीकृत करा लें अपने मीटर का लोड

पोस्टपेड मीटर को हटाकर प्रीपेड मीटर लगाए जाने के दिन से छह महीने से स्वीकृत भार से अधिक खपत करने पर जुर्माना नहीं देना होगा। जिनके परिसर में छह महीने पहले स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगा है। उनको स्वीकृत लोड से अधिक खपत करने में जुर्माना देना होगा।

ऑटो से छात्रों को स्कूल ले जाने की मिली इजाजत चालकों को रखना होगा एक बात का ध्यान

पटना , एजेंसी। पटना में स्कूली छात्रों और उनके अभिभावकों को बड़ी राहत मिली है। अब सुरक्षा के मानकों को पूरा करने के बाद ऑटो चालक बच्चों को स्कूल ला और ले जा सकेंगे। हालांकि ई-रिक्शा से बच्चों को स्कूल ले जाने पर प्रतिबंध जारी रहेगा। एडीजी ट्रैफिक के साथ ऑटो संघ की वार्ता में मंगलवार को यह निर्णय लिया गया। ट्रैफिक एसपी अपराजित लोहान ने बताया कि ऑटो संघ की मांग और अभिभावकों की परेशानी को देखते हुए यातायात पुलिस ने लचीला रुख अपनाते हुए यह निर्णय लिया है। ऑटो चालकों को चरणबद्ध तरीके से बदलाव करने के निर्देश दिये गए हैं। हादसों के मद्देनजर पुलिस मुख्यालय ने एक अप्रैल से ऑटो और ई-रिक्शा से स्कूली बच्चों को लाने और ले जाने पर प्रतिबंध लगा दिया था। इससे जहां ऑटो चालकों में गुस्सा था, वहीं अभिभावक भी परेशान थे। दरअसल, पटना में काफी बच्चे ऑटो और ई-रिक्शा से स्कूल आते-जाते हैं। ऑटो चालकों के विरोध को देखते हुए यातायात पुलिस ने ऑटो संघ के साथ बैठक की थी। इसमें यातायात पुलिस अधिकारियों ने चालकों को राहत देते हुए नौ अप्रैल तक कोई कार्रवाई नहीं करने की बात कही थी।

एक जून तक ऑटो में जीपीएस सिस्टम लगाने होंगे

मंगलवार को ऑटो संघ की एडीजी ट्रैफिक सुधांशु कुमार के साथ वार्ता हुई। बैठक में तय सुरक्षा नियमों का पालन करने वाले ऑटो को बच्चों को ढोने पर सहमति बनी। हालांकि ई-रिक्शा पर बच्चों को लाने ले जाने पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा। ऑटो में सुरक्षा मानक को लेकर समय तय

कर दिया गया है। स्कूल बच्चों को ढोने के लिए एक मई तक ऑटो मालिकों को वाहन का गेट एक तरफ से बंद करना होगा, क्षमता से ज्यादा बच्चे नहीं बिठाने होंगे और वाहन पर आन स्कूल ड्यूटी लिखाना अनिवार्य होगा। वहीं एक जून तक उन ऑटो में जीपीएस सिस्टम, स्पीडो मीटर आदि की व्यवस्था भी करनी होगी।

मलयपुर में ई-रिक्शा पेड़ से टकराई :सीआईएसएफ जवान समेत 5 लोग घायल, एक की हालत नाजुक

जमुई, एजेंसी। जमुई में मंगलवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में सीआईएसएफ जवान जितेंद्र प्रसाद समेत पांच लोग घायल हो गए। हादसा उस वक्त हुआ, जब एक ई-रिक्शा पतोना मोड़ पर नियंत्रण खो बैठी और सड़क किनारे खड़े एक पेड़ से जा टकराई। यह हादसा मलयपुर थाना क्षेत्र में हुई। घायलों में सीआईएसएफ जवान जितेंद्र प्रसाद के अलावा उनके छोटे भाई शैलेंद्र प्रसाद और मां भी शामिल हैं। स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को महिसौडी चौक स्थित एक निजी क्लीनिक में भर्ती कराया गया, जहां जवान की हालत गंभीर बताई जा रही है। घायल शैलेंद्र प्रसाद ने बताया कि वे सभी बरहट प्रखंड क्षेत्र में स्थित अपनी नानी के घर से लौट रहे थे। पतोना मोड़ पर तीखे मोड़ के कारण चालक का संतुलन बिगड़ गया और ई-रिक्शा सीधे पेड़ से जा भिड़ी। हादसे में दो लोगों की हालत चिंताजनक बताई जा रही है, जिनकी पहचान नहीं हो सकी है। घटना की सूचना मिलते ही मलयपुर थाना अध्यक्ष विकास कुमार सिंह अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि सभी घायलों को तत्काल इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। मामले की जांच की जा रही है।

जेपी सेतु से गांधी सेतु के बीच होगा आयोजन

पटना, एजेंसी। इंडियन एयरफोर्स की सूर्य किरण एरोबेटिक टीम पहली बार पटना के जेपी गंगा पथ के समीप 22 और 23 अप्रैल को दोपहर में (10:15 बजे से 12:15 बजे तक) एरोबेटिक प्रदर्शन करेगी। जेपी सेतु से गांधी सेतु के बीच आसमान में करतब दिखाएगी। कैबिनेट विभाग के अपर मुख्य सचिव डा. एस सिद्धार्थ ने कहा कि सूर्य किरण एरोबेटिक टीम 22 अप्रैल को रिहर्सल करेगी जो स्कूलों और कॉलेजों के विद्यार्थियों के लिए समर्पित रहेगा। टीम के 9 अत्याधुनिक हॉक-132 विमान पटना के आकाश में अद्भुत एरोबेटिक करतबों का प्रदर्शन करेंगे। इसका उद्देश्य युवाओं में भारतीय वायुसेना के प्रति रुचि, गर्व और करियर के अवसरों की जानकारी देना है। वीर कुंवर सिंह जयन्ती के उपलक्ष्य में होगा आयोजन : कैबिनेट विभाग के अपर मुख्य सचिव ने बताया कि 23 अप्रैल को बाबू वीर कुंवर सिंह जयन्ती के उपलक्ष्य में यह आयोजन किया जा रहा है, जिसे पूरे बिहार में शौर्य दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर सूर्य किरण टीम उनके शौर्य और बलिदान को नमन करते हुए, राष्ट्रगान, विशेष फ्लाईपास्ट और सामूहिक हवाई प्रदर्शन के माध्यम से बिहार के गौरव को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगी।

बिहार के पहले एक्सप्रेस वे पर लगा ग्रहण, वन विभाग ने जता दी बड़ी आपत्ति

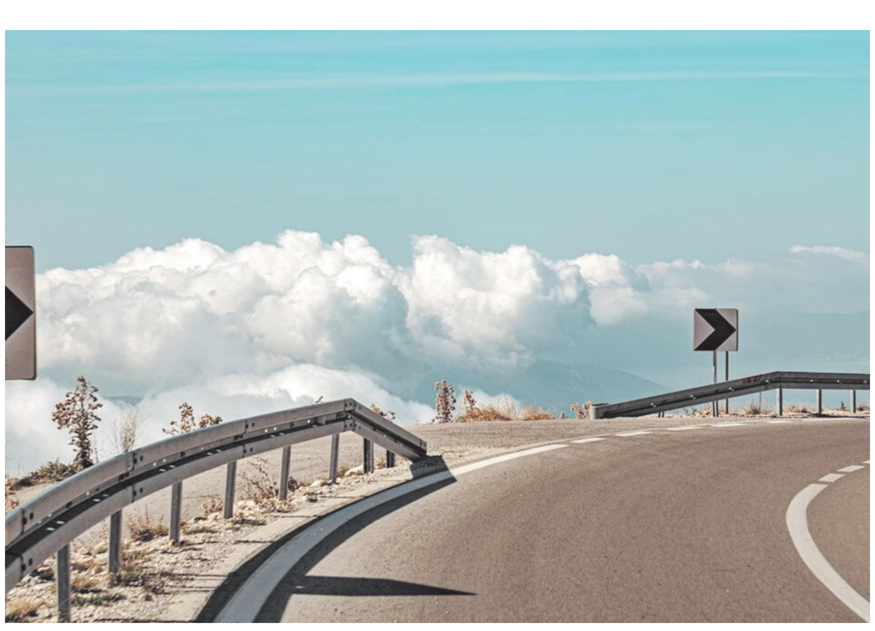

डिजाइन बदलने की नौबत

पटना, एजेंसी। बिहार के पहले एक्सप्रेस वे वाराणसी-कोलकाता के निर्माण में अब टनल निर्माण का मामला फंस गया है। वन विभाग की आपत्ति के बाद इस एक्सप्रेस वे के दो पैकेज (संख्या-चार व पांच) का नए सिरे से एलाइनमेंट बनाने की नौबत आ गई है। नए सिरे से जमीन अधिग्रहण करना होगा। सोन नदी पर प्रस्तावित पुल के लिए भी नई जगह का चयन करना होगा। इस परिस्थिति में इस छह लेन एक्सप्रेस वे का निर्माण देर से होना तय है। बिहार को उत्तरप्रदेश, झारखंड और बंगाल से जोड़ने वाला यह एक्सप्रेस वे 61वें एनएच के रूप में अधिसूचित है। इसका निर्माण बिहार में सात पैकेज के तहत होना है।

पैकेज एक के पांच किलोमीटर को मिलाकर बिहार में इसकी कुल लंबाई 161 किलोमीटर है। पैकेज एक का निर्माण चल रहा है। दो व तीन का टेंडर हो चुका है लेकिन आम लोगों द्वारा जमीन अधिग्रहण की राशि अधिक मांगे जाने के कारण निर्माण कार्य बाधित है। पैकेज छह व सात का भी टेंडर हो चुका है। मूल समस्या रोहतास जिले में स्थित पैकेज चार व पांच को लेकर हो रही है। पैकेज चार में टनल का निर्माण होना है। लेकिन वन विभाग ने टनल बनाने के लिए ब्लास्ट करने की अनुमति नहीं दी और टीबीएम से टनल बनाने का सुझाव दे दिया। लेकिन टीबीएम (टनल बोरिंग मशीन) से टनल बनाने में दो-तीन गुना अधिक पैसा खर्च होगा। अधिक राशि खर्च होने को लेकर एनएचएआई ने आपत्ति जाहिर कर दी है। इस परिस्थिति में सड़क एवं परिवहन राजमार्ग मंत्रालय ने डिजाइन में संशोधन कर नए सिरे से एलाइनमेंट बनाने को कहा है। एलाइनमेंट बदले जाने पर इस एक्सप्रेस वे की लंबाई 40-50 किमी और बढ़ जाएगी। एलाइनमेंट में बदलाव के बाद पैकेज पांच में सोन नदी पर बनने वाले पुल का भी स्थान बदल जाएगा। पुराने डिजाइन में तिलौथू के समीप पुल बनना था। हालांकि राज्य सरकार की कोशिश है कि पुराने डिजाईन पर ही एक्सप्रेस वे का निर्माण हो। गौरतलब है कि उत्तरप्रदेश के वाराणसी के रेवासा गांव के निकट एनएच 19 से यह सड़क शुरू होकर चंदौली होते हुए बिहार के चांद में प्रवेश करेगी। चैनपुर, रामपुर, तिलौथू, कुटुम्बा, इमामगंज, संग्रामपुर होते हुए झारखंड के हंटरगंज में प्रवेश करेगी। चतरा, पत्थलगढ़ा, सेमरिया, चुरचू, पेटरवार, कसमार, जयपुर, पुरुलिया, पुंछा, तलडंगरा, गहरबेटा, घाटल होते हुए पश्चिम बंगाल में बगनान के निकट एनएच 16 पर जाकर यह सड़क समाप्त होगी। इस एक्सप्रेस वे के बनने से वाराणसी से कोलकाता की दूरी 14 घंटे के बदले मात्र सात घंटे में पूरी की जा सकेगी। यूपी, झारखंड व पश्चिम बंगाल के बीच बिहार से व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। विशेषकर हल्दिया बंदरगाह तक मालों की आवाजाही आसान होगी। 18 शहरों से गुजरने वाले इस एक्सप्रेस-वे के निर्माण पर 35 हजार 228 करोड़ खर्च होने का अनुमान है।

फर्जी निकली किंग में दीपिका के होने की खबर

- सिद्धार्थ की ट्वीट के बाद आया चौंकाने वाला अपडेट

पिछले करीब तीन दिनों से ऐसे दावे किए जा रहे हैं कि शाहरुख खान की आगामी फिल्म किंग में दीपिका पादुकोण की एंट्री हो गई है। फैंस इसे लेकर खुशी मनाने लगे। मगर, अब जो जानकारी आई है वो ये है कि खबर एकदम फर्जी है। शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण की जोड़ी परदे पर हमेशा कमाल करती है। फैंस के लिए तो यह मानो ट्रीट होती है, वहीं दीपिका के साथ शाहरुख की जोड़ी हो तो बॉक्स ऑफिस पर भी सफलता पक्की सी हो जाती है। किंग खान इन दिनों फिल्म किंग को लेकर चर्चा में हैं, जिसके जरिए उनकी बिटिया सुहाना बड़े परदे पर डेब्यू कर रही हैं। पिछले कुछ दिनों से मीडिया रिपोर्ट्स में दावे किए जा रहे हैं कि किंग में दीपिका पादुकोण भी नजर आएंगी। फैंस इस खबर पर खुशियां मनाने लगे। मगर, सच्चाई ये है कि किंग में दीपिका का मौजूदगी की खबर एकदम फर्जी है।

सिद्धार्थ के ट्वीट से साफ हुई तस्वीर

बहुप्रतीक्षित फिल्म किंग में दीपिका के किरदार को लेकर भी पक्के दावे किए जाने लगे। कहा गया कि वे सुहाना खान की मां की भूमिका में दिखाई देंगी। मगर, इस फिल्म के निर्देशक सिद्धार्थ आनंद ने खुद इन खबरों का खंडन अपने एक ट्वीट से कर दिया है। एक ट्वीट उन्होंने कल सोमवार को साझा किया था। और अब आज मंगलवार 08 अप्रैल को भी एक ट्वीट किया है। इसमें उन्होंने ज्यादा कुछ नहीं लिखा। सिर्फ यही लिखा है, खबर गलत है। इसी से साफ है कि उनका संदर्भ फिल्म किंग में दीपिका की मौजूदगी को लेकर है।

क्या परेश रावल ने बता दी ... 'हेरा फेरी 3' की रिलीज डेट?

परेश रावल का एक पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस पोस्ट में उन्होंने एक प्रशंसक के सवाल का जवाब दिया, जिससे लोग अटकलें लगाने लगे की अभिनेता ने 'हेरा फेरी 3' की रिलीज डेट को लेकर हिंट दिया है। 'हेरा फेरी फ्रेंचाइजी' की तीसरी किस्त आखिरकार अपने मूल कलाकारों अक्षय कुमार, परेश रावल और सुनील शेट्टी के साथ आ रही है। कहा जा रहा है कि प्रियदर्शन, जिन्होंने इसकी पहली किस्त का निर्देशन किया था। वह भी इससे वापसी कर रहे हैं। हर कोई इसका बेसब्री के साथ इंतजार कर रहा है। हाल ही में परेश रावल ने एक पोस्ट के जवाब में फिल्म से जुड़ा एक बड़ा और महत्वपूर्ण हिंट दिया है। हाल ही में अभिनेता परेश रावल ने अंदाज अपना-अपना फिल्म के री-रिलीज का ट्रेलर शेयर किया। पोस्ट पर रिप्लाई करते हुए एक फैन ने लिखा, हम बाबू भाई मिस्टर तेजा का इंतजार कर रहे हैं। इस पर रावल ने जवाब दिया, जल्द ही ! अगले मानसून से पहले ! परेश रावल के जवाब से नेटिजन्स ने अटकलें लगानी शुरू कर दी कि क्या उन्होंने 'हेरा फेरी 3' को लेकर अपडेट दी है? नेटिजन्स ने इस पर प्रतिक्रिया भी देनी शुरू कर दी है। वह मजेदार पोस्ट भी सोशल मीडिया पर साझा कर रहे हैं।

नोरा को छोटे प्रशंसकों ने प्यार से किया सराबोर

नोरा फतेही सिर्फ एक ग्लोबल स्टार नहीं हैं जो अपनी अंतरराष्ट्रीय हिट स्नेक के साथ म्यूजिक चार्ट्स पर राज कर रही हैं, बल्कि वह अपने सबसे छोटे प्रशंसकों का दिल भी जीत रही हैं ! दिल को छू लेने वाला एक वीडियो जो अब वायरल हो रहा है। उसमें छोटे प्रशंसकों की एक समूह ने नोरा को घेर लिया और ढेर सारा प्यार दिया, जिसमें एक प्यारे बच्चे ने उन्हें अपने स्नेह के प्रतीक के रूप में ब्रेसलेट भी गिफ्ट किया है। यह पल गर्मजोशी से भरा हुआ था क्योंकि नोरा ने बच्चों के साथ बातचीत की, जो उनकी प्यारी ऊर्जा और वास्तविक उत्तेजना से स्पष्ट रूप से प्रभावित थे। हंसी, गले लगाना और स्नेक के लिए मासूम सराहना करते हुए, बच्चों की प्रतिक्रियाएं यह याद दिलाने वाली थीं कि नोरा का प्रभाव पीढ़ियों तक गहरी छाप छोड़ता है। नोरा फतेही ने इस अविस्मरणीय याद को साझा करने के लिए अपने सोशल मीडिया का सहारा लिया, और कैप्शन में लिखा ओएमजी मैं सचमुच रो रही हूँ, उनमें से एक ने मुझे एक ब्रेसलेट दिया और उन्हें स्नेक बहुत पसंद आया ! कितना प्यारा पल था... इन खूबसूरत बच्चों ने मेरा साल बना दिया। उनका प्यार और ऊर्जा मुझे जीवन दे रही है ! वैश्विक मंचों से लेकर असल जीवन के प्रशंसक प्यार तक, नोरा यह साबित करती जा रही हैं कि उनका दर्शकों से जुड़ाव गहरा है। यह वीडियो सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से साझा किया गया है, जिसमें प्रशंसक उनकी दयालुता की सराहना कर रहे हैं और इस पल को प्योर हैप्पीनेस कह रहे हैं। नोरा फतेही को कोई नहीं रोक सकता। बॉलीवुड दर्शकों को लुभाने से लेकर ग्लोबली ध्यान आकर्षित करने तक, वह अपने परफॉर्मेंस से इंडस्ट्री में छाई हुई हैं। हाल ही में उनकी उपस्थिति ने प्रतिष्ठित वैनिटी फेयर ऑस्कर आफ्टर-पार्टी में लोगों का ध्यान खींचा और सुर्खियाँ बटोरीं, जिससे वह हॉलीवुड की टॉप अभिनेत्रियों में शामिल हो गईं।

प्रियंका ने पति निक जोनस को बताया शानदार कलाकार

अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा और निक जोनस ऐसे कपल हैं, जो एक-दूसरे पर प्यार लुटाने और एक-दूसरे की तारीफ करने का कोई मौका नहीं छोड़ते। अब एक बार फिर प्रियंका ने अपने पति निक जोनस की तारीफ की है और उन्हें एक शानदार कलाकार बताया है। प्रियंका निक जोनस के साथ न्यूयॉर्क में 'द लास्ट फाइव इयर्स' के ब्रॉडवे डेब्यू में शामिल हुईं। इस समारोह की कई तस्वीरें अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर साझा की हैं। साथ ही शो के लिए पति निक की तारीफ भी की है।

प्रियंका ने अपने इंस्टाग्राम पर समारोह से जुड़ी कई तस्वीरें साझा की हैं। इन तस्वीरों में प्रियंका पति निक जोनस और शो की मुख्य अभिनेत्री एड्रिएन वॉरेन के साथ पोज दे रही हैं। इस दौरान प्रियंका ने पति निक पर प्यार भी लुटाया और उन्हें किस करते हुए भी एक फोटो साझा की है। इस पोस्ट को साझा करते हुए प्रियंका ने कैप्शन में लिखा, ब्रॉडवे पर 'द लास्ट फाइव ईयर्स' की ओपनिंग नाइट। वाकई शानदार कलाकारी। बधाई हो निक जोनस और शो की पूरी टीम व क्रू को।

बेटी मालती ने पापा के लिए बनाया पोस्टर

अपनी इस पोस्ट में प्रियंका ने बेटी मालती की एक प्यारी सी तस्वीर भी साझा की, जिसने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। इस तस्वीर में मालती एक पोस्टर बना रही हैं। जो उन्होंने अपने पिता निक जोनस को बधाई देने के लिए बनाया है। प्रियंका ने निक के लिए कार्ड बनाती मालती की ये तस्वीर भी शेयर की। दिल को छू लेने वाली यह तस्वीर कपल की शाम की तस्वीरों में शामिल हो गई और लोगों का दिल जीत रही है। प्रियंका की इस पोस्ट पर निक जोनस ने भी प्रतिक्रिया दी है। निक ने कमेंट सेक्शन में दिल वाला इमोजी बनाकर इस पोस्ट पर प्रतिक्रिया दी है।

सैफ पर हमला मामले में पुलिस ने दाखिल की 1000 पन्नों की चार्जशीट

बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान पर चाकू से हुए हमले की घटना मामले में पुलिस को आरोपी के खिलाफ अहम सबूत मिले हैं। एक्टर पर इस साल जनवरी में उनके मुंबई के बांद्रा स्थित घर में एक हमलावर ने चाकू से वार किए। इस मामले में पुलिस को आरोपी शरीफुल इस्लाम के खिलाफ अहम सबूत मिले हैं। पुलिस ने 1000 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की है। मुंबई की बांद्रा पुलिस ने इस मामले में बांद्रा कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की है। इस चार्जशीट में गिरफ्तार आरोपी शरीफुल इस्लाम के खिलाफ पुलिस को मिले कई सबूत शामिल हैं। यह चार्जशीट 1000 पन्नों से भी अधिक की है। इस चार्जशीट में फॉरेंसिक लैब की रिपोर्ट का भी जिक्र किया गया है।

क्राइम सीन से मिले अहम सबूत

मुंबई पुलिस के मुताबिक, चार्जशीट में बताया गया है कि क्राइम सीन पर सैफ अली खान के शरीर से और आरोपी के शरीर से मिले चाकू के टुकड़े एक ही चाकू के तीन टुकड़े हैं। साथ ही जांच के दौरान पुलिस को मिले आरोपी के बाएं हाथ के फिंगरप्रिंट रिपोर्ट का भी जिक्र किया गया है।

जनवरी में हुआ था हमला

आरोपी शरीफ को जनवरी में अभिनेता सैफ अली खान के बांद्रा स्थित घर में घुसकर कथित तौर पर चाकू घोंपने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने अदालत को बताया कि हमले के दौरान अभिनेता की रीढ़ के पास फंसा चाकू का टुकड़ा तथा घटनास्थल पर मिला एक हिस्सा शरीफ-उल से बरामद हथियार से मेल खाता है। बता दें कि चाकू से हमले की घटना के बाद सैफ लीलावती अस्पताल में उपचार के लिए पहुंचे। वहां उनकी सर्जरी हुई।

हिंदी फिल्म में फवाद खान के कमबैक विवाद पर मावरा ने तोड़ी चुप्पी

पाकिस्तानी अभिनेता फवाद खान जल्द अबीर गुलाल में नजर आएंगे। भारतीय फिल्म में फवाद की मौजूदगी का विरोध हो रहा है। इस पर पाकिस्तानी अदाकारा मावरा हुसैन ने प्रतिक्रिया दी है।

पाकिस्तानी कलाकारों की भारतीय फिल्मों में वापसी को लेकर इन दिनों विवाद चल रहा है। यह विवाद फिल्म अबीर गुलाल का टीजर रिलीज होने के बाद शुरू हुआ, जिसमें पाकिस्तानी एक्टर फवाद खान और वाणी कपूर अहम रोल में हैं। कुछ जगह फिल्म का विरोध किया जा रहा है और इसकी रिलीज को बैन करने की बात कही जा रही है। फवाद खान और पाकिस्तानी कलाकारों की बॉलीवुड में वापसी पर चल रहे विवाद पर पाकिस्तानी अभिनेत्री मावरा हुसैन ने प्रतिक्रिया दी है।

कहा- मैं विरोध को पर्सनली नहीं लेती

फिल्म अबीर गुलाल की रिलीज के एलान के बाद से ही राज ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी मनसे भारत में इसकी रिलीज का विरोध कर रही है। वजह है इस फिल्म में पाकिस्तानी अभिनेता फवाद खान का होना। उनका कहना है कि वे इस फिल्म की रिलीज का विरोध करेंगे। एक इंटरव्यू में मावरा ने भारतीय फिल्मों में पाकिस्तानी कलाकारों के काम करने को लेकर हो रहे विरोध पर अपने विचार रखे हैं। उन्होंने कहा कि वे इस विरोध को निजी रूप से नहीं लेती हैं।

यह निर्माताओं का सिरदर्द है

मावरा हुसैन को हर्षवर्धन राणे अभिनीत फिल्म सनम तेरी कसम के लिए खासतौर से जाना जाता है। हाल ही में इस फिल्म की जब सिनेमाघरों में दोबारा रिलीज किया गया, तो इसने जमकर कमाई की। मावरा ने कहा, मैं इसे निजी रूप से नहीं लेती हूं। दुनिया इसी

तरह काम करती है, है न?

मुझे सच में यकीन है कि अगर कुछ होना है, तो वह होगा। मैं अपने काम के आसपास होने वाले शोर को रोकती हूं। मुझे जो पसंद है, उसे करती हूं। इसलिए, इन चीजों का मुझ पर असर नहीं होता। दरअसल, हकीकत में यह प्रोड्यूसर का सिरदर्द है। दुखद है, लेकिन यह उनकी समस्या है।

देश में अशिक्षा है सबसे बड़ा सामाजिक मुद्दाः संजना सांघी

संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) की यूथ चैंपियन अभिनेत्री संजना सांघी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करते हुए शिक्षा के महत्व को रेखांकित किया। अभिनेत्री का मानना है कि अशिक्षा ही हमारे देश में सबसे बड़ा सामाजिक मुद्दा है। उन्होंने अपने अंतरराष्ट्रीय काम के अनुभव पर भी बात की। संजना ने बताया कि उन्हें किस बात ने प्रेरित किया। सांघी ने कहा, मुझे याद है कि मैंने एम्मा वाटसन को यूएन में बोलते हुए देखा था और मेरे पर वहीं से प्रभाव पड़ा। बच्चों को पढ़ाने से मुझे उनसे जुड़ाव का एहसास हुआ। आखिरकार, मैंने वॉलंटियर्स को सलाह देना शुरू कर दिया और उस पहल को आगे बढ़ाया। मेरा सपना एक ऐसे संगठन के निर्माण करने का है, जहां हमारे देश में कोई भी अशिक्षित न हो, मुझे लगता है कि शिक्षा की कमी हमारे देश में सबसे बड़ा सामाजिक मुद्दा है। सांघी का मानना ??है कि शिक्षा से जेंडर और वेतन असमानता तथा स्वास्थ्य जागरूकता की कमी जैसे कई मुद्दों का समाधान हो सकता है। संजना ने आगे कहा, शिक्षा की कमी हमारे सामने आने वाले बड़े मुद्दों की जड़ है। इसे हल करें और आप लिंग और वेतन असमानता, मासिक धर्म स्वास्थ्य जागरूकता, महिला अधिकार जैसे विषयों पर खुलकर बात कर सकेंगे। दुर्भाग्य से लॉकडाउन में अध्ययनों से पता चलता है कि 10 मिलियन लड़कियों को स्कूल छोड़ने और घर में रहने के लिए मजबूर किया गया। वहीं, लड़कों की संख्या एक मिलियन से कम थी। शुरुआती सफलता और चुनौतियों से निपटने के बारे में उन्होंने बताया, ओम का बॉक्स ऑफिस पर सकारात्मक प्रदर्शन न करने से मुझे एहसास हुआ कि प्रक्रिया ही पुरस्कार है। उन्होंने आगे बताया, मुझे याद है कि मैंने शुक्रवार को रिलीज के जश्न के लिए अपने सभी दोस्तों को बुलाया था, क्योंकि यह एक ऐसी यात्रा थी, जिसका मैंने बहुत आनंद लिया और यह मेरे लिए एक अनुभव के रूप में एक मजेदार यात्रा थी।

साभार एजेंसी

सिंगापुर के स्कूल में आग लग जाने से 10 वर्षीय बच्ची की मौत, पवन कल्याण का बेटा घायल

» सिंगापुर, भाषा।

सिंगापुर के एक स्कूल में मंगलवार को आग लगने से 10 साल की एक बच्ची की मौत हो गई, वहीं आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण के बेटे मार्क शंकर समेत 20 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि 23 से 55 साल तक की आयु के छह वयस्कों और छह से 10 वर्ष की उम्र के 16 बच्चों को रिवर वैली रोड स्थित तीन मंजिला इमारत से बचाया गया जिनमें पवन कल्याण के बेटे भी शामिल हैं। पुलिस के अनुसार एक लड़की की बाद में अस्पताल में मौत हो गई। पवन कल्याण ने मंगलवार को हैदराबाद में संवाददाताओं को बताया कि वह अपने सात वर्षीय बेटे से मिलने के लिए सिंगापुर रवाना हो रहे हैं। मार्क का सिंगापुर के एक अस्पताल में इलाज चल रहा है। कल्याण ने कहा, घटना सिंगापुर में एक समर कैंप के दौरान हुई, जहां आग लग गई। घटना में कई बच्चे घायल हो गए। (घटना में) एक बच्चे की मौत हो गई। मेरे बेटे के हाथ और पैर झुलस गए हैं। उसे ब्रोंकोस्कोपी करानी होगी।

धुएं के कारण होने वाले नुकसान लंबे समय तक बने रहेंगे। जनसेना प्रमुख ने कहा कि उन्होंने अब तक अपने बेटे से बात नहीं की है, उन्होंने कहा कि उन्हें बताया गया है कि शंकर की हालत चिंताजनक नहीं है। कल्याण आदवी तल्ली बाटा (आदिवासी उत्थान कार्यक्रम) अभियान के लिए अराकू घाटी में थे, जब उनकी पत्नी और स्कूल अधिकारियों ने उन्हें इस घटना के बारे में बताया। इसके बाद उपमुख्यमंत्री ने सिंगापुर रवाना होने के लिए अपना कार्यक्रम बीच में छोड़ दिया। कल्याण ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उनसे फोन पर बात की और भारतीय उच्चायोग के माध्यम से सहायता की पेशकश की। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने सिंगापुर के एक स्कूल में आग लगने की घटना पर चिंता व्यक्त की। नायडू ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मैं भगवान से शंकर के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। उनका सिंगापुर के एक अस्पताल में इलाज हो रहा है। वाईएसआरसीपी प्रमुख वाई एस जगन मोहन रेड्डी ने भी घटना पर दुख व्यक्त किया। सिंगापुर में अधिकारियों ने बताया कि सिंगापुर के सेंट्रल बिजनेस डिस्ट्रिक्ट (सीबीडी) के पास स्थित इमारत में आग लग गई जहां एक कुकिंग स्कूल, एक थिएटर ग्रुप और बच्चों के लिए रोबोटिक्स संस्थान समेत कई केंद्र हैं। पवन कल्याण की जनसेना पार्टी ने विजयवाड़ा में जारी एक बयान में कहा कि स्कूल में आग लगने से उपमुख्यमंत्री का छोटा बेटा मार्क शंकर झुलस गया। जनसेना पार्टी के अनुसार, इस घटना के कारण मार्क के हाथ एवं पैर झुलस गए हैं और धुएं के कारण उसके फेफड़े भी प्रभावित हुए हैं। उसका सिंगापुर के एक अस्पताल में इलाज हो रहा है। पार्टी ने कहा कि कल्याण पूर्व निर्धारित कामकाज को पूरा करने के बाद सिंगापुर जाएंगे। चैनल न्यूज एशिया ने आंध्र प्रदेश के गृह मंत्री के षणमुगम के हवाले से बताया कि सीबीडी के बाहरी इलाके में स्थित इमारत में आग लगने से 10 वर्षीय लड़की की मौत हो गई। सिंगापुर सिविल डिफेंस फोर्स (एससीडीएफ) ने फेसबुक पोस्ट में कहा कि 15 बच्चों समेत कम से कम 20 लोगों को (घायल अवस्था में) अस्पताल ले जाया गया। सोशल मीडिया पर आए वीडियो में इमारत से काला धुआं निकलता और तीसरी मंज़िल पर बच्चे बैठे हुए दिखाई देते हैं। निर्माण कार्य में लगे व्यक्तियों समेत कई लोग फंसे हुए लोगों को बचाने के लिए मचाननुमा कंक्रीट के ढांचे पर चढ़ते हुए दिखाई देते हैं। बचाव सीढ़ियां और एक संयुक्त प्लेटफॉर्म सीढ़ी को छत पर फंसे बाकी लोगों को बचाने के लिए लगाया गया, जबकि अग्निशमन कर्मी इमारत की दूसरी और तीसरी मंजिल पर आग को बुझाने में जुटे रहे। पुलिस और एससीडीएफ कर्मियों ने इमारत और आसपास के परिसर से लगभग 80 लोगों को बाहर निकाला तथा 20 लोगों को अस्पताल ले जाया गया। के. के. महिला एवं बाल अस्पताल में आपातकालीन चिकित्सा विभाग के प्रमुख और वरिष्ठ सलाहकार एसोसिएट प्रोफेसर शशिकुमार गणपति ने कहा, हमारी प्राथमिकता इन रोगियों को तत्काल चिकित्सा देखभाल प्रदान करना और देखभाल करने वालों को सहायता प्रदान करने की है। एससीडीएफ ने कहा कि आग लगने का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है और जांच जारी है।

Image credit: x.com/InformedAlerts

चीन में वृद्धाश्रम में आग लगने से 20 बुजुर्गों की मौत

बीजिंग। उत्तरी चीन के हेबेई प्रांत की लोंगहुआ काउंटी में मंगलवार रात एक वृद्धाश्रम में आग लगने से 20 बुजुर्गों की मौत हो गई। स्थानीय अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट में बताया गया कि स्थानीय समय के अनुसार, मंगलवार रात करीब नौ बजे आग लगी। आग लगने के दौरान इमारत के भीतर 39 बुजुर्ग मौजूद थे। आग पर रात 11 बजे तक काबू पा लिया गया। अब तक कुल 20 लोगों की मौत की पुष्टि की गई है, जबकि 19 अन्य लोगों को स्वास्थ्य जांच के लिए अस्पताल भेजा गया है।रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस ने वृद्धाश्रम के प्रभारी को हिरासत में ले लिया है और आग लगने के कारणों की जांच जारी है। हांगकांग स्थित साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट ने जिमू न्यूज के हवाले से बताया कि सार्वजनिक रिकॉर्ड के अनुसार, 300 बिस्तरों वाले गुओएन सीनियर होम में आग लगने के समय 260 बुजुर्ग मौजूद थे। लाइसेंस रिकॉर्ड के मुताबिक, इस वृद्धाश्रम का उद्देश्य बुजुर्गों और दिव्यांगों को आवास, भोजन उपलब्ध कराना और उनकी देखभाल करना है। इससे पहले जनवरी 2024 में जियांग्शी प्रांत के शिनयु शहर में एक इमारत परिसर में आग लगने से 39 लोगों की मौत हो गई थी और नौ अन्य घायल हुए थे। इस घटना की जांच में पाया गया था कि भूतल में अवैध रूप से कोल्ड स्टोरेज का निर्माण किया गया था जिसके चलते यह हादसा हुआ। इस दुर्घटना के बाद 50 से अधिक अधिकारियों को दोषी पाए जाने पर दंडित किया गया था।

कई स्थानीय अस्पताल और ऑपरेशन थिएटर अब भी बंद

भारत अपनी विशेषज्ञता के चलते भूकंप के असर से म्यांमा के उबरने में निभा रहा महत्वपूर्ण भूमिका : संरा

» मांडले (म्यांमा), भाषा।

संयुक्त राष्ट्र के एक अधिकारी ने कहा है कि म्यांमा में आए विनाशकारी भूकंप के बाद मानवीय सहायता प्रदान करने में भारत एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में उभरा है, जिसने त्वरित और पर्याप्त सहायता प्रदान कर राहत प्रयासों को मजबूत किया है। म्यांमा में मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (ओसीएचए) के प्रमुख सज्जाद मोहम्मद साजिद ने पीटीआई की वीडियो सेवा के साथ एक साक्षात्कार में ऑपरेशन ब्रह्मा के तहत संसाधनों की तीव्र तैनाती के लिए भारत की प्रशंसा की, जिसके तहत आपदा के कुछ दिनों के भीतर खाद्य, चिकित्सा आपूर्ति और फील्ड अस्पताल सहायता सहित1,000 मीट्रिक टन से अधिक मानवीय सहायता पहुंचाई गई। म्यांमा में 28 मार्च को 7.7 तीव्रता का भूकंप आया था। साजिद ने कहा, संसाधनों और सुविधाओं की शीघ्र तैनाती से बहुत से लोगों को मदद मिली, विशेष रूप से मांडले के शहरी क्षेत्रों में। उन्होंने उल्लेख किया कि भारत ने सर्वाधिक प्रभावित क्षेत्रों की सहायता के लिए 200 सदस्यीय खोज एवं बचाव दल और चिकित्साकर्मियों को भी भेजा है।

साजिद ने कहा कि मांडले में एक फील्ड अस्पताल की स्थापना विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि कई स्थानीय अस्पताल और ऑपरेशन थिएटर अब भी बंद पड़े हैं तथा ट्रॉमा देखभाल बहुत सीमित है। उन्होंने कहा, यह फील्ड अस्पताल ऐसी स्थिति में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, जहां बुनियादी ढांचा अब भी उबरने की कोशिश कर रहा है। भूकंप का केन्द्र मांडले के निकट था। इससे म्यांमा में भारी तबाही हुई है। नवीनतम खबरों के अनुसार, कम से कम 3,500 लोगों की मृत्यु की पुष्टि हुई है, 5,000 लोग घायल हुए हैं तथा 200 लोग अभी भी लापता हैं। संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों का अनुमान है कि एक करोड़ 70 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं, जिनमें से 90 लोगों ने सबसे तीव्र भूकंप का अनुभव किया। इस आपदा से म्यांमा के 330 नगरों में से 58 में बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा है। इससे आंतरिक संघर्ष और क्षतिग्रस्त सडकों, पुलों तथा हवाई अड्डों जैसी रसद संबंधी बाधाओं से उत्पन्न मौजूदा चुनौतियां और भी बढ़ गई हैं। साजिद ने ओसीएचए और भारतीय प्राधिकारियों के बीच जारी समन्वय पर प्रकाश डाला, जिसमें भारतीय दूतावास के साथ सीधा संपर्क और मानवीय दाता समूह के माध्यम से नियमित परामर्श शामिल है। उन्होंने कहा, हम भारत सहित सदस्य देशों के संपर्क में हैं और मुझे उम्मीद है कि भारत म्यांमा में लोगों के जीवन और आजीविका के पुनर्निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, जिसके लिए दीर्घकालिक समर्थन की आवश्यकता होगी। उन्होंने आपदा के बाद पुनर्निर्माण में भारत के अनुभव की ओर भी ध्यान दिलाया तथा गुजरात और कश्मीर में भूकंप के बाद सफल पुनर्निर्माण प्रयासों का हवाला दिया। साजिद ने जोर देकर कहा, भारत के पास कुछ सर्वोत्तम तरीके हैं जिन्हें वह म्यांमा के साथ भी साझा कर सकता है और ऐतिहासिक संबंधों वाले पड़ोसी देश होने के नाते इसकी भूमिका महत्वपूर्ण होगी। भारत ने इस संकट में म्यांमा की सहायता के लिए ऑपरेशन ब्रह्मा शुरू किया है। साजिद वर्तमान में मांडले में रह रहे हैं। इस शहर में लोग अब भी सडकों पर सो रहे हैं, क्योंकि उन्होंने प्रारंभिक भूकंप के बाद से1,000 से अधिक भूकंपीय झटके महसूस किए हैं जिससे वे डरे हुए हैं।

अबू धाबी में हीरों की प्रदर्शनी में आकर्षण का केंद्र रहा 10 कैरेट का नीला हीरा

» अबू धाबी, भाषा।

संयुक्त अरब अमीरात की राजधानी अबू धाबी में मंगलवार को करीब 10 करोड़ डॉलर कीमत के विश्व के सबसे दुर्लभ हीरों की प्रदर्शनी में एक नीले हीरे को प्रदर्शित किया गया और यह सभी के आकर्षण का केंद्र रहा। सोथबी द्वारा आयोजित इस प्रदर्शनी में कुल आठ हीरे प्रदर्शित किए गए हैं, जिनका कुल वजन 700 कैरेट से अधिक है। इनमें लाल, पीले, गुलाबी और रंगहीन हीरे शामिल हैं। प्रदर्शनी में दर्शकों की सबसे अधिक नजर दक्षिण अफ्रीका से लाए गए 10 कैरेट के नीले हीरे पर रही जिसे अब तक के खोजे गए सबसे महत्वपूर्ण नीले हीरों में से एक माना जा रहा है।

सोथबी को उम्मीद है कि यह हीरा मई में होने वाली नीलामी में दो करोड़ डॉलर (लगभग 166 करोड़ रुपए) में बिकेगा। कंपनी के उत्तरी अमेरिका, यूरोप और पश्चिम एशिया क्षेत्र में रत्न विभाग के प्रमुख क्विग ब्रूनिंग ने कहा कि उन्होंने अबू धाबी को प्रदर्शनी स्थल के रूप में इसलिए चुना क्योंकि खाड़ी देश में हीरों को लेकर गहरी रुचि देखी जाती है। उन्होंने कहा, हम इस क्षेत्र के प्रति काफी आशावादी हैं। हमें दृढ़ विश्वास है कि यह ऐसा क्षेत्र है जहां दुर्लभ हीरों के व्यापारी और संग्राहक दोनों मौजूद हैं।

रूस ने नौ मई को विजय दिवस परेड के लिए प्रधानमंत्री मोदी को आमंत्रित किया

मॉस्को। रूस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को द्वितीय विश्व युद्ध में जर्मनी पर विजय की 80वीं वर्षगांठ के अवसर पर नौ मई को आयोजित होने वाले समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है। उप विदेश मंत्री आंद्रे रुदेंको ने यह जानकारी दी। रूस को प्रधानमंत्री मोदी के नौ मई की परेड के लिए आने की उम्मीद है। रूसी समाचार एजेंसी तास ने रुदेंको के हवाले से कहा कि निमंत्रण पहले ही भेजा जा चुका है और यात्रा की योजना बनाई जा रही है। रूस ने इस साल की विजय दिवस परेड में शामिल होने के लिए कई मित्र देशों के नेताओं को आमंत्रित किया है। जनवरी 1945 में, सोवियत सेना ने जर्मनी के खिलाफ एक आक्रामक अभियान शुरू किया था। नौ मई को कमांडर-इन-चीफ ने जर्मनी के बिना शर्त आत्मसमर्पण से जुड़े अधिनियम पर हस्ताक्षर किए, जिसके साथ ही युद्ध समाप्त हो गया था। प्रधानमंत्री मोदी ने जुलाई 2024 में रूस का दौरा किया था, जो लगभग पांच वर्षों में देश की उनकी पहली यात्रा थी। उस दौरान वह 22वें रूस-भारत शिखर सम्मेलन में शामिल हुए थे। इससे पहले उन्होंने 2019 में एक आर्थिक सम्मेलन में भाग लेने के लिए सुदूर पूर्वी शहर व्लादिवोस्तोक का दौरा किया था। पिछले अक्टूबर में मोदी ने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए रूस के शहर कजान का दौरा किया था। पिछली यात्रा के दौरान, मोदी ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को भारत आने का निमंत्रण दिया था। पुतिन ने पहले ही भारत आने के लिए मोदी के निमंत्रण को स्वीकार कर लिया है। हालांकि, पुतिन की यात्रा की तारीखों का अभी खुलासा नहीं किया गया है। जनवरी में भारत के 76वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री मोदी को अपने बधाई संदेश में पुतिन ने कहा कि रूस-भारत संबंध विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी पर आधारित हैं। पुतिन और मोदी नियमित संपर्क बनाए रखते हैं, हर दो महीने में एक बार टेलीफोन पर बातचीत करते हैं। दोनों नेता खासकर अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों के दौरान भी मिलते हैं।

न्यूज ब्रीफ

ईरान परमाणु बम नहीं बना रहा, अमेरिकी निवेश पर आपत्ति नहीं: राष्ट्रपति पेजेशकियन

» तेहरान, भाषा।

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने अमेरिका और उनके देश के बीच होने वाली वार्ता के पहले बुधवार को कहा कि ईरान परमाणु बम नहीं बना रहा। उन्होंने यह भी कहा कि दोनों देशों के बीच कोई समझौता होने पर ईरान में अमेरिकी निवेश पर भी कोई ऐतराज नहीं है। राष्ट्रपति पेजेशकियन की टिप्पणियां विश्व शक्तियों के साथ 2015 के परमाणु समझौते के बाद ईरान के रुख में बदलाव को दर्शाती हैं। उस समझौते में तेहरान ने अमेरिकी विमान खरीदने की मांग की थी, लेकिन प्रभावी रूप से अमेरिकी कंपनियों को देश में आने से रोक दिया था। तेहरान में दिए गए भाषण में पेजेशकियन ने ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई का जिक्र करते हुए कहा कि उन्हें ईरान में अमेरिकी निवेशकों के निवेश से कोई आपत्ति नहीं है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी निवेशक ईरान आएं और निवेश करें।

इस तरह के व्यावसायिक प्रस्ताव से अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की समझौते में दिलचस्पी बढ़ सकती है, जिन्होंने राष्ट्रपति के तौर पर अपने पहले कार्यकाल में विश्व शक्तियों के साथ ईरान के परमाणु समझौते से अमेरिका को अलग कर लिया था और अब देश के साथ एक नया समझौता करना चाहते हैं। पिछले साल अपने चुनाव के दौरान पश्चिमी देशों तक पहुंच बनाने के लिए प्रचार करने वाले पेजेशकियन ने यह भी कहा कि शनिवार को ओमान में ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अरघची और पश्चिम एशिया के लिए अमेरिका के राजदूत स्टीव विटकॉफ के बीच होने वाली वार्ता अप्रत्यक्ष रूप से होगी। ट्रंप ने कहा है कि वार्ता प्रत्यक्ष रूप से होगी और ईरान ने इससे इनकार भी नहीं किया है। पेजेशकियन ने कहा, हम परमाणु बम नहीं बना रहे। आपने (पश्चिमी देशों ने) 100 बार इसका सत्यापन कर लिया है।

सीतारमण ने लंदन में निवेशक गोलमेज सम्मेलन में भारत के निवेश अवसरों का किया उल्लेख

» लंदन, भाषा।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने ब्रिटेन के निवेशकों से कहा है कि भारत विदेशी बैंकों के लिए वृद्धि के आकर्षक अवसर प्रदान करता है। सीतारमण ने लंदन में भारत-ब्रिटेन निवेशक गोलमेज सम्मेलन की अध्यक्षता की। इसमें विभिन्न पेंशन कोष, बीमा कंपनियों, बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थानों का प्रतिनिधित्व करने वाले ब्रिटेन के करीब 60 निवेशकों ने हिस्सा लिया। वित्त मंत्रालय के अनुसार, मंगलवार शाम को आयोजित उच्चस्तरीय गोलमेज बैठक में नीतिगत समर्थन के साथ सतत आर्थिक वृद्धि और निवेश अवसरों को सक्षम बनाने के लिए सरकार की प्राथमिकताओं को रेखांकित किया गया, जिसके जरिए न्यू इंडिया को आकार दिया जा रहा है। इसमें अनुपालन के बोझ को कम करने तथा व्यापार व निवेश के लिए अनुकूल परिवेश उपलब्ध कराने को विनियमन को सुगम बनाने के लिए प्रक्रिया और कामकाज के तरीकों में सुधारों को आगे बढ़ाने के मंत्रालय के प्रयासों का उल्लेख किया गया।

सीतारमण ने सम्मेलन में मौजूद लोगों से कहा, भारत विदेशी बैंकों के लिए वृद्धि के आकर्षक अवसर प्रदान करता है। भारत सरकार बैंकिंग क्षेत्र में विदेशी निवेश को सक्रिय रूप से प्रोत्साहित कर रही है। केंद्रीय वित्त मंत्री ने कहा कि विस्तारित मध्यम वर्ग तथा मजबूत व स्थिर नीतिगत माहौल के साथ भारत 2032 तक छठा सबसे बड़ा बीमा बाजार बनने के लिए तैयार है। इसमें 2024-28 तक सालाना आधार पर 7.1 प्रतिशत की वृद्धि होगी। यह जी-20 देशों में सबसे तेजी से बढ़ते बीमा बाजारों में से एक होगी। सीतारमण ने निवेशकों को यह भी बताया कि भारतीय प्रतिभूति बाजार 2023 की शुरुआत में टी1 निपटान को पूरी तरह से अपनाने वाले पहले प्रमुख बाजारों में से एक है। भारत का बाजार पूंजीकरण 4,600 अरब अमेरिकी डॉलर है, जो वर्तमान में वैश्विक स्तर पर चौथे स्थान पर है। टी1 (ट्रेड 1) निपटान का मतलब लेनदेन की तारीख के एक कारोबारी दिन बाद सौदे को अंतिम रूप देना। मंत्रालय के अनुसार, केंद्रीय वित्त मंत्री ने भारत के पहले अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र गिफ्ट-आईएफएससी के बारे में विस्तार से बात की...जो एक अपतटीय क्षेत्र है जो पर्याप्त कर छूट, कुशल कार्यबल, विदेशी मुद्रा लेनदेन और रणनीतिक भौगोलिक स्थिति के साथ सक्षम परिवेश तंत्र से संपन्न है। वित्त मंत्री ने सम्मेलन में उपस्थित लोगों को बताया गया कि मार्च, 2025 तक बैंक, पूंजी बाजार, बीमा, वित्त प्रौद्योगिकी, विमान पट्टे, जहाज पट्टे, बुलियन एक्सचेंज आदि क्षेत्रों की 800 से अधिक संस्थाएं आईएफएससीए के साथ पंजीकृत हो चुकी हैं। भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था को उसके आर्थिक वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदानकर्ता के रूप में रेखांकित करते हुए सीतारमण ने प्रतिभागियों से कहा कि भारत घरेलू यूनिकॉर्न की संख्या के मामले में दुनिया में तीसरे स्थान पर है। भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है।

सीतारमण ने प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर, चांसलर रेचल रीव्स के साथ की बातचीत

लंदन। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर और चांसलर रेचल रीव्स के साथ बातचीत की। रीव्स ने यहां 11 डाउनिंग स्ट्रीट स्थित अपने कार्यालय में वित्त मंत्री का स्वागत किया। भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर जारी वार्ता की प्रगति बैठक के एजेंडा में शामिल विषयों में से एक रही। यह बैठक 13वीं ब्रिटेन-भारत आर्थिक व वित्तीय वार्ता (ईएफडी) से पहले हुई। सीतारमण ने वार्ता से पहले पीटीआई-भाषा से कहा कि दोनों देशों के वित्तीय क्षेत्रों के बीच घनिष्ठ सहयोग तथा भारत में ब्रिटेन के विश्वविद्यालयों का स्वागत करने के लिए मजबूत शैक्षिक संबंध चर्चा के मुख्य विषयों में शामिल हैं। उन्होंने कहा, हम कुछ व्यवसायों की पारस्परिक मान्यता पर भी गौर करेंगे, जो दोनों देशों के लिए महत्वपूर्ण है। विज्ञान व प्रौद्योगिकी जहां ब्रिटेन की अनुसंधान में बड़ी पकड़ है और भारत इसमें सहयोग करना व सहभागिता चाहता है। वित्त मंत्रालय के अनुसार, ईएफडी दोनों देशों के बीच एक महत्वपूर्ण द्विपक्षीय मंच है। इसमें निवेश मामलों, वित्तीय सेवाओं, वित्तीय विनियमनों, यूपीआई (एकीकृत भुगतान अन्तरापृष्ठ) अंतर संबद्धता, कराधान मामलों और अवैध वित्तीय प्रवाह सहित वित्तीय सहयोग के विभिन्न पहलुओं को शामिल किया गया है। ईएफडी में भारतीय पक्ष की ओर से बुधवार को प्रमुख प्राथमिकताओं में आईएफएससी गिफ्ट सिटी में सहयोग, निवेश, बीमा व पेंशन क्षेत्र, वित्तीय प्रौद्योगिकी व डिजिटल अर्थव्यवस्था और किफायती व टिकाऊ जलवायु वित्त जुटाना शामिल हैं।

युद्ध में रूस का साथ देने शामिल हुए चीन के दो नागरिक पकड़े गए

» कीव (यूक्रेन), भाषा।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने मंगलवार को कहा कि उनकी सेना ने पूर्वी दोनेत्स्क क्षेत्र में युद्ध के दौरान रूसी सेना साथ दे रहे चीन के दो नागरिकों को पकड़ा है और उन्हें जानकारी मिली है कि चीन के काफी अधिक लोग रूसी सेना के साथ हैं। इस मामले को लेकर चीन की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की गई और यह भी नहीं पता है कि बीजिंग ने रूस को हथियार या सैन्य विशेषज्ञता प्रदान की है या नहीं। यह भी स्पष्ट नहीं है कि चीन अपनी पहल पर युद्ध में शामिल हुआ था या नहीं। रूस विदेशियों को अपनी सेना में भर्ती होने की अनुमति देता है और यूक्रेन में भी यह व्यवस्था है।

जेलेंस्की ने कहा कि उन्होंने अपने शीर्ष राजनयिक को तुरंत बीजिंग से संपर्क करने के निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी और दक्षिण कोरियाई अधिकारियों के अनुसार, ईरान और उत्तर कोरिया के अलावा चीन रूस को सैन्य सहायता प्रदान करने वाला तीसरा देश होगा। ईरान ने रूस को हमलावर ड्रोन की आपूर्ति की है और उत्तर कोरिया ने उसे सैनिक की आपूर्ति की है।

तीन दशकों में भारत के किसी राष्ट्रपति की स्लोवाकिया की पहली यात्रा

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का स्लोवाकिया में औपचारिक स्वागत

» ब्रातिस्लावा, भाषा।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का बुधवार को यहां राष्ट्रपति भवन में स्लोवाकिया के राष्ट्रपति पीटर पेलेग्रिनी ने स्वागत किया। राष्ट्रपति मुर्मू पुर्तगाल के दो दिवसीय राजकीय दौरे के समापन के बाद स्लोवाकिया पहुंचीं। वह इस देश की यात्रा करने वाली दूसरी भारतीय राष्ट्रपति हैं। लोक पोशाक पहने एक जोड़े ने ब्रेड और नमक के साथ उनका पारंपरिक स्लोवाक स्वागत किया। राष्ट्रपति कार्यालय ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, स्लोवाकिया के राष्ट्रपति पीटर पेलेग्रिनी ने ब्रातिस्लावा में राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का स्वागत किया।

लोक पोशाक पहने एक जोड़े ने ब्रेड और नमक के साथ उनका पारंपरिक स्लोवाक स्वागत किया। राष्ट्रपति को सलामी गारद प्रदान किए जाने के साथ उनका औपचारिक स्वागत किया गया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू आज ब्रातिस्लावा में राष्ट्रपति भवन पहुंचीं। स्लोवाकिया के राष्ट्रपति पीटर पेलेग्रिनी ने गर्मजोशी से उनका स्वागत किया और सलामी गारद प्रदान किए जाने के साथ औपचारिक स्वागत किया। यह पिछले लगभग तीन दशकों में भारत के किसी राष्ट्रपति की स्लोवाकिया की पहली यात्रा है। स्लोवाक दंपति ने मुर्मू को ब्रेड दी जिसे उन्होंने नमक लगाकर खाया। यह प्राचीन परंपरा विभिन्न विशेष अवसरों पर विशिष्ट अतिथियों के लिए आतिथ्य, मित्रता और सम्मान के प्रतीक के रूप में निभाई जाती है। स्लोवाकिया की अपनी दो दिवसीय यात्रा के दौरान, राष्ट्रपति मुर्मू प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता करेंगी और प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको तथा राष्ट्रीय परिषद के अध्यक्ष रिचर्ड रासी से मुलाकात करेंगी। इस यात्रा के दौरान कई समझौता ज्ञापनों पर भी हस्ताक्षर किए जाएंगे। आखिरी बार भारत के किसी राष्ट्रपति ने 29 साल पहले स्लोवाकिया का दौरा किया था। मुर्मू मध्य यूरोपीय देश का दौरा करने वाली भारत की दूसरी राष्ट्रपति हैं। विदेश मंत्रालय के सचिव (पश्चिम) तन्मय लाल ने चार अप्रैल को प्रेस वार्ता में कहा था कि स्लोवाकिया में संस्कृत अध्ययन के साथ भारत के गहरे संबंध हैं। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी की रचनाओं का स्लोवाक में अनुवाद किया गया है और स्लोवाकिया ने वर्ष 2022 में यूक्रेन से भारतीय छात्रों को निकालने के दौरान बहुमूल्य सहायता प्रदान की। राष्ट्रपति नित्रा स्थित टाटा मोटर्स के जगुआर लैंड रोवर संयंत्र में भी जाएंगी, जो 1.4 अरब यूरो के निवेश से वर्ष 2018 में शुरू हुआ था और प्रति वर्ष 1.5 लाख वाहनों के विनिर्माण की क्षमता रखता है। राष्ट्रपति पुर्तगाल की अपनी दो दिवसीय राजकीय यात्रा पूरी करने के बाद यहां पहुंचीं। इस यात्रा के दौरान उन्होंने देश के शीर्ष नेतृत्व के साथ विचार-विमर्श किया और भारतीय समुदाय के साथ बातचीत की।

तहव्वुर राणा को जल्द ही भारत प्रत्यर्पित किया जा सकता है : सूत्र

» न्यूयॉर्क, भाषा।

मुंबई आतंकी हमले के आरोपी तहव्वुर राणा को जल्द ही अमेरिका से भारत प्रत्यर्पित किया जा सकता है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। भारत में सरकारी सूत्रों के अनुसार भारत से विभिन्न एजेंसियों की एक टीम अमेरिका आई है और अमेरिकी अधिकारियों के साथ मिलकर सभी कागजी और कानूनी प्रक्रियाएं पूरी की जा रही हैं। सूत्रों ने कहा कि इस बात की अत्यधिक संभावना है कि राणा को जल्द ही प्रत्यर्पित किया जा सकता है। यह भी माना जा रहा है कि राणा को बुधवार को भारत नहीं लाया जाएगा और प्रत्यर्पण की प्रक्रिया जारी है। कुछ समय पहले अमेरिकी उच्चतम न्यायालय के न्यायधीशों ने राणा की याचिका खारिज कर दी थी, जिसके बाद भारत प्रत्यर्पित किए जाने से बचने उसका अंतिम प्रयास विफल हो गया था। राणा ने 27 फरवरी को अमेरिकी उच्चतम न्यायालय की एसोसिएट न्यायाधीश और नाइंथ सर्किट की सर्किट न्यायाधीश एलेना कागन के समक्ष बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका के लंबित मुकदमे पर रोक लगाने के लिए आपातकालीन आवेदन प्रस्तुत किया था।

पिछले महीने की शुरुआत में कागन ने आवेदन अस्वीकार कर दिया था। इसके बाद राणा ने अपने इस आवेदन को नवीनीकृत किया, तथा अनुरोध किया कि नवीनीकृत आवेदन प्रधान न्यायाधीश जॉन रॉबर्ट्स को भेजा जाए। उच्चतम न्यायालय की वेबसाइट पर पोस्ट किए गए एक आदेश में कहा गया है कि राणा के नवीनीकृत आवेदन को चार अप्रैल 2025 की कॉन्फ्रेंस के लिए सूचीबद्ध किया गया था और आवेदन को न्यायालय को भेजा गया है। सोमवार को उच्चतम न्यायालय की वेबसाइट पर एक नोटिस में कहा गया कि अदालत ने आवेदन अस्वीकार कर दिया है। राणा को पाकिस्तानी-अमेरिकी आतंकवादी डेविड कोलमैन हेडली से जुड़ा माना जाता है, जो 26 नवंबर 2008 (26/11) हमलों के मुख्य साजिशकर्ताओं में से एक है। साल 2008 के मुंबई आतंकवादी हमलों में छह अमेरिकियों समेत कुल 166 लोग मारे गए थे।